फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 76 संख्याः 151 प्रभात जयपुर, शुक्रवार 2 जनवरी, 2026 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

ARBiT

An Efficient Or A 'Good' Doctor!

She made something up, not willing to confess her inability to read. After some probing, she admitted that her eyesight was deteriorating

Using Brown Sugar for Plant Health

Kangiten and Lord Ganesha

The Shared Legacy of the Elephant-Headed Deity

भाजपा सुनियोजित तरीके से गंभीरता से युवा नेताओं का ''ग्रुप'' तैयार कर रही है

इस ''ग्रुप'' के नेता आगामी बीस साल तक पार्टी को नेतृत्व प्रदान करेंगे, 2047 के लिए निश्चित ''रोड मैप'' का अनुसरण करते हुए, लक्ष्य तक पहुँचाएंगे

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- इस दृष्टि से मकर सक्रांति के बाद केन्द्रीय मंत्रिमंडल में बहुप्रतीक्षित फेरबदल में युवा चेहरों पर फोकस होगा।
- इसी प्रकार नव चयनित पैंतालीस वर्षीय पार्टी अध्यक्ष नितिन नबीन जब अगले माह अपनी जिम्मेवारी संभालेंगे और अपने पदाधिकारियों की नई टीम गठित करेंगे, पार्टी के कई महासचिव व सचिव व अन्य पदाधिकारियों की जगह युवा नेताओं को स्थान दिया जाएगा।
- राज्यसभा में भाजपा के सदस्यों की संख्या बढ़ेगी, बिहार, महाराष्ट्र व छत्तीसगढ़ में पार्टी को मिली सफलता के कारण। इस बार राज्यसभा में 37 सीटें, अप्रेल में खाली हो जाएंगी, पुराने सदस्यों का कार्यकाल पूरा होने के कारण। इन रिटायर हो रहे सदस्यों में भाजपा के 9 सांसद भी हैं। भाजपा के अब पहले से ज्यादा सदस्य चुने जाएंगे, राज्यसभा के सदस्य के रूप में। नये सदस्यों के चयन में भाजपा पुनः युवा नेताओं को मौका देगी।

नई दिल्ली, 1 जनवरी। भाजपा का आमूलचूल बदलाव, जो 2025 में शुरू हुआ था, इस वर्ष उसके गति पकड़ने की संभावना है। यह नेतृत्व में एक पीढ़ीगत बदलाव का संकेत है।

अन्य राजनीतिक दलों के विपरीत, भाजपा रणनीतिक रूप से जनरेशन ज़ैड और मिलेनियल्स को अपनी ओर आकर्षित करने के लिए काम कर रही है। ज्ञातव्य है कि इन वर्गों के बीच हाल ही में बढ़ते हुए असंतोष की घटनाएं सामने आई हैं। 15 अगस्त 2024 को, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने स्वतंत्रता दिवस भाषण में 1,00,000 ऐसे युवाओं को राजनीति में लाने की बात कही थी, जिनका पहले कोई राजनीतिक जुड़ाव नहीं रहा। पिछले साल जनवरी में, विकसित भारत युवा नेतृत्व संवाद की शुरुआत की गई थी तथा प्रधानमंत्री मोदी ने भी इस तीन दिवसीय सम्मेलन में भाग लिया था।

जब नवनियुक्त कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नबीन अपनी टीम का गठन करेंगे, तब राष्ट्रीय संगठन में नये और युवा चेहरों को शामिल किये जाने की संभावना है। कई वरिष्ठ महासचिवों और सचिवों के स्थान पर युवा नेताओं को लाया जा सकता है। नबीन को फरवरी में नई दिल्ली में आयोजित होने वाले भाजपा के राष्ट्रीय अधिवेशन में पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष नियुक्त किया जा सकता है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

नये साल में 299 घायल चालक ट्रॉमा सैंटर पहुँचे

जयपुर, 1 जनवरी। नववर्ष के जश्न में नशे के जोश ने राजधानी की सड़कों को खून से लाल कर दिया। देर रात शराब के नशे में तेज रफ्तार दुपहिया और चौपहिया वाहन चलाने से हुए हादसों में 299 घायल सवाई मानसिंह अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर पहुंचे। पुलिस की सख्त अपीलों और निगरानी के बावजूद, युवाओं की लापरवाही भारी पड़ी, जिसका सीधा असर एसएमएस अस्पताल के ट्रॉमा वार्ड में देखने को मिला।

- शराब के नशे में तेज वाहन चलाते हुए इन घायलों में से एक की मौत हो गई व 50 की हालत गंभीर है।

नववर्ष की रात 8 बजे के बाद सड़क हादसों के मामलों में अचानक बढ़ोतरी दर्ज की गई। देर रात तक घायलों का सिलसिला चलता रहा और ट्रॉमा सेंटर पूरी तरह व्यस्त रहा।

एसएमएस ट्रॉमा सेंटर के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. बी.एल. यादव ने बताया कि बीते 24 घंटों में कुल 299 घायल इलाज के लिए लाए गए। इनमें से एक घायल की इलाज के दौरान मौत हो गई, जबकि 50 घायलों की हालत गंभीर होने पर उन्हें अस्पताल में भर्ती किया गया। शेष 249 घायलों को

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'सबको अपने घर में मातृ-भाषा बोलनी चाहिए'

मोहन भागवत ने छत्तीसगढ़ में हिंदू सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, देश में सामाजिक समरसता से ही भारत की पहचान है

- जाल खंबाता -
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- भागवत ने अनुसार, अगर कोई किसी अन्य प्रदेश में रहता है तो उसको उस प्रदेश की भाषा भी सीखनी चाहिए। क्योंकि सभी भाषाएं, राष्ट्रीय भाषाएं हैं और सबका बराबर महत्व है।
- भाजपा के कई नेताओं ने भागवत के भाषण को सही बताया और समर्थन किया।
- पर, विपक्ष ने कटाक्ष किया कि भागवत किस राजनीतिक पार्टी के सोच का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। भाजपा तो उनकी इस सोच का अनुसरण नहीं करती और न ही उनके इस उदार सोच से प्रेरणा लेती है।

नई दिल्ली 1 जनवरी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आर.एस.एस.) के प्रमुख मोहन भागवत ने बुधवार को देशभर में सामाजिक सौहार्द बनाए रखने का आव्हान किया और लोगों से भाषा, जाति और संपत्ति के विभाजन से ऊपर उठने की अपील की। भागवत के अनुसार, लोगों को घर पर अपनी मातृभाषा बोलनी चाहिए और साथ ही यह भी कहा कि सभी भाषाओं का समान महत्व है।

भागवत के ये बयान क्षेत्रीय दलों, खासकर दक्षिण भारतीय दलों द्वारा लगाए गए इन आरोपों के बीच आए हैं कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अगुवाई वाली केन्द्र सरकार ''क्षेत्रीय भाषाओं की कीमत पर हिंदी को प्राथमिकता देने की कोशिश कर रही है''। भागवत के बयान उस समय आए हैं, जब त्रिपुरा के एक छात्र एंजेल चकमा की देहरादून में कथित नस्ली उत्पीड़न के बाद हुई हत्या के बाद देश भर में नाराज़गी बढ रही है। सार्वजनिक आक्रोश के बीच, भागवत ने दोहराया कि पूरा देश सभी का है और सौहार्द भारत की पहचान है।

भागवत ने कहा, ''कम से कम हमारे घरों के अंदर हमें अपनी मातृभाषा में बात करनी चाहिए। यदि आप किसी अन्य राज्य या क्षेत्र में रहते हैं, तो आपको उस राज्य या क्षेत्र की भाषा सीखनी चाहिए, क्योंकि सभी भाषाएँ भारत की राष्ट्रीय भाषाएँ हैं। उनका सभी का समान महत्व है,'' भागवत छत्तीसगढ के रायपुर जिले के सोनपैरी गांव में आयोजित ''हिंदू सम्मेलन'' को संबोधित कर रहे थे।

कई भाजपा नेताओं ने आर.एस.एस. प्रमुख के इन बयानों की सराहना की तथा कहा कि उनके संदेश ने ''भारतीय पहचान की सबको साथ लेकर चलने की प्रकृति को रेखांकित किया''।

उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि भागवत ने सही भावना में बात की है। पाठक बोले ''उन्होंने सही कहा है। वे लगातार सामाजिक सौहार्द को बढ़ावा देते हैं, लोगों को एकजुट करते हैं, और हम सभी एक ऐसे तरीके से आगे बढ़ रहे हैं, जो भारत की संस्कृति को दर्शाता है, जिसमें सभी को शामिल किया गया है,''

शिवसेना नेता शायना एनसी ने इस पर प्रतिक्रिया दी कि भारत हमेशा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

न्यूयॉर्क के पहले मुस्लिम मेयर ममदानी ने कुरान पर हाथ रखकर शपथ ली

भारतीय मूल के ज़ोहरान ममदानी न्यूयॉर्क के 112वें मेयर चुने गए हैं

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- ममदानी ने न्यूयॉर्क के पुराने विख्यात सिटी हॉल सबवे स्टेशन पर शपथ ली। अपनी मेहराबदार छतों के लिए विख्यात यह स्टेशन 1945 से ही बंद है।
- शपथ ग्रहण के बाद ज़ोहरान ने कहा, ''यह उनके जीवन का सबसे बड़ा सम्मान और सौभाग्य है।''

नई दिल्ली, 1 जनवरी। ज़ोहरान ममदानी ने एक भव्य समारोह में न्यूयॉर्क सिटी के 112वें मेयर के रूप में शपथ ली। यह ऐतिहासिक समारोह मैनहटन के एक अप्रयुक्त सबवे स्टेशन में हुआ। भारतीय मूल के इस डेमोक्रेट नेता ने अमेरिका के सबसे बड़े शहर के पहले मुस्लिम मेयर के रूप में शपथ ली, और शपथ लेते समय अपना हाथ पवित्र कुरान पर रखा। ऐसा करने वाले वे पहले मेयर हैं।

गुरुवार की आधी रात के बाद ममदानी न्यूयॉर्क सिटी के मेयर बन गए, और मैनहटन के एक अप्रयुक्त सबवे स्टेशन में शपथ ग्रहण के बाद ममदानी ने कहा, यह पुराना सबवे स्टेशन न्यूयॉर्क सिटी की जान, स्वास्थ्य, और विरासत के लिए पब्लिक ट्रांसपोर्ट के महत्व का प्रमाण है।

एसोसिएटेड प्रैस ने बताया, यह सबवे स्टेशन शहर के शुरुाती सबवे स्टॉप्स में से एक है और अपनी शानदार मेहराबदार छतों के लिए प्रसिद्ध है। यह 1945 से बंद है।

ममदानी के कार्यालय से जारी विज्ञप्ति के अनुसार, ''लंबे समय से बंद सबवे स्टेशन का चुनाव उन मेहनती लोगों के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है, जो हर दिन हमारे शहर को चलाते हैं। यह उस दौर का प्रतीक है, जब न्यूयॉर्क ने रोजमर्रा की जिंदगी का बेहतर बनाने के लिए इन्फ्रास्ट्रक्चर में भारी निवेश किया था। हमारा प्रशासन इसे फिर से शुरु करना चाहता है।''

ममदानी ने कहा, ''यह सच में

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राहुल और खड़गे ने नववर्ष की बधाई दी

नयी दिल्ली, 01 जनवरी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और पार्टी नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को देशवासियों को नए साल की हार्दिक शुभकामनाएं दीं और प्रगति एवं समृद्धि के लिए एकता तथा सामूहिक प्रयासों के महत्व पर जोर दिया।

खड़गे ने सोशल मीडिया एक्स पर शुभकामना संदेश पोस्ट करते हुए कहा,

- दोनों नेताओं ने प्रगति व समृद्धि के लिए एकता तथा सामुहिक प्रयासों के महत्व पर जोर दिया।

''इस उल्लासपूर्ण नववर्ष पर आप सभी को मेरी हार्दिक शुभकामनाएं। आइए, नया साल, कमजोर वर्गों के अधिकारों, काम का अधिकार, वोट का अधिकार और गरिमा के साथ जीवन जीने के अधिकार की रक्षा के लिए जन आंदोलन बने।'' गांधी ने भी अपनी हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा, ''आप सभी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जापान को पछाड़कर विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बना भारत

अधिकारियों ने भविष्यवाणी की है कि अगले तीन साल में भारत जर्मनी को पीछे छोड़ कर तीसरे स्थान पर आ जाएगा

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- सरकार ने हाल ही में एक रिपोर्ट जारी की है, जिसका शीर्षक है, ''2025 : ए डिफाइनिंग इयर फॉर इंडियाज़ ग्रोथ''। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि 4.18 ट्रिलियन डॉलर जीडीपी ग्रोथ के साथ भारत ने जापान को पीछे छोड़ दिया है और 2030 तक 7.3 ट्रिलियन डॉलर की जीडीपी प्रस्तावित है, तब भारत जर्मनी को पीछे छोड़ कर तीसरे नम्बर पर आ जाएगा।
- वर्ष 2022 में भारत ब्रिटेन को पीछे छोड़ कर पाँचवे स्थान पर आ गया था। सरकार ने दावा किया कि अंतर्राष्ट्रीय व्यापार संबंधी तमाम अनिश्चितताओं के बावजूद सतत ग्रोथ भारतीय अर्थव्यवस्था के लचीलेपन को दर्शाती है।
- आबादी की दृष्टि से चीन को पीछे छोड़ कर भारत पहले स्थान पर है और भारत की 1.4 बिलियन आबादी 10 से 26 साल के बीच की है और इस युवा वर्ग के लिए भारी रोज़गार सृजन की जरुरत है।

नई दिल्ली, 1 जनवरी। साल 2025 खत्म होने से पहले ही भारत ने जापान को पीछे छोड़ते हुए दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था का दर्जा हासिल कर लिया है। यह जानकारी सरकार की साल के अंत की आर्थिक समीक्षा में दी गई है। अधिकारियों को उम्मीद है कि भारत अगले कुछ वर्षों में जर्मनी को भी पीछे छोड़ देगा।

अधिकारियों का कहना है कि अगले तीन वर्षों के भीतर भारत जर्मनी को पार कर सकता है। आंकड़ों के मुताबिक, भारत का नॉमिनल सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) 4.18 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच गया है, जिससे वह अमेरिका, चीन और जर्मनी के बाद चौथे स्थान पर आ गया है।

हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि 2026 में आएगी, जब सालाना जीडीपी के अंतिम आंकड़े जारी किए जाएंगे। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के आंकड़े बताते हैं कि भारत इस साल जापान को पार कर जाएगा। आईएमएफ के 2026 के अनुमान के अनुसार, भारत की अर्थव्यवस्था 4.51 ट्रिलियन डॉलर और जापान की 4.46 ट्रिलियन डॉलर होगी।

सरकार की हाल में जारी रिपोर्ट ''2025: ए डिफाइनिंग ईयर फॉर इंडियाज़ ग्रोथ'' में कहा गया है कि ''भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है और इस रफ्तार को बनाए रखने की अच्छी स्थिति में है। 4.18 ट्रिलियन डॉलर की जीडीपी के साथ भारत जापान को पीछे छोड़कर दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है और अगले ढाई से तीन साल में 7.3 ट्रिलियन डॉलर की अनुमानित जीडीपी के साथ तीसरे स्थान पर मौजूद जर्मनी को भी पछाड़ सकता है।''

भारत का यह सकारात्मक आकलन, अगस्त में वाशिंगटन द्वारा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'2000 रु. के 98.41 प्रतिशत नोट वापस आए'

मुंबई, 01 जनवरी। प्रचलन से बाहर किये गये 2000 रुपये के 98.41 प्रतिशत नोट अब तक भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के पास वापस आ गये हैं।

केंद्रीय बैंक ने गुरुवार को एक प्रेस विज्ञप्ति में यह जानकारी दी। उसने बताया कि 2000 रुपये के नोटों को

- रिज़र्व बैंक ऑफ इंडिया ने गुरुवार को एक प्रैस विज्ञप्ति में यह घोषणा की।

प्रचलन से बाहर करने की घोषणा 19 मई 2023 को की गयी थी। उस समय 3.56 लाख करोड़ मूल्य के ये नोट प्रचलन में थे। गत 31 दिसंबर 2025 को यह आंकड़ा घटकर 5,669 करोड़ रुपये रह गया है। इस प्रकार, 98.41 प्रतिशत नोट आरबीआई के पास वापस आ चुके हैं।

विज्ञिप्त में बताया गया है कि 2000 रुपये के बैंक नोटों को वापस लेने की घोषणा के बाद सात अक्टूबर 2023 तक इन नोटों को बैंक शाखाओं में जमा कराने या बदलवाने की सुविधा दी गयी थी।राहुल ...

नयी दिल्ली, 01 जनवरी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और पार्टी नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को देशवासियों को नए साल की हार्दिक शुभकामनाएं दीं और प्रगति एवं समृद्धि के लिए एकता तथा सामूहिक प्रयासों के महत्व पर जोर दिया।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राजस्थान डिजिफेस्ट में 10 हजार प्रतिभागी शामिल होंगे- भजनलाल

मुख्यमंत्री ने स्टार्टअप्स की फंडिंग और मेंटरिंग के लिए आयोजित समिट की तैयारियों की समीक्षा की

- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान डिजिफेस्ट टाई ग्लोबल समिट 2026 में बारह सौ से अधिक वैश्विक कंपनियों के फाउण्डर, सीईओ व निवेशकों सहित 20 से अधिक यूनीकॉर्न/यूनीकॉर्न स्टार्टअप के फाउण्डर शामिल होंगे।

जयपुर, 1 जनवरी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान के स्टार्टअप्स को फंडिंग और मेंटरिंग का वैश्विक मंच उपलब्ध कराने के लिए 4 से 6 जनवरी तक जयपुर में 'राजस्थान डिजिफेस्ट टाई ग्लोबल समिट 2026' का आयोजन होने जा रहा है। इससे प्रदेश आई.टी. और स्टार्टअप विकास के प्रमुख केन्द्र के रूप में अपनी पहचान बनाएगा।

शर्मा गुरुवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में राजस्थान डिजिफेस्ट टाई ग्लोबल समिट 2026 की तैयारियों को लेकर आयोजित बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राजस्थान में पहली बार वृहद् स्तर पर आयोजित होने जा रही इस समिट में 10 हजार से अधिक प्रतिभागी शामिल होंगे, जिनमें देश व राज्य के स्टार्टअप्स, निवेशक, युवा उद्यमी, आई.टी. प्रोफेशनल्स, शिक्षण संस्थान एवं स्टूडेंट्स सहित, कई राज्यों के सूचना प्रौद्योगिकी तथा उद्योग विभाग के वरिष्ठ अधिकारी शामिल होंगे।

मुख्यमंत्री के दिशा-निर्देश में आयोजित होने जा रहे राजस्थान डिजिफेस्ट टाई ग्लोबल समिट 2026 में 1 हजार 200 से अधिक वैश्विक कम्पनियों के फाउण्डर, सीईओ व निवेशकों सहित, 20 से अधिक यूनीकॉर्न/सूनीकॉर्न स्टार्टअप्स के फाउण्डर शामिल होंगे। डिजिफेस्ट में आयोजित हो रहे सेक्टोरल सेशन में आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (एआई) सहित अन्य विषयों पर विस्तृत चर्चा होगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने 2 वर्षों में स्टार्टअप्स के लिए कई नीतिगत निर्णय लिए हैं, जिससे प्रदेश में स्टार्टअप और प्रौद्योगिकी के विकास का नया ईको सिस्टम विकसित हुआ है। इस समिट के माध्यम से राजस्थान के स्टार्टअप्स को 200 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। साथ ही, राजस्थान के आई-स्टार्ट प्रोग्राम में चिन्हित स्टार्टअप्स को इस आयोजन के जरिए एक वर्ष की मेंटरशिप मिलेगी।

शर्मा ने कहा कि इस समिट में कई राज्यों सहित, राजस्थान के सूचना प्रौद्योगिकी और संचार विभाग के पवेलियन के जरिये प्रतिभागियों को महत्वपूर्ण जानकारी मिलेगी तथा स्टार्टअप्स के 114 स्टॉल्स के माध्यम से नवाचारों को पहचान दिलाने का अवसर भी मिलेगा।

राजस्थान डिजिफेस्ट टाई ग्लोबल समिट 2026 के तहत राजस्थान रीजनल एआई इम्पेक्ट कॉन्फ्रेंस का भी आयोजन किया जाएगा। इस कॉन्फ्रेंस में एआई विषय पर आधारित सेक्टोरल सेशन का भी आयोजन होगा।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश में अप्रेल 2025 में राजस्थान डेटा सेंटर पॉलिसी एवं दिसम्बर 2024 में राजस्थान एवीजीसी-एक्सआर पॉलिसी लाई गई। इसी कड़ी में अब शर्मा डिजिफेस्ट के दौरान 6 जनवरी को राजस्थान एआई-एमएल पॉलिसी भी जारी करेंगे। बैठक में मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास सहित, मुख्यमंत्री कार्यालय, उद्योग एवं वाणिज्य, सूचना प्रौद्योगिकी और संचार विभाग के उच्चाधिकारी तथा टाई राजस्थान के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

प्र.मंत्री मोदी ने देशवासियों को नववर्ष की शुभकामनाएं दी

नयी दिल्ली, 01 जनवरी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को नव वर्ष 2026 के आगमन पर देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

प्रधानमंत्री ने अपने सोशल मीडिया एक्स मंच पर शुभकामना संदेश पोस्ट किया, ''सभी को 2026 की

- प्र.मंत्री ने एक्स पर लिखे अपने संदेश में राष्ट्रीय विकास के लिए एकता और सामुहिक प्रयासों के महत्व पर जोर दिया।

हार्दिक शुभकामनाएं। यह वर्ष सभी के लिए उत्तम स्वास्थ्य और समृद्धि लेकर आए, आपके प्रयासों में सफलता मिले और आप जो भी करें, उसमें संतोष प्राप्त हो। मैं समाज में शांति और खुशहाली के लिए प्रार्थना करता हूं।''अपने नववर्ष संदेश में मोदी ने राष्ट्रीय विकास के लिए एकता और सामूहिक प्रयासों के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने विश्वास जताया कि देश आने वाले वर्ष में चुनौतियों पर काबू पाएगा और नई ऊंचाइयों को छुएगा। प्रधानमंत्री का यह संदेश ऐसे समय आया है जब भारत अपनी आर्थिक विकास की गति को आगे बढ़ ाने और वैश्विक मंच पर अपनी स्थिति को मजबूत करने की दिशा में अग्रसर है। मोदी ने नागरिकों से एक समृद्ध और सौहार्दपूर्ण समाज के निर्माण के लिए मिलकर काम करने का आव्हान किया।

विचार बिन्दु

सहकामी दीपक दसा, सोखे तेल निवास
कबीरा हीरा संतजन, सहजे सदा प्रकास –कबीर

राजस्थान के मुख्यमंत्री की गंभीरता और चिंता को दर्शाता है अरावली पर्वतमाला क्षेत्र में अवैध खनन के खिलाफ संयुक्त अभियान

राजस्थान के 20 जिलों में अरावली पर्वतमाला की पारिस्थितिकी, जैव विविधता, जल पुनर्भरण और रेगिस्तानीकरण के विस्तार को रोकने में भूमिका को देखते हुए राजस्थान सरकार अरावली संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध होने के साथ ही गंभीर है। राजस्थान के अलवर, खैरथल–तिजारा, झुन्झुनू, सीकर, जयपुर, दौसा, कोटपूतली–बहरोड़, अजमेर, भीलवाड़ा, ब्यावर, टोंक, कुचामन–डीडवाना, पाली, सिरोही, राजसमंद, उदयपुर, सलूंबर, डूंगरपुर, बांसवाड़ा और प्रतापगढ़ जिले अरावली पर्वतमाला श्रृंखला के दायरे में आते हैं। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अरावली को लेकर गंभीरता को इसी से समझा जा सकता है कि उन्होंने ना केवल अरावली पर्वतमाला क्षेत्र अपितु प्रदेश में अवैध खनन गतिविधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश देते रहे हैं और इसके सकारात्मक परिणाम भी प्राप्त होने लगे हैं। अरावली को लेकर पर्यावरणविदों, गैर सरकारी संगठनों और इंफ्लुएंशरों की चिंता से पहले ही मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा गंभीर रहे हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए 29 दिसंबर से 15 जनवरी, 2026 तक अरावली प्रभावित क्षेत्रों में अवैध खनन गतिविधियों के खिलाफ संयुक्त अभियान संचालित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के निर्देश के तत्कालबाद खान विभाग ने बिना किसी देरी किये अरावली प्रभावित जिलों में संयुक्त अभियान चलाने की कुछ घंटों में ही तैयारी कर आवश्यक दिशा–निर्देश जारी करते हुए माइंस विभाग ही नहीं अपिंतु समूचे प्रशासन को सक्रिय कर दिया। सोमवार 29 दिसंबर से अभियान आरंभ हो गया है और प्रमुख सचिव माइंस टी. रविकान्त ने स्पष्ट व सेल्फ स्पीकिंग दिशा–निर्देश जारी करते हुए वरिष्ठ अधिकारियों से सीधे संवाद कायम कर सरकार की मंशा से ठोस कार्रवाई का संदेश दे दिया है। प्रमुख सचिव माइंस श्री टी. रविकान्त अभियान की क्लोज मोनेटरिंग कर रहे हैं और उसी का परिणाम है कि शुरुआती तीन दिनों में ही उल्लेखनीय परिणाम प्राप्त होने लगे हैं।

माननीय उच्चतम न्यायालय ने अरावली पर नवंबर माह में पारित आदेश को केप्ट इन एवेयांस रख दिया है। नवंबर माह के अरावली पर उच्चतम न्यायालय के फैसले के 10 से 15 दिन बाद जिस तरह से अरावली बचाओ–जीवन बचाओ आंदोलन ने जनआंदोलन का रुप लिया ठीक उसी तरह से केन्द्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेन्द्र यादव और राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने अरावली के संरक्षण को लेकर सरकार की मंशा और ईच्छा शक्ति को यह कहकर स्पष्ट कर दिया कि अरावली पर्वतमाला से किसी तरह की छेड़छाड़ की अनुमति नहीं दी जाएगी। अरावली पर्वत श्रृंखला में खनन पट्टे नहीं जारी किये जाएंगे वहीं अरावली संरक्षित क्षेत्र का विस्तार किया जाएगा। इससे यह तो स्पष्ट हो जाता है कि अरावली पर्वतमाला के संरक्षण को लेकर केन्द्र व राज्य सरकार दोनों ही अति गंभीर है। गुजरात, दिल्ली, हरियाणा और राजस्थान तक फैली अरावली पर्वतमाला का सर्वाधिक क्षेत्र राजस्थान में आता है। राजस्थान के 20 जिले अरावली पर्वतमाला क्षेत्र में आते हैं इनके साथ ही गुजरात के बांसकाटा, सांवरकांटा, अरावली और माहीसागर का कुछ हिस्सा, हरियाणा का गुरुग्राम, भीवाणी, नूह, चरकी दादरी, महेन्द्र गढ़ फरिदाबाद और रेबाडी, दिल्ली के नई दिल्ली से दक्षिण पूर्व, दक्षिण, पश्चिमी और सेन्ट्र्ल दिल्ली तक अरावली पर्वतमाला का विस्तार है। इसमें कोई दो राय नहीं कि राजस्थान में ही अरावली पर्वतमाला का अधिकांश क्षेत्र आता है तो दूसरी और अरावली बचाओ अभियान देश में आज ज्वलंत मुद्दा और आंदोलन बन गया है। इसमें भी कोई दो राय नहीं अरावली राजस्थान के लिए महत्वपूर्ण रही है और इसके संरक्षण के लिए आज नहीं अपितु राजस्थान सालों से प्रयासरत रहा है। अरावली थार के रेगिस्तान को विस्तारित होने से रोकने की दीवार रही है। अरावली में जैव विविधता के साथ ही जल संरक्षण में भी प्रमुख भूमिका रही है।

> **आंदोलन आंदोलन के लिए ना होकर अवैध खनन के रोग को मिटाने में भागीदारी बने तो निश्चित रुप से अरावली के प्रति जो देशव्यापी चिंता व्यक्त की जा रही है और मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा और उनकी सरकार गंभीर होकर अभियान चला रही है उसके सहभागिता से और अधिक बेहतर परिणाम प्राप्त हो सकते हैं। अरावली बचाओं अभियान के भागीदारों को अरावली में अवैध खनन पर कड़ी कार्रवाई में भागीदार बनने से ही आंदोलन की उपादेयता सिद्ध हो पायेगी।**

अरावली प्राचीनतम पर्वतमाला होने के साथ ही थार के रेगिस्तान को फैलने से रोकने की एक तरह से प्राकृतिक दीवार है। थार के रेगिस्तान का विस्तार रोकने में अरावली की प्रमुख भूमिका रही है। यह भी सही है कि अरावली की कोख में खनिज संपदा का भण्डार भरा पड़ा है। यहां तक कि आज के दुर्लभतम और अत्यधिक महत्वपूर्ण खनिज रेयर अर्थ एलिमेंट, क्रिटिकल और स्ट्रेटेजिक मिनरलों के विशाल डिपोजिट्स अरावली पर्वतमाला की कोख में समाये हुए हैं। अरावली को लेकर सबसे बड़ा संकट अवैध खनन को लेकर भी है। अवैध खनन में प्रभावशाली व स्थानीय लोगों की प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रुप से भागीदारी से इंकार नहीं किया जा सकता है। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा का अरावली प्रभावित क्षेत्र के 20 जिलों में 29 दिसंबर से 15 जनवरी, 2026 तक अवैध खनन गतिविधियों के खिलाफ सघन अभियान चलाने का निर्णय इस मायने में महत्वपूर्ण हो जाता है कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और राजस्थान की सरकार अरावली के संरक्षण को लेकर गंभीर है। अभियान के दौरान पांच विभागों को संयुक्त रुप से जोड़ना इसलिए महत्वपूर्ण हो जाता है कि अरावली क्षेत्र में वन क्षेत्र भी है तो राजस्व विभाग से संबंधित क्षेत्र भी है। अवैध खनन परिवहन और ओवरलोडिंग आदि की समस्या को देखते हुए परिवहन विभाग को जोड़ा गया है तो कानून व्यवस्था की स्थितियों को देखते हुए पुलिस प्रशासन को जोड़ा गया है। जिला कलक्टर के मार्गदर्शन में अभियान का संचालन इसलिए महत्वपूर्ण हो जाता है कि जिला कलक्टर सभी संबंधित विभागों के बीच बेहतर समन्वय व स्थानीय परिस्थितियों के अनुसार अभियान को गति देने व सफल बनाने में कारगर भूमिका निभा सकते हैं। शुरुआती दो दिनों में ही बडी कार्रवाइयां करते हुए अवैध खनन गतिविधियों में लिप्त 12 एक्सक्वेटर व 137 वाहनों की जब्ती कर संबंधित पुलिस थानों को सुपुर्द कर दिया गया है। 14 एफआईआर, एक गिरफ्तारी और 7 हजार टन से अधिक अवैध भण्डारित खनिज जब्त किया जा चुका है। करीब करीब 30 लाख का जुर्माना वसूल कर राजकोष में जमा किया गया है।अभियान के दौरान दिन प्रतिदिन तेजी दिखाई दे रही है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अरावली के प्रति चिंता की सराहना तो की ही जानी चाहिए और उन्होंने त्वरित निर्णय कर राज्य सरकार की इच्छाशक्ति को भी स्पष्ट कर दिया है। अब अरावली बचाओ अभियान चलाने वाले संगठनों और चिंता व्यक्त करने वालों का भी दायित्व हो जाता है कि वे सरकार के साथ कंधा से कंधा मिलाकर अवैध खनन गतिविधियों को नेस्तनाबूद करने के राज्य सरकार के संकल्प को पूरा करने में सहभागी बने। आंदोलन आंदोलन के लिए ना होकर अवैध खनन के रोग को मिटाने में भागीदारी बने तो निश्चित रुप से अरावली के प्रति जो देशव्यापी चिंता व्यक्त की जा रही है और मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा और उनकी सरकार गंभीर होकर अभियान चला रही है उसके सहभागिता से और अधिक बेहतर परिणाम प्राप्त हो सकते हैं। अरावली बचाओं अभियान के भागीदारों को अरावली में अवैध खनन पर कडी कार्रवाई में भागीदार बनने से ही आंदोलन की उपादेयता सिद्ध हो पायेगी।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ.राजेन्द्र प्रसाद शर्मा
(वरिष्ठ लेखक)

लोकतांत्रिक व्यवस्था की निरंतरता : ताजपोशी को एक साल....दो साल....ग्यारह साल....

रामनिवास बैरवा

राजस्थान में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की ताजपोशी के दो वर्ष पूरे होने के जश्न मनाया जा रहा है। इसके पहले व्यक्तियों की ताजपोशी के 100 दिन, एक साल, ग्यारह साल के जश्न मनाये जाते रहे है जैसे कि लोकतान्त्रिक शासन व्यवस्था उनकी ताजपोशी के दिन से ही शुरू हुई हो, जैसे कि लोकतान्त्रिक शासन व्यवस्था निरन्तर न होकर राजतान्त्रिक राजाओं की ताजपोशी के दिन से ही राज व्यवस्था शुरू हुई हो।

इस प्रकार की विचारधारा, इस प्रकार की सोच लोकतन्त्र, संविधान और संवैधानिक निरन्तरता के लिए घातक भी है और लोकतान्त्रिक विकास को उल्टी दिशा में ले जाने के ही प्रयास है। व्यवस्था की निरन्तरता उन संवैधानिक संस्थानों में अभिव्यक्त होती है जो लोकतन्त्र के आधार स्तम्भ हैं तथा जश्न मनाने वालों को सत्ता की बागडोर सौंप देने के अवसर देते हैं।

ऐसे में अगर जश्न मनाने के लिए नई–नई परिभाषाएं गढ़ी जाती हैं तो यह उनका संविधान और लोकतन्त्र में अविश्वास को ही दर्शाता है। क्योंकि लोकतन्त्र और संवैधानिक व्यवस्थाओं में व्यवस्थाओं का विकास होता है, उनकी निरन्तरता को बरकरार रखा जाता है। नई–नई परिभाषाएं गढ़–गढ़ कर अपने आपको ही प्रस्थान बिंदु नहीं बनाया जाता है और व्यवस्था की निरन्तरता को नकारा नहीं जाता है। तब मुख्य रूप से यही सवाल खड़ा होता है कि क्या उनके पहले किसी व्यवस्था का अस्तित्व था या नहीं?

वास्तव में देखा जाये तो संविधान द्वारा शासन व्यवस्था को दिये गये उत्तरादायित्व राज्यों की नीति के निदेशक सिद्धांतों में निहित है; जिनके द्वारा किसी भी सरकार की नेतृत्वकारी नीति को परखा जा सकता हैं कि वह सत्ता की निरन्तरता में एक हैं और उनके विकास के वाहक है। अनुच्छेद 39 समग्र रूप से उस सरकार की सामाजिक, आर्थिक विकास की कसौटी हैं। अगर उनमें विकास दिखाई नहीं देता है तो कोई भी सरकार विरासत में प्राप्त विरासत की स्थिरता को ही जारी रखे है। ऐसे में यदि कोई शासनविधि विकास हो जाने का प्रचार करती है तो वह सिर्फ आंकड़ों का ही खेल है जिसे अलग–अलग संदर्भो में अलग–अलग तरह से प्रचारित किया जाता है। क्या किसानों की खेती–बाड़ी का विकास हुआ? क्या बेरोजगारों को रोजगार उपलब्ध करवाने वाले उद्योगों और अन्य सेवाओं का विस्तार हुआ? क्या सभी को मूलभूत शिक्षा उपलब्ध है? क्या सम्मानजनक जीवन–यापन का वातावरण बनाया गया है? यदि हाँ तो धरातल पर क्या स्थिति है? आंकड़ों के लिए अगर पैमाने बदलकर विकास दिखाया जाता है तो वह जनता के साथ धोखधड़ी ही है, जैसे गरीबी को कम करके दिखाने के लिए गरीबों की आय को कम करके दिखाना ताकि उस तय आमदनी से अधिक आय वाले सभी व्यक्ति–परिवार गरीबी की रेखा से बाहर है। ऐसे में विरासत में प्राप्त व्यवस्था को आगे बढ़ाने के बदले उसे उल्टी दिशा में मोड़ देना ही होता है। आंकड़ों में विकास का प्रचार वस्तुतः षड्यंत्रों से सत्ता प्राप्त करने वाले राजाओं की तरह अपनी अकर्मण्यताओं का ही बखान उपलब्धियों के रूप में किया करते है।

–रामनिवास बैरवा,
पूर्व क्षेत्रीय भविष्य निधि
आयुक्त

छह इंच की स्क्रीन और भविष्य की सुरक्षाः डिज़िटल युग की नई चुनौती

अशोक कुमार

आज के डिजिटल युग में पेरेंटिंग या परवरिश की परिभाषा पूरी तरह बदल चुकी है। पहले माता–पिता की चिंता यह होती थी कि बच्चा बाहर धूप में न खेले या गलत संगत में न पड़े, लेकिन आज सबसे बड़ी चुनौती बच्चे के हाथ में मौजूद वह 6 इंच की स्क्रीन है, जो पूरी दुनिया को समेटे हुए है। डिजिटल पेरेंटिंग का अर्थ केवल बच्चों को तकनीक से दूर रखना नहीं है, बल्कि उन्हें तकनीक का सही, सुरक्षित और संतुलित उपयोग सिखाना है। यहाँ डिजिटल पेरेंटिंग के विभिन्न पहलुओं, चुनौतियों और समाधानों पर एक विस्तृत चर्चा दी गई हैः

1. डिजिटल पेरेंटिंग की आवश्यकता क्यों?

भारत जैसे देश में, जहाँ इंटरनेट डेटा सबसे सस्ता है, वहाँ बच्चों की पहुँच हर तरह के कंटेंट तक बहुत आसान हो गई है। जैसा कि हमने चर्चा की, अब शिक्षा में भी एनीमेशन और अनौपचारिक भाषा का प्रवेश हो रहा है। ऐसे में माता–पिता की भूमिका एक फिल्टर की तरह हो जाती है।

कंटेंट का सैलाबः इंटरनेट पर ज्ञान के साथ–साथ कचरा भी मौजूद है। बिना मार्गदर्शन के बच्चा यह तय नहीं कर पाता कि उसके लिए क्या सही है।

सुरक्षा का सवालः साइबर बुलिंग, ऑनलाइन ठगी और अनुपयुक्त कंटेंट (जैसे हिंसा या अश्लीलता) से बच्चों को बचाना डिजिटल पेरेंटिंग का प्राथमिक लक्ष्य है।

2. मुख्य चुनौतियाँः जहाँ माता–पिता चूक जाते हैं

अ. डिजिटल बेबीसिटर की प्रवृत्तिः

आजकल माता–पिता खुद को व्यस्त रखने या बच्चे को शांत करने के लिए उसे मोबाइल थमा देते हैं। खाना खिलाते समय या सफर के दौरान मोबाइल देना एक लत की शुरुआत है।

ब. ज्ञान का अभावः

कई बार बच्चे तकनीक के मामले में अपने माता–पिता से कहीं आगे होते हैं। माता–पिता को पता ही नहीं होता कि पेरेंटल कंट्रोल क्या है या बच्चा पर्दे के पीछे क्या देख रहा है।

स. भाषा और व्यवहार पर प्रभावः

एब्यूजिव लैंग्वेज वाले बच्चा ऐसे वीडियो देखता है जिसमें शिक्षक या पात्र अपशब्दों का प्रयोग करते हैं, तो वह उसे ही कूल और सामान्य मान लेता है। डिजिटल दुनिया में भाषाई मर्यादा बहुत तेज़ी से गिर रही है।

3. डिजिटल पेरेंटिंग के नकारात्मक प्रभाव (यदि ध्यान न दिया जाए)

शारीरिक स्वास्थ्यः आँखों की कमजोरी, मोटापा और नींद की कमी।

मानसिक स्वास्थ्यः एकाठाता में कमी, चिड़चिड़ापन और अकेलापन।

सामाजिक कौशल का ह्रासः बच्चा स्क्रीन के साथ तो घंटों बिता सकता है, लेकिन वास्तविक जीवन में लोगों से बात करने में उसे झिझक होने लगती है।

4. एक प्रभावी डिजिटल पेरेंट कैसे बनें? (समाधान और रणनीतियाँ)

डिजिटल पेरेंटिंग का मतलब तानाशाही नहीं, बल्कि सहयोग है। इसके लिए निम्नलिखित कदम उठाए जा सकते हैं:

क. उम्र के अनुसार नियम तय करें

0–2 वर्षः अमेरिकन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स के अनुसार, इस उम्र में स्क्रीन से पूरी तरह बचना चाहिए।

2–5 वर्षः दिन में अधिकतम 1 घंटा, वह भी माता–पिता की निगरानी में।

6 वर्ष से ऊपरः पढ़ाई और मनोरंजन के बीच एक स्पष्ट संतुलन।

ख. डिजिटल डिटॉक्स और नो–फोन जोन

घर में कुछ नियम बनाएँ, जैसेः खाना खाते समय कोई मोबाइल नहीं। सोने से 1 घंटा पहले सभी गैजेट्स बंद। रविवार का कुछ समय नो–गैजेट डे के रूप में मनाना।

ग. कंटेंट की गुणवत्ता की जाँच

अगर बच्चा एनिमेटेड वीडियो से पढ़ रहा है, तो पहले आप उसे देखें। क्या उसमें इस्तेमाल की गई भाषा आपके परिवार के संस्कारों के अनुरूप है? जैसा कि हमने चर्चा की, शिक्षा में मनोरंजन अच्छी बात है, लेकिन अभद्रता नहीं।

घ. तकनीक का उपयोग सीखने के लिए करें, खोने के लिए नहीं

बच्चे को सिखाएं कि इंटरनेट केवल वीडियो देखने के लिए नहीं है। उसे कोडिंग, डिजिटल पेंटिंग, नई भाषाएँ सीखने या जानकारी खोजने के लिए प्रोत्साहित करें।

ङ. खुद एक उदाहरण बनें

डिजिटल पेरेंटिंग की सबसे बड़ी चुनौती खुद माता–पिता हैं। यदि आप खुद बच्चे के सामने हर समय फोन पर लगे रहेंगे, तो बच्चा आपकी बात कभी नहीं मानेगा। बच्चे वही करते हैं जो वे देखते हैं, वह नहीं जो उन्हें कहा जाता है।

5. किताबी ज्ञान और डिजिटल शिक्षा का संतुलन

बच्चे किताबों से दूर हो रहे हैं। डिजिटल पेरेंटिंग का एक बड़ा हिस्सा यह सुनिश्चित करना है कि बच्चा कागज और स्याही की दुनिया से जुड़ा रहे। बच्चों को लाइब्रेरी ले जाएँ। उनके साथ बैठकर कहानियाँ पढ़ें। उन्हें समझाएं कि वीडियो केवल एक झलक है, जबकि असली गहराई किताबों में ही मिलती है।

6. निष्कर्ष-- डिजिटल पेरेंटिंग कोई एक दिन का काम नहीं है, बल्कि यह एक निरंतर प्रक्रिया है। हमें बच्चों को तकनीक से डराना नहीं है, बल्कि उन्हें इतना समझदार बनाना है कि वे खुद सही और गलत के बीच फर्क कर सकें। भारत में आ रहे एनीमेशन आधारित शिक्षा के नए दौर में, माता–पिता को और भी सतर्क रहना होगा। शिक्षा में आधुनिकता का स्वागत है, लेकिन वह हमारे सांस्कृतिक मूल्यों, भाषा की शुचिता और किताबों की महत्ता की बलि देकर नहीं आनी चाहिए।

बच्चे को मोबाइल देना आसान है, लेकिन उसे संस्कार देना कठिन। डिजिटल युग में असली पेरेंटिंग वही है जो कठिन रास्ते को चुने।"

–अशोक कुमार,
पूर्व कुलपति कानपुर, गोरखपुर विश्वविद्यालय, विभागाध्यक्ष राजस्थान विश्वविद्यालय जयपुर

पाटन : कोला की नांगल विद्यालय को अन्य विद्यालय में मर्ज करने का विरोध

शिक्षा निदेशालय के जारी आदेश में कोला की नांगल विद्यालय भवन को जर्जर बताते हुए इसे रैया का बास विद्यालय में मर्ज करने का निर्देश दिया गया था

पाटन, (निसं)। इलाके के कोला की नांगल स्थित राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय को रैया का बास के राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय में मर्ज किए जाने के आदेश के विरोध में गुरुवार को ग्रामीणों का आक्रोश देखने को मिला। दर्जनों ग्रामीणों ने मुख्य ब्लॉक प्रारंभिक शिक्षा अधिकारी (सीबीईओ) को ज्ञापन सौंपते हुए विद्यालय को यथावत कोला की नांगल में ही संचालित रखने की मांग की।

ग्रामीणों ने बताया कि कोला की नांगल के राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय में वर्तमान में 152 विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। शिक्षा निदेशालय द्वारा 29 दिसंबर को जारी आदेश में विद्यालय भवन को जर्जर बताते हुए इसे रैया का बास विद्यालय में मर्ज करने का निर्देश दिया गया था। जैसे ही ग्रामीणों को इस आदेश की जानकारी मिली, उन्होंने इसका विरोध शुरू कर दिया। ग्रामीणों ने स्पष्ट किया कि विद्यालय भवन जर्जर नहीं है। विद्यालय में पहले से ही 7 कमरे सुरक्षित स्थिति में हैं तथा हाल ही में जन सहयोग से 3 अतिरिक्त कमरों की मरम्मत करवाई गई है। ऐसे में विद्यालय को मर्ज करने का कोई औचित्य नहीं है। ग्रामीणों ने यह भी बताया कि कोला की नांगल से रैया का बास की दूरी लगभग 3 किलोमीटर है, जिसका रास्ता जंगल और सुनसान क्षेत्र से होकर गुजरता है। छोटे बच्चों के लिए इस मार्ग से रोजाना आना–जाना बेहद असुरक्षित है और किसी भी प्रकार की अनहोनी की आशंका बनी रहती है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि विद्यालय को कोला की नांगल में यथावत नहीं रखा गया तो वे अपने बच्चों को रैया का बास विद्यालय नहीं भेजेंगे। साथ ही मांग पूरी नहीं होने पर आंदोलन की भी चेतावनी दी। इस दौरान सीबीईओ भंवर सिंह एवं एसीबीईओ महेश मीणा ने ग्रामीणों से वार्ता कर उनकी समस्याएं उच्च अधिकारियों तक पहुंचाने तथा विद्यालय को यथावत रखने का प्रयास करने का आश्वासन दिया।

ग्रामीणों ने मुख्य ब्लॉक प्रारंभिक शिक्षा अधिकारी (सीबीईओ) को ज्ञापन सौंपा।

- **ग्रामीणों ने बताया कि विद्यालय में पहले से ही 7 कमरे सुरक्षित स्थिति में हैं तथा हाल ही में जन सहयोग से 3 अतिरिक्त कमरों की मरम्मत कराई गई है**
- **कोला की नांगल से रैया का बास की दूरी लगभग 3 किमी है, जिसका रास्ता जंगल और सुनसान क्षेत्र से होकर गुजरता है**

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

शुक्रवार 2 जनवरी, 2026

पौष मास, शुक्ल पक्ष, चतुर्दशी तिथि, शुक्रवार, विक्रम संवत 2082, मृगशिरा नक्षत्र सायं 8:04 तक, शुक्ल योग दिन 1:07 तक, गर करण प्रातः 8:38 तक, चन्द्रमा आज प्रातः 9:26 से मिथुन राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य–धनु, चन्द्रमा–वृष, मंगल–धनु, बुध–धनु, गुरू–मिथुन, शुक्र–धनु, शनि–मीन, राहु–कुम्भ, केतु–सिंह राशि में।

आज रवियोग रात्रि 8:04 तक है। राजयोग सायं 6:54 से रात्रि 8:04 तक है। भद्रा सायं 6:54 से आरम्भ होगी।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः चर सूर्योदय से 8:38 तक, लाभ–अमृत 8:38 से 11:13 तक, शुभ 12:31 से 1:48 तक, चर 4:23 से सूर्यास्त तक।

राहूकालः 10:30 से 12:00 तक। सूर्योदय 7:20, सूर्यास्त 5:41

मेष
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक यात्रा संभव है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृष
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

मिथुन
व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

कर्क
व्यक्तिगत परेशानियां अभी यथावत बनी रहेगी। मन में असंतोष बना रहेगा। आज अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। घर–गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है।

सिंह
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच–विचार हो सकता है।

कन्या
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन हो सकता है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

तुला
नवीन कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

वृश्चिक
अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। आज आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है।

धनु
परिवार में आपसी सहयोग–समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में शुभ–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यक्तिगत प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

मकर
विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त–व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। मन में बना हुआ भय समाप्त होगा।

कुंभ
व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच–विचार हो सकता है। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। परिवार में सुख–सुविधाएं बढ़ेगी।

मीन
घर–परिवार में सुख–शांति बनी रहेगी। परिवार में धार्मिक–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

ई-कॉमर्स के नाम पर साइबर ठगी करने वाले छत्तीसगढ़ और जयपुर के बदमाश गिरफ्तार

लोगों को फर्जी और मैलिशियस लिंक भेजकर उनके मोबाइल फोन हैक करते थे आरोपी

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। साइबर पुलिस जयपुर ने ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म के जरिए की जा रही संगठित साइबर वित्तीय धोखाधड़ी का खुलासा करते हुए शातिर साइबर ठग गिरोह के दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने अमोल चौपड़ा निवासी छत्तीसगढ़ और सक्षम खंडेलवाल निवासी प्रताप नगर जयपुर को गिरफ्तार किया है। जबकि गिरोह से जुड़े अन्य आरोपियों की तलाश जारी है।

पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी, आम लोगों को फर्जी और मैलिशियस लिंक भेजकर उनके मोबाइल फोन हैक करते थे। इसके बाद पीड़ितों के क्रेडिट और डेबिट कार्ड विवरण का दुरुपयोग कर फ्लिपकार्ट, अमेजन, स्विगी, ज़ेप्टो और ब्लिंकिंग जैसे बड़े ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म से महंगे मोबाइल फोन और अन्य कीमती सामान ऑर्डर करते थे। पूरे मामले का खुलासा मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर हुआ। सूचना की पुष्टि के बाद पुलिस टीम ने तकनीकी विश्लेषण और गोपनीय इनपुट के आधार पर कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों को दबोच लिया।

- पुलिस जांच से बचने और वित्तीय लेन-देन छुपाने के लिए क्रिप्टोकरैंसी का उपयोग करते थे

पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल ने बताया कि जांच में यह भी सामने आया कि आरोपी पुलिस जांच से बचने और वित्तीय लेन-देन छुपाने के लिए क्रिप्टोकरेंसी का इस्तेमाल करते थे। इसके जरिए वे साइबर ठगी से प्राप्त रकम को ट्रेस होने से बचाते थे।

नेपाल के रास्ते विदेश भेजते थे मोबाइल

पुलिस कमिश्नर ने बताया कि ऑनलाइन साइबर धोखाधड़ी और ई-कॉमर्स अपराधों की रोकथाम के लिए एसीपी (क्राइम) मनीष अग्रवाल के निर्देशन में विशेष पुलिस टीमों का गठन किया गया है। इन टीमों ने आरोपियों की पहचान कर उनके नेटवर्क को तोड़ने में सफलता हासिल की है।

पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी थर्ड पार्टी एप्लिकेशन, डिजिटल पहचान चोरी और फ्लिपकार्ट मिनट जैसी फास्ट डिलीवरी सेवाओं का उपयोग कर कम समय में सामान मंगाते थे। साइबर ठगी से खरीदे गए नए मोबाइल फोन को नेपाल के रास्ते दूसरे देशों में भेजा जाता था। जिसके पुख्ता साक्ष्य पुलिस को मिले हैं।

एक आरोपी जेल, दूसरा पुलिस रिमांड पर

पुलिस उपायुक्त (अपराध) अभीजीत सिंह ने बताया मामले में साइबर पुलिस थाना जयपुर में विभिन्न धाराओं में प्रकरण दर्ज कर जांच की जा रही है। गिरफ्तार आरोपी अमोल चोपड़ा को न्यायिक अभिरक्षा (जेसी) में भेज दिया गया है, जबकि कोर्ट ने दूसरे आरोपी सक्षम खण्डेलवाल को दो दिन की पुलिस रिमांड पर सौंपा है।पुलिस गिरोह से जुड़े अन्य संदिग्धों की तलाश के साथ-साथ डिजिटल, वित्तीय और अंतरराष्ट्रीय लिंक की गहन जांच कर रही है। प्रारंभिक जांच में इसे अंतरराष्ट्रीय साइबर अपराध गिरोह माना जा रहा है।

पिछली कांग्रेस सरकार में हुए पेपरलीक और आरपीएससी भ्रष्टाचार पर सरकार ने अपनाया सख्त रुख

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने इस प्रकरण में नए तथ्यों को गंभीरता से लेते हुए एसओजी से जांच करवाने और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरुवार शाम मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, डीजीपी राजीव शर्मा सहित वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक ली।

जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गत सरकार में हुए पेपर लीक एवं आरपीएससी भ्रष्टाचार काण्ड में सामने आए नए तथ्यों को बेहद गंभीरता से लिया है।

उन्होंने भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति का पालन करते हुए नए तथ्यों को दृष्टिगत रखकर एसओजी से जांच करवाते हुए दोषियों पर कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए है। शर्मा ने गुरुवार शाम मुख्यमंत्री कार्यालय में मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा सहित एसओजी एवं एसीबी के अधिकारियों को नए तथ्यों के परिपेक्ष्य में तत्काल कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए।

- युवाओं के भविष्य के साथ छेड़छाड़ करने वालों को नहीं बख्शा जाएगा : मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

उन्होंने आवश्यकतानुसार एसओजी के साथ एसीबी को भी सम्मिलित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट कहा कि गत सरकार के समय युवाओं के सपनों को रौंदते हुए पेपरलीक करने वाले 340 लोग गिरफ्तार किया जा चुके हैं और आगे भी सरकार किसी भी सूरत में एक भी दोषी को नहीं बख्शेगी, चाहे वह कितना ही बड़ा क्यों न हो।

उन्होंने युवाओं के सपनों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए कहा कि हमारी सरकार के कार्यकाल में 296 भर्ती परीक्षाएं आयोजित की गई, उनमें से एक भी पेपरलीक नहीं हुआ है।

राखी राठौड़ बनीं भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष

पेशे से एडवोकेट राखी राठौड़ वर्तमान में भाजपा की प्रदेश प्रवक्ता हैं, वे जयपुर नगर निगम में लगातार 3 बार पार्षद और 3 बार चेयरमैन भी रह चुकी हैं

जयपुर। राजस्थान भाजपा ने संगठनात्मक मजबूती की दिशा में एक अहम फैसला लेते हुए राखी राठौड़ को महिला मोर्चा का प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया है। वहीं भवानी शंकर शर्मा को कार्यालय सह प्रभारी बनाया गया। पार्टी नेतृत्व ने उनके नाम पर मुहर लगाते हुए उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है। यह पद निवर्तमान प्रदेश अध्यक्ष रक्षा भंडारी के सिरोही जिला अध्यक्ष बनने के बाद से रिक्त चल रहा था। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने राखी राठौड़ की नियुक्ति की घोषणा की।

राखी राठौड़

ज्ञात रहे कि राखी राठौड़, पेशे से एडवोकेट हैं और वर्तमान में बीजेपी की प्रदेश प्रवक्ता के रूप में सक्रिय भूमिका निभा रही है। वे जयपुर नगर निगम में लगातार तीन बार पार्षद और 3 बार चेयरमैन रह चुकी हैं। संगठन और प्रशासनिक अनुभव को देखते हुए पार्टी ने उन्हें यह बड़ी जिम्मेदारी सौंपी है।

वैसे तो, 3 दिन पहले बीजेपी ने अपने 6 मोर्चों के प्रदेश अध्यक्षों की घोषणा कर दी थी, लेकिन उस समय महिला मोर्चा अध्यक्ष की घोषणा नहीं की गई थी। ऐसे में राजनीतिक हलकों में कयास लगाए जा रहे थे कि पार्टी किस चेहरे पर भरोसा जताएगी। अंततः पार्टी ने राखी राठौड़ के नाम पर सहमति बनाते हुए उन्हें महिला मोर्चा का नेतृत्व सौंप दिया। माना जा रहा है कि पार्टी ने सामाजिक संतुलन और संगठनात्मक क्षमता दोनों को ध्यान में रखते हुए यह फैसला लिया है।

राखी राठौड़ को पार्टी में एक तेज तर्रार लेकिन मृदुभाषी प्रवक्ता के रूप में जाना जाता है। उनकी नियुक्ति से बीजेपी ने एक पंथ दो काज साधने का प्रयास किया है, क्योंकि उनके नाम को लेकर पार्टी में किसी भी तरह का विवाद नहीं है। भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया के कार्यकाल के दौरान राखी राठौड़ को प्रदेश पहले लिस्ट और प्रवक्ता बनाया गया था, जो संगठन में राखी राठौड़ की पहली जिम्मेदारी थी।

महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष बनने के बाद राखी राठौड़ ने कहा कि वे संगठन की आभारी हैं कि एक साधारण कार्यकर्ता को इतनी बड़ी जिम्मेदारी दी गई। उन्होंने कहा कि पार्टी ने जो विश्वास उन पर जताया है, उस पर वे पूरी निष्ठा से खरा उतरने का प्रयास करेंगी। उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा नारी शक्ति वंदन अधिनियम के तहत महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण दिया गया है और बीजेपी की प्राथमिकता रहेगी कि अधिक से अधिक महिलाएं आगे आकर राष्ट्र निर्माण में भागीदार बनें।

हैड कांस्टेबल 10 हजार रुपए की रिश्वत लेते गिरफ्तार

जयपुर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) सीकर टीम ने कार्रवाई करते पुलिस थाना सदर नीमकाथाना जिला सीकर के पुलिस हेड कांस्टेबल राजेश कुमार को परिवादी से दस हजार रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया है।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो पुलिस महानिदेशक गोविंद गुप्ता ने बताया कि एसीबी सीकर टीम को परिवादी ने शिकायत दी कि उसके भाईयों के विरूद्ध दर्ज मामले में आरोपित नहीं बनाने की एवज में पुलिस हेड कांस्टेबल राजेश कुमार दस हजार रुपये बतौर रिश्वत पूर्व में प्राप्त कर शेष दस हजार रुपये की रिश्वत की मांग कर रहा है।

जिस पर एसीबी सीकर के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विजय कुमार के नेतृत्व में ट्रेप की कार्रवाई करते हुए पुलिस हेड कांस्टेबल राजेश कुमार को दस हजार रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया गया है।

उद्योग केन्द्र का वरिष्ठ सहायक 25 हजार रु. रिश्वत लेते गिरफ्तार

जयपुर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की सवाई माधोपुर टीम ने गुरुवार को कार्रवाई करते हुए जिला उद्योग केन्द्र सवाई माधोपुर के वरिष्ठ सहायक सूर्य प्रकाश नामा को परिवादी से 25 हजार रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया गया है।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो पुलिस महानिदेशक गोविन्द गुप्ता ने बताया कि एसीबी सवाई माधोपुर टीम को परिवादी ने शिकायत दी कि उसके पिताजी व उसके भाइयो के नाम जिला उद्योग केन्द्र सवाई माधोपुर से डॉ भीमराव अम्बेडकर दलित प्रोत्साहन स्कीम के तहत तीनो दुकानों की

सब्सिडी व ब्याज अनुदान राशि डालने की एवज में जिला उद्योग केन्द्र का वरिष्ठ सहायक सूर्यप्रकाश नामा तीस हजार रुपये की रिश्वत मांग रहा है। जिस पर एसीबी की टीम ने रिश्वत मांग का गोपनीय सत्यापन करवाया गया तो रिश्वत मांग सत्यापन में वरिष्ठ सहायक सूर्य प्रकाश नामा ने परिवादी से सब्सिडी व ब्याज अनुदान राशि डालने की एवज में तीस हजार रुपये रिश्वत राशि की मांग कर 25 हजार रुपये लेने पर सहमत हुआ। जिस पर एसीबी सवाई माधोपुर के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ज्ञान सिंह चौधरी के नेतृत्व में ट्रेप की कार्रवाई करते हुए वरिष्ठ सहायक सूर्य प्रकाश नामा को 25 हजार रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया गया है।

स्थानीय उत्पाद प्रदेश की आर्थिक समृद्धि के आधार : भजनलाल शर्मा

जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि जिला आधारित स्थानीय उत्पाद प्रदेश की आर्थिक समृद्धि के मूल आधार हैं। इसी दिशा में हमारी सरकार ने प्रत्येक जिले में स्थानीय विशिष्टता एवं विरासत के संरक्षण व संवर्धन के लिए पंच गौरव कार्यक्रम की अभिनव पहल की है। शर्मा ने गुरुवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में आयोजित बैठक में निर्देश दिए कि पंच गौरव कार्यक्रम में प्रत्येक जिले के चिन्हित तत्वों का प्राथमिकता के अनुसार दीर्घकालीन कार्य योजना तैयार कर विकास एवं संरक्षण के कार्य किए जाएं तथा संबंधित नोडल विभाग इसकी नियमित समीक्षा भी करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि विद्यालयों में छात्र-छात्राओं को भी पंच गौरव कार्यक्रम की जानकारी प्रदान की जावे, जिससे उन्हें भी जिले की विशिष्ट पहचान की जानकारी मिल सके। साथ ही, उन्होंने इस

- पंच गौरव कार्यक्रम में जन सहभागिता एवं जागरुकता बढ़ाएं : मुख्यमंत्री
- मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रत्येक जिले पर पर्यटन सुविधाएं बेहतर बनाएं, ताकि स्थानीय रोजगार के अवसर बढ़े।''

कार्यक्रम की गतिविधियों में अधिकाधिक जन सहभागिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि आमजन का इससे सीधा जुड़ाव हो सके।शर्मा ने कहा कि सभी जिलों के चयनित कृषि उत्पादों की नवाचारों के साथ ब्रांडिंग की जाए, ताकि इन उत्पादों को नई पहचान मिल सके। उन्होंने वन विभाग को स्थानीय विशेषता के आधार पर पौधे तैयार करने एवं वृक्ष मित्र बनाये जाने के निर्देश दिए। उन्होंने खेल विभाग को प्रत्येक जिले में स्थानीय युवाओं को खेलों से जोड़ने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि एक जिला एक पर्यटन स्थल के अन्तर्गत पर्यटन स्थलों पर सड़क व पार्किंग सहित अन्य मूलभूत सुविधाएं विकसित की जाएं, ताकि पर्यटकों को बेहतर सुविधाएं मिलने के साथ ही स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर सृजित हो सकें। उन्होंने पर्यटन क्षेत्र से जुड़े गाइड एवं विभिन्न हितधारकों के क्षमतावर्द्धन के लिए भी नीति निर्धारण के निर्देश दिए।उल्लेखनीय है कि पंच गौरव के अन्तर्गत प्रत्येक जिले में एक उत्पाद, एक उपज, एक खेल, एक वनस्पति और एक पर्यटन स्थल को प्रोत्साहित किया जा रहा है।

भाजपा सरकार ने हमेशा राजस्थान के हितों को सर्वोपरि रखा : मदन राठौड़

कांग्रेस ने हमेशा बंदरबांट की राजनीति को बढ़ावा दिया : भाजपा प्रदेशाध्यक्ष

जयपुर (कासं)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि भाजपा सरकार ने हमेशा राजस्थान के हितों को सर्वोपरि रखा, जबकि कांग्रेस ने हमेशा बंदरबांट की राजनीति को बढ़ावा दिया।

उन्होंने प्रदेशवासियों को अंग्रेजी कैलेंडर के प्रथम दिन की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में वर्ष 2025 में भारत विश्व की चौथी अर्थव्यवस्था बन गया है। राजस्थान में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में बनी भाजपा सरकार ने अल्प समय में अनेक ऐतिहासिक कार्य किए हैं। चाहे जल प्रबंधन का क्षेत्र हो, बिजली आपूर्ति, रोजगार सृजन, आधारभूत संरचना का सुदृढ़ीकरण हो या किसानों को सशक्त बनाने की योजनाएं- सरकार ने प्रत्येक वर्ग और प्रत्येक क्षेत्र के हित में ठोस निर्णय लिए हैं। सोलर ऊर्जा के माध्यम से किसानों को दिन में बिजली उपलब्ध कराई जाएगी, जिससे कृषि के साथ-साथ औद्योगिक विकास को भी गति

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने गुरूवार को प्रदेश कार्यालय में मीडिया से बातचीत की।

मिलेगी। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि आज विपक्षी दलों में आपसी कलह, फूट और सिर फुटव्वल साफ दिखाई दे रही है। इसी कारण जनता का विश्वास भाजपा पर लगातार बढ़ रहा है और लोग भाजपा से जुड़ रहे हैं। राजस्थान रिफाइनरी के विषय में राठौड़ ने कहा कि इसकी प्रक्रिया वसुंधरा राजे सरकार के कार्यकाल में प्रारंभ हुई थी। कांग्रेस सरकार ने सितंबर 2013 में रिफाइनरी को लेकर ऐसा एमओयू किया, जिसमें राज्य सरकार को 15 वर्षों तक बिना ब्याज के प्रतिवर्ष 3871 करोड़ रुपये देने थे तथा 15 वर्ष बाद 26 प्रतिशत हिस्सेदारी मिलती, यह राज्य पर अत्यधिक आर्थिक बोझ डालने वाला समझौता था।

उन्होंने कहा कि वर्ष 2017 में वसुंधरा राजे सरकार ने एचपीसीएल के साथ नया एमओयू किया, जिसके तहत राज्य सरकार प्रतिवर्ष लगभग 1100 करोड़ रुपए देगी, उस पर ब्याज भी मिलेगा और राज्य की हिस्सेदारी भी सुनिश्चित की गई। कांग्रेस की योजना में जहां 15 वर्षों में लगभग 56 हजार करोड़ रुपये का भार पड़ता, वहीं भाजपा सरकार ने इसे घटाकर 16,845 करोड़ रुपये कर दिया।

इससे राज्य को लगभग 39 हजार 328 करोड़ रुपये की बचत हुई। राठौड़ ने आरोप लगाया कि पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने वर्ष 2023 में रिफाइनरी परियोजना की लागत बढ़ाकर 72,937 करोड़ रुपये कर दी, जिसके बाद संशोधित लागत 79 हजार 459 करोड़ रुपए तक पहुंच गई। उन्होंने कहा कि वर्तमान भजनलाल शर्मा सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि राजस्थान के हितों के साथ कोई समझौता न हो। भाजपा सरकार ने हमेशा राजस्थान के हितों को सर्वोपरि रखते हुए काम किया है, जबकि कांग्रेस ने बंदरबांट की राजनीति की। इस सच्चाई को जनता तक पहुंचाना आवश्यक है।

प्रदेश के कई जिलों में बारिश के बाद सर्द हवाओं ने ठिठुरन बढ़ाई

मौसम विभाग ने आने वाले एक-दो दिनों तक सुबह के समय हल्की धुंध और ठंडी हवाओं का असर रहने की संभावना जताई

चूरू, (निसं)। चूरू जिले में नये साल की शुरुआत घने कोहरे और सर्द हवाओं के साथ हुई। बुधवार रात से बदले मौसम के मिजाज ने लोगों को ठिठुरा कर रख दिया। गुरुवार सुबह कोहरे के कारण विजिबिलिटी 100 मीटर से भी कम दर्ज की गई, जिससे जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। इससे पूर्व बुधवार रात बूंदाबांदी से शुरू हुई बारिश जो रात करीब 11 बजे तक जारी रही। यह बारिश चने की फसल के लिए फायदेमंद होगी। बारिश के बाद चली सर्द हवाओं ने आमजन को ठिठुरा कर रख दिया है।

मौसम विज्ञान केंद्र जयपुर के निदेशक राधेश्याम शर्मा ने बताया कि पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से उत्तरी हरियाणा और आसपास के क्षेत्र के ऊपर एक परिसंचरण तंत्र बना हुआ है। इसके असर से बीकानेर, जोधपुर, अजमेर संभाग और शेखावाटी क्षेत्र के कुछ जिलों में गरज-चमक के साथ मावठ (हल्की बारिश) होने की संभावना जताई है।

राधेश्याम शर्मा ने बताया कि राज्य के उत्तरी, पश्चिमी और पूर्वी भागों में 1 से 3 जनवरी को घना कोहरा और कहीं-कहीं अति घना कोहरा छाए रहने की संभावना है। 2 जनवरी से मौसम शुष्क रहने की उम्मीद है। शर्मा ने बताया कि राज्य के शेखावाटी क्षेत्र में 3 से 4 जनवरी के दौरान शीतलहर चलने की संभावना है। इस अवधि में न्यूनतम तापमान में भी गिरावट दर्ज की जा सकती है। मौसम विभाग के अनुसार गुरुवार को अधिकतम तापमान 15.3 और न्यूनतम तापमान 11.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

बीकानेर में कोहरा छाने से विजिबिलिटी दस मीटर रही

बीकानेर, (निसं)। नया साल 2026 बीकानेर में कोहरे में लिपटकर पहुंचा। रात बारह बजे तक बीकानेर में घना कोहरा था, हालांकि सुबह तक मौसम कुछ साफ हो गया। सुबह छह बजे तक विजिबिलिटी दस मीटर के आसपास थी, लेकिन आठ बजे तक मौसम साफ होने से विजिबिलिटी बढ़ गई। बीकानेर में अब सर्दी और नमी बनी हुई है। लगातार हुई बारिश के कारण शहर की कई सड़कें अब भी पानी से सराबोर हैं, जिससे लोगों को आवागमन में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

मौसम विभाग के अनुसार मंगलवार को बीकानेर का अधिकतम तापमान 23.7 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 9.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। बारिश के कारण न्यूनतम तापमान में करीब चार डिग्री सेल्सियस की कमी आई। बादलों की आवाजाही के बीच आज भी बीकानेर में हल्की बारिश होने की संभावना जताई गई है। मौसम विभाग के अनुसार राज्य के उत्तरी, पश्चिमी और पूर्वी भागों में 1 से 3 जनवरी तक घना, जबकि कुछ स्थानों पर अति घना कोहरा दर्ज हो सकता है। इससे सड़क और रेल यातायात प्रभावित होने की आशंका है।

मौसम विभाग ने शेखावाटी क्षेत्र में 3 और 4 जनवरी के दौरान शीतलहर की चेतावनी जारी की है। इस दौरान न्यूनतम तापमान 2 से 4 डिग्री सेल्सियस तक गिर सकता है। हालांकि बीकानेर में शीतलहर की चेतावनी नहीं है और दो जनवरी से मौसम फिर से शुष्क हो जाएगा।

जोधपुर में मावठ के बाद मौसम साफ रहा, धूप खिली

- विजिबिलिटी कम रहने से दिल्ली से आने वाली फ्लाइट्स अपने निर्धारित समय से देरी से जोधपुर एयरपोर्ट पहुंची

जोधपुर, (कासं)। शहर में बुधवार को हुई मावठ की बारिश के बाद गुरूवार फिर मौसम ने करवट ली। सुबह के समय पूरे शहर में हल्की धुंध छाई रही, जिससे ठंडक का असर महसूस हुआ। बाद में धूप खिलने के साथ सर्दी में थोड़ी कमी आई।

सुबह के समय विजिबिलिटी कम रहने के कारण दिल्ली से आने वाली फ्लाइट्स अपने निर्धारित समय से देरी से जोधपुर एयरपोर्ट पहुंची। एयरपोर्ट सूत्रों के मुताबिक, विजिबिलिटी कम होने के चलते विमानों की लैंडिंग में सावधानी बरती गई। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले एक-दो दिनों तक सुबह के समय हल्की धुंध और ठंडी हवाओं का असर बना रहेगा। जोधपुर में बुधवार शाम अचानक मौसम बदल गया था। इसके चलते आंधी के साथ ही हल्की बूंदाबादी भी हुई थी। जिससे तापमान में गिरावट नजर आई। वहीं मौसम भी ठंडा हो गया। हालांकि आगामी दिनों में कोहरा पड़ने की संभावना है।

मौसम विभाग का कहना है कि पश्चिमी विक्षोभ के कारण बादलों की आवाजाही के साथ सर्द हवाएं चलेंगी। इसके असर से अगले एक से दो दिन तक आसमान में बादल छाए रहने और कुछ स्थानों पर हल्की बूंदाबांदी या मावठ होने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार इससे तापमान में और गिरावट आएगी तथा ठंड का असर बढ़ेगा। विक्षोभ का असर खत्म होने के बाद ठंड और तेज हो सकती है, जिससे सुबह और रात के समय शीतलहर जैसी स्थिति बनने के आसार हैं।

जालोर में मौसम में आए बदलाव से ठंड बढ़ी

- बारिश के बाद छाया कोहरा, सर्दी के तेवर तेज हुये, लोग गर्म कपड़ों में लिपटे नजर आये

जालोर, (कासं)। जालोर जिले में बुधवार देर रात्रि व गुरुवार अलसुबह रिमझिम बारिश के बाद सुबह कोहरा छाया रहा। वहीं बारिश के बाद सर्दी ने रंग दिखाना शुरु कर दिया।

जालोर शहर सहित आसपास के क्षेत्रों में गुरुवार को तेज हवा के साथ हुई बारिश और घने कोहरे के कारण जनजीवन प्रभावित रहा। मौसम में आए अचानक बदलाव से ठंड बढ़ गई और आवाजाही भी बाधित हुई। सुबह से ही क्षेत्र में घना कोहरा छाया रहा, जिसके कारण दोपहर तक वाहन चालकों को आवाजाही में काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। बुधवार शाम और रात में कई स्थानों पर तेज हवा के साथ बारिश हुई थी। गुरुवार सुबह भी मौसम में एकाएक बदलाव आया और कोहरा छा गया, जिससे ठिठूरन में वृद्धि हुई। दोपहर होते-होते धूप निकलने के साथ कोहरे का असर कम हुआ, हालांकि दिनभर कभी धूप तो कभी छांव का मौसम बना रहा। वहीं बेमौसम बारिश के चलते सर्दी ने तेवर दिखाने शुरु कर दिये है। दिनभर लोग गर्म कपड़ों में लिपटे नजर आये।

कार में मिले 150 किलो विस्फोटक की जांच एनआईए ने शुरु की

- बरौनी थाना क्षेत्र में स्थित हाईवे पर कार में 150 किलो विस्फोटक (अमोनियम नाइट्रेट) मिलने का मामला

टोंक, (निसं)। बरौनी थाना क्षेत्र में स्थित हाईवे पर बुधवार को कार में मिले 150 किलो विस्फोटक (अमोनियम नाइट्रेट) मामले में एनआईए ने जांच शुरू की है। इस दौरान टीम गुरुवार को टोंक पहुंची और आरोपी सुरेंद्र और सुरेंद्र मोची से पूछताछ की।

मामले में जयपुर से एनआईए अधिकारियों की टीम बरौनी थाने पहुंची तथा आरोपियों से पूछताछ कर जानकारी जुटा रही है कि इतनी भारी मात्रा में विस्फोटक किस काम के लिए लेकर आए थे। इसके साथ ही क्या पहले भी किसी अन्य शहरों और लोगों को अमोनियम नाइट्रेट सप्लाई किया है या नहीं और इसे टोंक लाने के लिए क्या कारण था। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार आशंका है कि टोंक की पहाड़ियों में होने वाले अवैध खनन में भी अमोनियम नाइट्रेट का यूज होता है, जिसमें पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों की टीम जानकारी जुटा रही है।

जब्त150 किलो विस्फोटक (अमोनियम नाइट्रेट)।

रायसिंहनगर में 26 पशुओं की संदिग्ध मौत

रायसिंहनगर, (निसं)। क्षेत्र के गांव 74 आरबी में पशुपालक नाथूराम बेटा कोजाराम नायक की 26 भेड़-बकरियों की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। इस घटना में सात अन्य जानवर गंभीर रूप से घायल भी हुए हैं। नाथूराम के पास लगभग 1800 भेड़-बकरियां थी। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीमें मौके पर पहुंची और घायल पशुओं का इलाज शुरू किया। मृत पशुओं में 18 भेड़ें, 4 मेमने और 4 बकरियां शामिल हैं। प्राथमिक जांच में देर रात किसी जंगली जानवर के हमले की आशंका जताई जा रही है। उसी रात हुई लगातार रिमझिम बारिश और ठंड को भी मौत का एक संभावित कारण माना जा रहा है। हालांकि मौत के वास्तविक कारणों की पुष्टि अभी तक नहीं हो पाई है। वन विभाग ने सभी मृत भेड़-बकरियों का पोस्टमॉर्टम करवा दिया है। वन विभाग के अधिकारी अशोक कुमार ने बताया कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के असली कारणों का खुलासा हो पाएगा।

युवक ने आत्महत्या की

उदयपुर, (कासं)। प्रतापनगर थाना क्षेत्र में युवक ने फांसी लगा आत्महत्या कर ली। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार अनिल कुमार पुत्र फुंदीलाल मीणा ने फांसी लगा आत्महत्या कर ली। अनिल मादड़ी स्थित कुमावत एण्ड कंपनी में काम करता था। बुधवार रात में उसने वहां लगी चेनपुली से फांसी लगा ली। दूसरे दिन गुरूवार को इसका पता चलने पर हेडकांस्टेबल उम्मेदराम ने मृतक का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया।

कार्यालय नगर पालिका परतापुर गढी बांसवाडा (राज.)

क्रमांकः न.पा.प.ग. / विद्युत / 2025–26 / 2279 दिनांक : 29 / 12 / 2025

निविदा सूचना स.: 02/2025–26

(NIB NO. DLB2526A9646/2282)

सक्षम स्तर पर पंजीकृत संवेदक से 01 कार्यो के कुल लागत 11.25 लाख हेतु दिनांक 08 / 01 / 2026 सांय 6.00 बजे तक निविदा आमंत्रित की जाती है। कार्यालय में निविदा शुल्क एवं धरोहर राशि डिमांड ड्राफट अथवा बेंकर चेक मे भौतिक रूप से दिनांक 09 / 01 / 2025 दोपहर 1 बजे तक जमा करवानी होगी। निविदा संबंधित अन्य शर्ते एव विवरण पोर्टल https://sppp.rajasthan.gov.in एवं https://eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है। एव निविदा प्रपत्र डाउनलोड की जा सकती है।

UBN Number :- DLB2526WSOB28859

अधिशाषी अधिकारी
नगर पालिका परतापुर–गढी

राज.संवाद / सी / 25 / 16876

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता सार्वजनिक निर्माण विभाग, खण्ड सुल्तानपुर

क्रमांक-2021 **निविदा सूचना संख्या 40/2025-26** दिनांक-24.12.2025

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से भवन एवं सडक निर्माण कार्य के लिये उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार/केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूर संचार विभाग/रेल्व इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के एए, ए, बी, सी, डी श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से कार्यो हेतु ई-टेण्डरिंग के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में प्राप्त की जावेगी। निविदा से सम्बन्धित विवरण वेब साईट www.dipronline.org, http://www.pwd.rajasthan.gov.in व http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है। निविदा अपलोड करने की तारीख 08.01.2026 को 06.00 बजे तक।

UBN NO. 1. PWD2526WSOB19548, 2. PWD2526WSOB19549, 3. PWD2526WSOB19551, 4. PWD2526WSOB19552, 5. PWD2526WSOB19553, 6. PWD2526WSOB19554, 7. PWD2526WSOB19555, 8. PWD2526WSOB19556, 9. PWD2526WSOB19557

(अंकित बिन्दल)
अधिशाषी अभियन्ता
सा.नि.वि. खण्ड सुल्तानपुर

DIPR/C/19367/2025

कार्यालय नगरपालिका विद्या विहार पिलानी (राज.)

क्रमांक :–न0पा0वि0वि0 / 3194 दिनांक :–30.12.2025

ई–निविदा सूचना

नगर पालिका विद्या विहार द्वारा नगर पालिका में विभिन्न स्थानों पर सिविल निर्माण कार्य एंव इलेक्ट्रीक कार्य हेतु उपयुक्त सक्षम श्रेणी के केन्द्र / राज्य सरकार के विभिन्न विभागों में पंजीकृत ठेकेदारों / फर्मस् http://www.eproc.rajasthan.gov.in/ तथा http://sppp.rajasthan.gov.in पोर्टल पर ऑनलाईन ई–निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित विस्तृत विवरण निम्न विवरणानुसार इंटरनेट साईट http://sppp.rajasthan.gov.in/ पर भी देखी जा सकती है।

NIT NO.	Tender NIB Number	Tender UBN Number
MBVV/ 2025-26/16	DLB2526A9668	(DLB2526WSOB28892) (DLB2526WSOB28893) (DLB2526WSOB28895)

अधिशाषी अधिकारी
नगर पालिका विद्या विहार, पिलानी

राज.संवाद / सी / 25 / 16881

कार्यालय नगर पालिका डग जिला झालावाड़ (राज0)

क्रमांक / न.पा.डग / निर्माण / 2025 / 906–908 दिनांकः–30 / 12 / 2025

ई–निविदा क्रमांक 01/2025–26

नगर पालिका डग में सक्षम श्रेणी में पंजीकृत संवेदको व अन्य विभागो के सक्षम श्रेणी में पजिकृत फार्मो / संवेदको से ई–निविदा पद्धति से 01 कार्य की दिनांक 01.01.2026 से 15.01.2026 तक ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है। कार्यो की अनुमानित लागत, निविदा से सम्बन्धित प्रपत्र डाउनलोड, अपलोड करने की तिथि व निविदा की शर्ते एवं अन्य जानकारी वेबसाईट http://sppp.rajasthan.nic.in एवं http://eproc.rajasthan.gov.in व कार्यालय के नोटिस बोर्ड पर देखी जा सकती है।

NIB CODE :- DLB2526A9680

WORK NO.	UBN CODE
1	DLB2526WSOB28932

प्रशासक
नगर पालिका डग

अधिशाषी अधिकारी
नगर पालिका डग

राज.संवाद / सी / 25 / 16864

कार्यालय नगर पालिका मण्डल, नापासर (बीकानेर)

E-mail:- eonagarpalikanapasar@gmail.com

क्रमांकः–न.पा.ना.पा / निर्माण / 2025–26 / 1421 दिनांक 29.12.2025

ई– निविदा–सूचना सं0 29/2025–26

कार्यालय नगर पालिका मण्डल नापासरर द्वारा नगर पालिका नापासर क्षेत्र में स्थित राजीव गांधी स्टेडियम में नवनिर्मित गार्डन / पार्क के रख–रखाव का कार्य (अनुमानित लागत राशि 18.59 लाख रूपये) हेतु सक्षम / पात्र संभरणकर्ता जो कार्य करने / सामग्री संभरण करने के लिए अनुभवी हो, निर्धारित निविदा प्रपत्र में ई–बोली प्रक्रिया से ऑनलाईन बोलियाँ आंमत्रित की जाती है। निविदा कार्य से सम्बन्धित सम्पूर्ण विवरण एवं तिथि राज्य सरकार की ई–प्रोक्योरमेंट पोर्टल http://eproc.rajasthan.gov.in,www.sppp.rajasthan.gov.in तथा नगर निगम बीकानेर की वेबसाईट www.bikanermc.org पर देखी व डाउनलोड की जा सकती है तथा निर्धारित अवधि तक ई–प्रोक्योरमेंट पोर्टल http://eproc.rajasthan.gov.in पर अपलोड की जा सकती है। **UBN Number :-DLB2526WSOB28921**

प्रशासक
नगर पालिका नापासर

अधिशाषी अधिकारी
नगर पालिका नापासर

राज.संवाद / सी / 25 / 16857

कार्यालय नगर पालिका निवाई

क्रमांकः–न.पा.नि. / निर्माण / 2025–26 / 13751 दिनांकः– 26.12.2025

ई. बोली सूचना संख्या :– 52/2025–2026

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से निम्न कार्य के लिए उपयुक्त श्रेणी में नगर पालिका निवाई में पंजीकृत उपयुक्त श्रेणी के संवेदकों एवं विभिन्न अभियान्त्रिकी विभागो के संबंधित श्रेणी में "A" "AA" श्रेणी में पंजीकृत संवेदको एवं स्वायत्त शासन विभाग में पंजीकृत उपयुक्त श्रेणी के संवेदको से, जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, हेतु ई–टेण्डरिंग के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में निविदाएं आमन्त्रित की जाती है। निविदा फार्म ऑनलाईन वेबसाईट www.sppp.rajasthan.gov.in व 'http://www.eproc.rajsthan.gov.in पर देखा जा सकता है :–

बोली का कार्य	:	NIB Code:- DLB2526A9628 (कुल 16 कार्य)
Unique Bid Number	:	DLB2526WSOB28815, 16, 17, 18, 19, 20, 21, 23, 25, 28, 32
बोली की कुल लागत	:	Rs 259.11 लाख (सभी कार्यो की अनुमानित लागत)
बोली जारी करने की दिनाक	:	दिनांक 29.12.2025 को 13:00 बजे से
बोली दस्तावेजो को डाउनलोड करने की शुरूआती दिनांक व समय	:	दिनांक 29.12.2025 को 13:00 बजे से
ऑन लाईन बोली जमा कराने की अन्तिम दिनांक	:	दिनांक 07.01.2026 सायं 18.00 बजे तक
ऑनलाईन तकनीकी बिड खोलने की दिनांक	:	दिनांक 08.01.2026 को अपराह 12:00 बजे
वित्तीय बिड खोलने की दिनांक व समय	:	Will be Intimated latter to the Technically qualified Bidders
बिड की वैधता समयावधि	:	120 Day

अध्यक्ष
नगर पालिका निवाई

अधिशाषी अधिकारी
नगर पालिका निवाई

राज.संवाद / सी / 25 / 16878

निर्माणाधीन दुकान की पहली मंजिल से मजदूर गिरा, मौत

अलवर, (निसं)। अलवर शहर में दो मंजिला निर्माणाधीन दुकान में काम कर रहे एक मजदूर की पहली मंजिल से गिरने से मौत हो गई। हैरानी की बात यह है कि घटना का 10 मिनट तक किसी को पता नहीं लगा। शहर के कोतवाली थाना क्षेत्र के अंतर्गत तिलक मार्केट में गुरुवार दोपहर करीब एक बजे यह घटना हुई। मृतक अमरेश पुत्र बुध सिंह (45) निवासी गांव बडेर थाना मालाखेड़ा का रहने वाला था।

जानकारी के अनुसार दोपहर में लंच में खाना खाने के बाद मिस्त्री और मजदूर काम कर रहे थे। इसी दौरान मिस्त्री दूसरी मंजिल पर काम करने चला गया, जबकि मजदूर पहली मंजिल पर ही मौजूद था। कुछ समय बाद मजदूर नीचे गिर गया, लेकिन घटना के समय किसी को इसकी भनक नहीं लगी। कुछ देर बाद जब मिस्त्री नीचे आया तो उसने मजदूर को नीचे गिरा हुआ देखा। हालत गंभीर होने पर मिस्त्री ने तुरंत दुकान मालिक रमेश गोयल को सूचना दी। इसके बाद मालिक, उसका बेटा और मिस्त्री घायल मजदूर को जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

मृतक अमरेश के दो बच्चे हैं एक बेटी और एक बेटा है। उसकी मौत के बाद परिवार में मातम पसरा हुआ है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। मृतक के चाचा सूरज सिंह ने बताया कि मृतक अमरेश सिंह छह दिन से प्रेम नामक मिस्त्री के साथ तिलक मार्केट में मजदूरी का काम कर रहा था। रोज की तरह गुरुवार को भी वह काम पर आया था। दोपहर करीब साढ़े बारह बजे दोनों ने खाना खाया था, इसके बाद यह हादसा हो गया। अमरेश दो भाइयों में बड़ा था।

पांच हजार लिटर अवैध बायो डीजल बरामद

उदयपुर, (कासं)। टीडी थानाक्षैत्र में पुलिस ने अवैध बायोडीजल सहित टेंकर व ट्रक जब्त किया। जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर चलाए जा रहे तलाशी अभियान के दौरान पुलिस उपाधीक्षक गोपाल चंदेल के नेतृत्व में गठित दल ने गुरूवार को टीडी क्षेत्र में कार्यवाही करते हुए अवैध बायो डीजल भण्डार स्थल पर दबिश देकर 5 हजार लीटर बायोडीजल, टेंकर व ट्रक जब्त कर जांच शुरू की। पुलिस को अवैध बायो डीजल स्टोरेज की सूचना मिलने पर कार्यवाही की गई थी। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

प्री-डी.एल.एड. परीक्षा आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ाई

बीकानेर, (निसं)। प्रदेश के 377 डीएलएड कॉलेजों में 25,970 सीटों पर प्रवेश के लिए होने वाली प्री-डीएलएड परीक्षा के लिए अब तक करीब 4.50 लाख आवेदन ही भरे गए हैं, जबकि पिछले सत्र में करीब छह लाख आवेदन आए थे। पिछले सत्र से करीब डेढ़ लाख आवेदन कम आने से नोडल एजेंसी वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय की ओर से अब 31 जनवरी तक आवेदन की तिथि बढ़ाई गई है।

प्री-डीएलएड में शिक्षा सत्र को पटरी पर लाने के लिए इस साल आवेदन प्रक्रिया 2 दिसंबर से शुरू कर दी गई थी। आवेदन की अंतिम तिथि 31 दिसंबर तक 4 लाख 50 हजार आवेदन ही भरे गए। वहीं 30 दिसंबर को एक दिन में ही करीब 54 हजार से अधिक अभ्यर्थियों ने आवेदन किया है। अभ्यर्थियों के क्रेज के चलते वीएमओयू ने 31 जनवरी तक आवेदन की तिथि बढ़ा दी है। इस साल 12वीं बोर्ड की परीक्षाओं से पहले ही आवेदन शुरू कर दिए गए हैं। जिसके कारण से अब तक करीब 4.50 लाख आवेदन आए हैं। हालांकि बोर्ड परीक्षाओं में शामिल हो रहे अभ्यर्थी भी आवेदन भर सकते हैं, मगर ऐसे अभ्यर्थियों ने अब तक आवेदन में कम रुचि दिखाई है। अधिकतर सीनियर सेकंडरी परीक्षा उत्तीर्ण अभ्यर्थियों ने ही आवेदन किए हैं।

दुकान में सामान चोरी

पावटा, (निसं)। प्रागपुरा थाना क्षेत्र में नए साल पर एक और चोरी की वारदात सामने आ गई, जिससे व्यापारियों में भारी आक्रोश और भय का माहौल बन गया है।

जानकारी के अनुसार 31 दिसंबर बुधवार को नेपाल सिंह पुत्र रामकुवार सिंह निवासी लुणाजी तन कैरोडी ने प्रागपुरा थाना उपस्थित होकर मामला दर्ज करवाया कि रोज की तरह में दुकान बंद कर घर चला गया। देर रात अज्ञात चोर ऑयल मील की दुकान की चार दीवारी तोड़कर 20 पीपे तेल के, 5 कट्टा तिल, 5 कट्टा सरसों चुरा ले गए। वही प्रागपुरा थाना पुलिस ने सूचना पर मौके पर जाकर मौका मुवायना किया। पुलिस ने आस पास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जहां एक ट्रैक्टर सवार व एक बाइक सवार चोरी की वारदात को अंजाम देते नजर आए। व्यापारियों का कहना है कि लगातार शिकायतों और ज्ञापनों के बावजूद रात्रि गश्त और सुरक्षा व्यवस्था केवल कागजों तक सीमित है। रात के समय क्षेत्र में बाजार पूरी तरह असुरक्षित नजर आ रहे है, जिसका फायदा अपराधी उठा रहे हैं।

कालाडेरा में स्कूटी और बाइक की टक्कर से दो युवकों की मौत, दो घायल

चौमूं/कालाडेरा, (निसं)। कालाडेरा कस्बे के रीको रोड पर बुधवार देर रात स्कूटी और बाइक में आमने-सामने की टक्कर हो गई। इस हादसे में दो युवकों की मौत हो गई। वहीं हादसे में दो लोग गंभीर रूप से घायल भी हो गए। घायलों को उपचार के लिए 108 ऐंबुलेंस की सहायता से चौमूं और जयपुर के अस्पतालों में भर्ती कराया गया है।

कालाडेरा थानाधिकारी पूजा पूनिया ने बताया कि मृतकों की पहचान विपिन कुमार शर्मा (41) पुत्र ब्रह्मदास शर्मा निवासी हमीरपुर, हिमाचल प्रदेश जो कि स्कूटी सवार था, वहीं बाइक सवार राकेश विश्वास (35) पुत्र जंगभाधु विश्वास निवासी पश्चिम बंगाल के रूप में हुई है। स्कूटी सवार विपिन का शव जयपुर के एसएमएस अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है, जहां परिजनों के आने के बाद पोस्टमॉर्टम किया जाएगा। वहीं बाइक सवार राकेश का पोस्टमॉर्टम चौमूं के सरकारी अस्पताल में किया गया। दोनों युवक कालाडेरा रीको औद्योगिक क्षेत्र में स्थित फैक्ट्रियों में मजदूरी का काम करते थे। हादसे में घायल हनी कुमार (42) पुत्र सुखदेव निवासी हिमाचल प्रदेश व धर्मेन्द्र राजपूत (36) पुत्र तेजपाल निवासी कोटपूतली गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों घायलों का चौमूं के निजी अस्पताल में उपचार चल रहा है। पुलिस की प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि स्कूटी और बाइक पर सवार सभी चारों लोग कालाडेरा रीको औद्योगिक क्षेत्र की अलग-अलग फैक्ट्रियों में मजदूरी करते थे।

एम.पी. से भागवत कथा सुनने के बहाने आये लोग जुआ खेलते गिरफ्तार

बांसवाड़ा, (निसं)। दानपुर थाना क्षेत्र में मध्यप्रदेश से भागवत कथा सुनने के बहाने आये आठ लोग जुआ खेलते हुए पकड़े गये।

दानपुर थानाधिकारी लक्ष्मीचंद ने बताया कि नववर्ष की पूर्व संध्या पर थाने एवं जिला स्पेशल टीम की संयुक्त कार्यवाही में जुआ खेलते हुए आठ आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 24620 रूपये व पांच मोबाइल जब्त किये गये। थानाधिकारी ने बताया कि 31 दिसम्बर को दानपुर कस्बे में कुछ व्यक्तियों द्वारा जुआ खेलने की जानकारी मिली जिस पर डीएसटी टीम प्रभारी विवेकभान सिंह व उनकी टीम तथा दानपुर थाने के सहायक उपनिरीक्षक रवि कुमार थापा मय जाप्ते ने सर्च अभियान चलाया। इस दौरान रतलाम रोड़ पर नाले के पास सुनसान जगह पर कुछ व्यक्ति ताश के पत्तों पर जुआ खेलते हुए पाये गये। ये सभी लोग मध्यप्रदेश के रतलाम जिले के हैं। पुलिस ने इन लोगों से 24 हजार 620 रूपये जब्त किये। पुलिस ने जुआ अधिनियम में मामला दर्ज कर लिया है।

जुआ खेलते हुए आठ आरोपियों को गिरफ्तार कर नगदी व पांच मोबाइल जब्त किये

सोशल मीडिया पर विवादित पोस्ट की, दो गिरफ्तार : कोटा में सोशल मीडिया प्लेटफार्म इंस्टाग्राम व फेसबुक पर विवादित पोस्ट करने के मामले में विज्ञान नगर पुलिस टीम ने कार्यवाही करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। शहर पुलिस अधीक्षक तेजस्वनी गौतम ने बताया कि शहर पुलिस द्वारा सोशल मीडिया के सभी प्लेटफार्म जिसमें फैसबुक, इंस्टाग्राम, यूट्यूब, वाट्सएप इत्यादि पर पैनी नजर रखी जा रही है। शहर एसपी ने बताया कि 30 दिसम्बर को फरियादी ने विज्ञान नगर थाने में मामला दर्ज करवाया। फरियादी ने रिपोर्ट दी कि अरबाज व फिरोज के नाम से इंस्टाग्राम व फेसबुक अकाउंट पर एक विवादित पोस्ट वायरल की जा रही है, जो साम्प्रदायिक सौहार्द्र बिगाड़ने की नियत से अपलोड की गई है। शहर एसपी ने बताया कि फरियादी की रिपोर्ट पर मामला दर्ज किया गया, मामले का अनुसंधान के लिये विज्ञान नगर थानाधिकारी मुकेश मीणा के नेतृत्व में पुलिस टीम का गठन किया गया। शहर एसपी ने बताया कि गठित टीम ने मामले की जांच कर सोशल मीडिया प्लेटफार्म इंस्टाग्राम व फेसबुक पर हो रही वायरल पोस्ट पर कार्यवाही करते हुए अन्नतपुरा निवासी अरबाज खान (27) एवं रजा नगर रंगतलाब निवासी फिरोज खान (31) को बोरखेड़ा से डिटेन कर गिरफ्तार किया।

मुर्गों की फाइट पर लगाया जा रहा सट्टा पकड़ा

- 10 जने गिरफ्तार, नगदी सहित 2 कार और 2 बाइक जब्त

हनुमानगढ़, (निसं)। जिले की भादरा पुलिस ने मुर्गों की आपस में लड़ाई कराकर सट्टा लगाते हुए 10 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मौके से करीब 43 हजार 500 रुपये की जुआ रकम के साथ 2 कार और 2 मोटरसाइकिल भी जब्त की है। इस अवैध आयोजन का मुख्य आयोजक बरकत निवासी भादरा मौके से फरार हो गया, जिसकी तलाश जारी है।

एसपी हरी शंकर ने बताया कि गश्त के दौरान सूचना मिलने पर भादरा थानाप्रभारी हनुमानाराम के नेतृत्व में एसआई अक्षय कुमार ने टीम के साथ ठिकाने पर दबिश दी। यहां पर मुर्गों की लड़ाई पर रुपए का दाव लगाते हुए मोहम्मद जावेद, आसिफ राजावत, ईरफान खान, आमीर राजावत, मोहम्मद सैयद, राशिद अब्दुल, नीरज सिंह राजपूत, गुरूदास सिंह, राजेंद्र सिंह व संदीपसिंह उर्फ शनि को गिरफ्तार किया। पुलिस अधीक्षक ने स्पष्ट किया कि जिले में अवैध गतिविधियों के खिलाफ इसी तरह सख्त अभियान आगे भी जारी रहेगा और कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा। मौके पर मिले मुर्गे घायल और जख्मी अवस्था में थे। आरोपियों के साथ घायल मुर्गों को थाने ले गए, तो इधर-उधर भागने लगे तो पुलिसकर्मियों ने पकड़कर एक-एक पैर रस्सी से बांध दिया। मानवता दिखाते हुए लड़ाई में घायल हुए मुर्गों के उपचार के लिए मौके पर पशु चिकित्सक टीम को बुलाया। प्राथमिक उपचार के बाद घायल मुर्गों को देखभाल के लिए एक सार्वजनिक संस्था के सुपुर्द किया गया। इस पूरी कार्रवाई में पुलिस टीम में उपनिरीक्षक अक्षय कुमार, हैड कांस्टेबल नरेश कुमार, कांस्टेबल सुभाष, मदन सिंह, सचिन कुमार, सोनू और देवीलाल शामिल रहे। विशेष भूमिका कांस्टेबल सुभाष और मदन सिंह की भूमिका रही।

57 किलो चांदी लूट के मामले में डेढ़ साल से फरार बदमाश गिरफ्तार

माणक चौक क्षेत्र में मनीरामजी की कोठी रास्ता स्थित गजानंद ज्वैलरी शॉप में गार्डों को बंधक बनाकर जेवरात लूटने का मामला

जयपुर (कासं)। माणक चौक थाना पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए ज्वैलरी शॉप से 57 किलो चांदी की लूट के मामले में पिछले डेढ़ साल से फरार 10 हजार रुपए के इनामी बदमाश को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 10 किलो चांदी के गहने भी बरामद किए है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर (उत्तर) करण शर्मा ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी की पहचान मोहम्मद तौहीद (34) निवासी निवाई, जिला टोंक के रूप में हुई है। आरोपी पर 10 हजार रुपए का इनाम घोषित था और उसके खिलाफ करीब आधा दर्जन आपराधिक मामले दर्ज हैं। मामले में एक अन्य फरार आरोपी अशफाक की तलाश जारी है, जिस पर भी 10 हजार रुपए का इनाम रखा गया है।

सुरक्षा गार्डों को बंधक बनाकर की थी लूट

डी.सी.पी. ने बताया कि 19 नवंबर को पीड़ित विनोद अग्रवाल ने माणक चौक थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। परिवादी ने बताया कि मनीरामजी की कोठी का रास्ता स्थित सिद्धि विनायक कॉम्पलेक्स में उनकी गजानंद ज्वैलरी के नाम से दुकान है।

रात के समय बदमाशों ने दुकान की सुरक्षा में तैनात तीन गार्डों से मारपीट कर उन्हें बंधक बना लिया और शॉप का लॉक तोड़कर 57 किलो चांदी के गहने लूटकर फरार हो गए। घटना के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए लूट में शामिल हितेश प्रजापत और अकरम को गिरफ्तार किया था। इनके कब्जे से 38 किलो चांदी के गहने बरामद किए जा चुके हैं। पूछताछ में सामने आया कि वारदात में कुल चार बदमाश शामिल थे। इसके बाद फरार आरोपियों मोहम्मद तौहीद और अशफाक पर 10-10 हजार रुपए का इनाम घोषित किया गया।

आरोपी मोहम्मद तौहीद

- पुलिस ने आरोपी मोहम्मद तौहीद को गिरफ्तार कर 10 किलो चांदी के गहने भी जब्त किए हैं
- इस प्रकरण में पुलिस पूर्व में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर 38 किलो चांदी बरामद कर चुकी

आरोपी ने दिल्ली-गुड़गांव में काटी फरारी

थानाधिकारी राकेश ख्यालिया ने बताया कि आरोपी मोहम्मद तौहीद वारदात के बाद अपने परिचित के यहां छिपने चला गया था। उसे जानकारी मिली कि पुलिस उसके टोंक-निवाई स्थित मकान पर दबिश देने आई थी और घर की गहन तलाशी लेकर लौट गई थी। इसी का फायदा उठाकर आरोपी ने लूट का माल अपने ही घर में छिपा दिया। इसके बाद वह पुलिस से बचने के लिए दिल्ली-गुड़गांव चला गया, जहां कुछ समय घूमने के बाद मालपुरा और टोंक क्षेत्र में भी फरारी काटता रहा। पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर टोंक में दबिश देकर उसे गिरफ्तार कर लिया। फिलहाल आरोपी से गहन पूछताछ की जा रही है।

चेजा पत्थर से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त, रजिस्ट्रेशन नंबर से मालिक की तलाश

जयपुर। कानोता थाना इलाके में खनिज विभाग की टीम की ने अवैध खनन के खिलाफ कार्रवाई करते हुए चेजा पत्थर से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त की है। वहीं इस कार्रवाई में ट्रैक्टर चालक मौके से फरार होने में कामयाब हो गया। पुलिस ने ट्रैक्टर के रजिस्ट्रेशन नंबरों के आधार पर चालक की तलाश शुरु कर दी है।

पुलिस ने बताया कि खनिज विभाग के निदेशन-2 जैद अली ने मामला दर्ज कराया है कि गुरुवार दोपहर करीब 1 बजे इलाके की पहाड़ियों में चेजा पत्थर के अवैध खनन की सूचना मिली थी। सूचना पर खनिज विभाग की टीम मौके पर पहुंची। तभी अवैध खनन कर चुराए चेजा पत्थर से भरी ट्रैक्टर -ट्रॉली आगरा रोड पर जाने की सूचना मिली। खनिज विभाग की सूचना पर पुलिस ने पुरानी चुंगी आगरा रोड पर नाकाबंदी की। नाकाबंदी देख अवैध खनन करने वाले चेजा पत्थर पर भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली छोड़कर फरार हो गए। पुलिस ने पत्थर से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली को जब्त कर चालक की तलाश शुरु कर दी है।

नववर्ष की रात नशे में गाड़ी चलाने वाले 445 चालकों पर कार्रवाई

मोटर व्हीकल एक्ट में पुलिस ने 1293 वाहन चालकों के चालान काटे और 49 चालकों को हिरासत में लिया

जयपुर (कासं)। नववर्ष सेलिब्रेशन के दौरान शहर में सुरक्षा और यातायात व्यवस्था बनाए रखने के लिए जयपुर पुलिस पूरी तरह अलर्ट मोड पर रही। 31 दिसंबर की रात से 1 जनवरी की सुबह तक चले विशेष अभियान में जयपुर ट्रैफिक पुलिस ने सख्ती दिखाते हुए शराब पीकर वाहन चलाने वाले 445 वाहन चालकों के खिलाफ मोटर व्हीकल एक्ट की धारा 185 के तहत कार्रवाई की।

इस दौरान एमवी एक्ट के अंतर्गत कुल 1293 वाहन चालकों के चालान काटे गए, जबकि बीएनएसएस की धारा 170 के तहत 49 वाहन चालकों को हिरासत में लिया गया। पुलिस उपायुक्त यातायात सुमित मेहरड़ा ने बताया कि ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने वालों-विशेषकर ड्रिंक एंड ड्राइव, बिना हेलमेट और ओवर स्पीडिंग करने वालों-के खिलाफ सख्त कार्रवाई की गई। कई वाहनों को जब्त किया गया और नियम तोड़ने वालों को ड्राइविंग लाइसेंस रद्द करने की चेतावनी भी दी गई।

- जयपुर शहर में 45 से अधिक नाके बनाकर रखी 3-लेयर सिक्योरिटी, 50 से अधिक स्पेशल ट्रैफिक टीमें भी तैनात किए

न्यू ईयर सेलिब्रेशन को देखते हुए बुधवार शाम से ही शहर की चारों दिशाओं में अलग-अलग पॉइंट्स पर नाकेबंदी की गई। शहरभर में 45 से अधिक अतिरिक्त नाके लगाए गए और 3-लेयर सिक्योरिटी प्लान के तहत विशेष निगरानी रखी गई, ताकि जश्न के दौरान किसी भी तरह की अप्रिय घटना को रोका जा सके। कार्रवाई के दौरान कई स्थानों पर शराब के नशे में वाहन चला रहे लोगों ने खुद को बचाने के लिए एसपी से लेकर जनप्रतिनिधियों तक से पहचान होने की धौंस देने की कोशिश की, लेकिन पुलिस ने बिना किसी दबाव के नियमों के अनुसार कार्रवाई की। पुलिस ने पहले ही शराब पीकर वाहन चलाने वालों के खिलाफ सख्त चेतावनी जारी की थी।

इसके बावजूद अत्यधिक नशे की हालत में पाए गए कुछ लोगों के साथ पुलिस ने मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए उन्हें सुरक्षित घर पहुंचाने की व्यवस्था भी की। न्यू ईयर सेलिब्रेशन के दौरान शहर में 50 से अधिक स्पेशल ट्रैफिक टीमें तैनात रहीं। जवाहर सर्किल सहित संवेदनशील इलाकों, क्लबों और पार्टी स्थलों के बाहर विशेष चेकिंग अभियान चलाया गया। जयपुर पुलिस की इस सख्ती का उद्देश्य नववर्ष के जश्न को सुरक्षित बनाना और सड़क हादसों पर प्रभावी नियंत्रण रखना रहा।

जयपुर आर्ट वीक में जुटेंगे दुनियाभर के कलाकार

जयपुर (कासं)। समकालीन कला के सबसे प्रभावशाली मंच के रूप में उभर चुके जयपुर आर्ट वीक अपने पांचवें संस्करण के साथ लौट रहा है। पब्लिक आर्ट्स ट्रस्ट ओफ़ इंडिया (पाटी) की ओर से 27 जनवरी से 3 फ़रवरी 2026 तक जयपुर के विभिन्न स्थलों पर आयोजित होते हुए एक बार फिर ये महोत्सव शहर की एतिहासिक विरासत को संवाद से जोड़ेगा। इस आठ दिवसीय महोत्सव के कलाकरों की पहली सूची की घोषणा की गई। जिनमें फ़ीचर्ड, सोलो, ग्रूप, डिजिटल व पारसंस न्यूयॉर्क स्टूडेंट ग्रूप शो जैसी विभिन्न कैटेगिरीज के आर्टिस्ट्स के नाम से पर्दा उठा।

- 27 जनवरी से 3 फ़रवरी तक जयपुर के प्रमुख स्थलों पर होगा आयोजन

संस्थापक सना रिज़वान ने बताया कि वर्ष 2026 के लिए आयोजित अंतरराष्ट्रीय ओपन कॉल में 450 से अधिक आवेदन प्राप्त हुए, वहीं 600 से अधिक कलाकारों को निःशुल्क प्रस्ताव लेखन कार्यशालाओं के माध्यम से मार्गदर्शन दिया गया। इस संस्करण में जयपुर के अलग-अलग स्थानों पर 100 से अधिक कलाकारों की भागीदारी देखने को मिलेगी, जिसमें 15 से अधिक एकल कला प्रस्तुतियां और पाटी समूह प्रदर्शनी शामिल है। कलाकारों का अंतिम चयन एक प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय जूरी द्वारा किया गया, जिसमें अनिता दुबे, रेनू मोदी, वुड एंड हैरिसन, ऐंद्रिया एमेलाइफ़ और सना रिज़वान शामिल रहे। चयनित कलाकारों को विभा गल्होत्रा, गिगी स्कारिया, ठाकुरल एंड टैगरा और शुद्धब्रत सेनगुप्ता जैसे वरिष्ठ कलाकारों से मेंटरशिप भी दी गई, ताकि वे अपने विचारों को प्रभावशाली कला प्रस्तुतियों में बदल सकें।

सार-समाचार

सेवानिवृत्त कार्मिकों ने यज्ञ में दी आहूतियां

जयपुर । सचिवालय में राजकीय सेवा कर सेवानिवृत हो चुके 19 पूर्व कर्मचारियों-अधिकारियों हरिपुरा में जलभवन के पास स्थित पेंशनर भवन में सामूहिक रूप से जन्मदिन और विवाह दिवस गायत्री यज्ञ के साथ मनाया। दिसंबर माह में जिनका जन्मदिन था या विवाह दिवस था उन लोगों ने परिवार और पुराने साथियों के साथ भारतीय संस्कृति के अनुसार जन्मदिन -विवाह दिवस की खुशियां मनाई। कार्यक्रम संयोजक मुन्नालाल ठाड़ा ने बताया कि आचार्य पीठ से अशोक गोयल और गिरधारी लाल अग्रवाल ने यज्ञ संपन्न कराया। अध्यक्ष भगवान सहाय मीणा ने सभी का माल्यार्पण कर स्वागत किया। गोपाल सिंह, भंवर लाल, महेन्द्र प्रकाश अरोड़ा, सौभाग्यमल जैन, राधाकिशन सैनी, बालकृष्ण पावा, हरीश चन्द चेतवानी, घनश्याम बागोटिया, नानकराम बलाई, बी.एन. श्रीवास्तव, आर.पी. कुलश्रेष्ठ, राधेश्याम उपाध्याय, नारायणदास तीर्थानी, लोकेन्द्र कुमार त्रिपाठी, गोविन्द नारायण गुप्ता, चन्द्रकान्ता मालाकार, बसन्त कूलवाल, दिनेश चन्द्र शर्मा, कैलाश चन्द्र शर्मा एवं मधुसूदन कालूण्डिया ने यज्ञ भगवान को आहुतियां प्रदान की। सभी को प्रज्ञा अभियान की प्रति भेंट की गई।

अल्पसंख्यक निदेशक का अभिनन्दन

जयपुर । दिगम्बर जैन महा समिति ने अल्पसंख्यक निदेशक का अभिनन्दन किया। महासमिति की ओर से सुरेंद्र पांड्या राष्ट्रीय महासचिव, महावीर बाकलीवाल अंचल महासचिव, णमोकार जैन कार्याध्यक्ष, मुकेश जैन एवं अखिल भारतीय जैन बैंकर्स अध्यक्ष भागचंद जैन ने नव वर्ष पर मातादीन मीणा, निदेशक, अल्पसंख्यक कार्य विभाग, राजस्थान, जयपुर से भेंट कर उनका हार्दिक अभिनन्दन किया, नूतन वर्ष पर शुभ कामनाएं दी। साथ ही उन्हें जन्म दिवस पर बधाई दी गई। इस अवसर पर अति अल्प संख्यक जैन समाज को दी जाने वाली सुविधाओं पर चर्चा की गई, साथ ही महा समिति की ओर से एक ज्ञापन भी दिया गया।

पौषबड़ा महोत्सव शनिवार को

जयपुर (कासं)। सूरजपोल बाजार स्थित प्राचीन मंदिर श्री गिरधर मीराजी में शनिवार सांय 5 से रात्रि 9 बजे तक विशाल भजन संध्या होगी। जिसमें जयपुर के ख्याति नाम भजन गायकपनी प्रस्तुति देंगे। इस दौरान भगवान को पौषबड़ा प्रसादी का भोग लगाकर श्रद्धालुओं में प्रसादी वितरित की जाएगी। यह जानकारी महंत मधुसूदन शर्मा ने दी है। उन्होंने बताया कि दोनों कार्यक्रमों की तैयारियां तेजी से चल रही है।

नव वर्ष पर वरिष्ठता सूचियां जारी

जयपुर (कासं)। जयपुर विद्युत वितरण निगम ने नव वर्ष के प्रथम दिन ही वर्ष 2026 के लिए अधिकारियों, अभियन्ताओं सहित सभी कार्मिकों की अस्थाई वरिष्ठता सूचियां जारी कर दी हैं। इनमें अभियन्ता, अधिकारी, लेखा और कार्मिक, सांख्यिकी, निजी सेवा, मंत्रालयिक, तकनीकी सहित अन्य सभी संवर्गों के अधिकारी एवं कर्मचारी शामिल है। निगम में उपखण्ड स्तर से लेकर निगम स्तर तक लगभग 18 हजार से अधिक कार्मिक कार्यरत हैं। इन सभी की 1 अप्रैल, 2026 की स्थिति में 748 अस्थाई वरिष्ठता सूचियां जारी की गई हैं। इन पर 31 जनवरी, 2026 तक आपत्तियां मांगी गई है। जिनका निस्तारण कर शीघ्र अंतिम वरिष्ठता सूचियां जारी की जाएंगी।

गोल्ड लोन चुकाने के नाम से 15 लाख रु. की धोखाधड़ी

जयपुर (कासं)। चित्रकूट थाना इलाके में एक युवक को परिचित के नाम से गोल्ड लेना भारी पड़ गया। पीड़ित ने आरोपी परिचित के खाते में आरटीजीएस के माध्यम से पैसे डाले और शातिर परिचित ने उन लाखों रुपयों को अपने दूसरे खाते में ट्रांसफर कर लिए। यूपीआई और एटीम के जरिए नकदी निकलने के बाद पीड़ित को खुद के साथ हुई धोखाधड़ी का एहसास होने पर पुलिस ने मामले की जानकारी पुलिस को दी। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर आरोपी परिचित के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी है।

- परिचित ने धोखे से लाखों रुपए को दूसरे बैंक खाते में ट्रांसफर किया
- चित्रकूट थाना पुलिस कर रहीं है मामले की छानबीन

पुलिस ने बताया कि जमवारामगढ़ निवासी हेमराज गुर्जर (34) ने मामला दर्ज कराया है कि कुछ समय पहले उसकी मुलाकात आरोपी प्रेम चंद्र से हुई थी। लगातार मुलाकात होने के बाद दोनो अच्छे दोस्त बन गए। पीड़ित का आरोप है कि गोल्ड लोन चुकाने के लिए उसने प्रेम चंद्र के बैंक ऑफ महाराष्ट्र के खाते में 14 लाख 65 हजार रुपए आरटीजीएस के जरिए जमा करवाए। बैंक अकाउंट में रुपए ट्रांसफर होने के बाद चकमा देकर फरार हो गया। पीड़ित ने कई बार आरोपी के मोबाइल फोन पर कॉल किया। लेकिन लगातार मोबाइल फोन बंद मिला। दिए गए रुपयों में से आरोपी ने 5 लाख रुपए अपने दूसरे बैंक अकाउंट में ट्रांसफर कर लिए। जिन्हें और एटीएम के जरिए निकलने का पता चला। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरु कर दी है।

राजस्थान पुलिस ने बुजुर्गों के बीच मनाया नववर्ष

जयपुर । राजस्थान पुलिस ने नववर्ष 2026 के प्रथम दिन को प्रदेश के वरिष्ठ नागरिकों के सम्मान, सुरक्षा और सामाजिक सहभागिता के नाम समर्पित किया। पुलिस महानिदेशक राजीव शर्मा के विजन सुरक्षित बुजुर्ग-सुरक्षित समाज के अनुरूप पुष्पांजलि वृद्ध आश्रम में एक विशेष जागरूकता एवं संवाद कार्यक्रम रखा गया था। जहां मुख्य अतिथि एवं वक्ता के रूप में उपस्थित अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कम्युनिटी पुलिसिंग सुनीता मीना ने बुजुर्गों के साथ आत्मीय वक्त बिताया और उन्हें नववर्ष की बधाई दी। वर्तमान समय में वरिष्ठ नागरिकों को निशाना बना रहे साइबर अपराधियों के तरीकों पर चर्चा करते हुए साइबर फ्रॉड से बचने के तरीके बताए गए।

श्री शुक संप्रदाय पीठ बरसाना में श्रीराम कथा का शुभारंभ

जयपुर (कासं)। छोटे दादा गुरुदेव शुक सम्प्रदाय पीठाधीश रसिक माधुरी शरण महाराज की 127वीं जन्म जयंती के उपलक्ष्य में गुरुवार को अजमेर रोड क्वींस कॉलोनी नीलकंठ कॉलोनी स्थित श्री सरस निकुंज की पीठ बरसाना में श्रीराम कथा प्रवचन का शुभारंभ हुआ।

श्री शुक सम्प्रदाय पीठाधीश अलबेली माधुरी शरण महाराज के सान्निध्य एवं संरक्षण में पूजा-अर्चना के बाद व्यास पीठ पर आचार्य डॉ. राजेश्वर ने मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के जीवन, आदर्शों एवं मर्यादाओं पर आधारित श्री राम कथा का भावपूर्ण एवं रसपूर्ण गुणगान किया। आचार्य डॉ. राजेश्वर ने कहा कि संतों के आशीर्वाद से उनके संरक्षण-सान्निध्य में सभी को ऐसे ही कथा सत्संग का आनंद प्राप्त होता रहे। अंग्रेजी नव वर्ष सभी के लिए मंगलमय हो। श्रद्धालु भक्ति मार्ग पर आगे बढ़े। कथा से पूर्व पोथीयात्रा निकाली गई।

श्री सरस परिकर के प्रवक्ता प्रवीण बड़े भैया ने बताया कि सभी लोगों का अंग्रेजी वर्ष 2026 मंगलमय हो, सभी का कल्याण हो इस भाव के साथ कथा प्रवचन का आयोजन किया जा रहा है। श्री शुक संप्रदाय पीठ की ओर से हर वर्ष यह आयोजन गत 25 वर्ष से जारी है। कथा प्रवचन नौ जनवरी तक प्रतिदिन मध्याह्न 1:30 से शाम 5 बजे तक होंगे। कथा के दौरान अनेक आचार्यों एवं संत-महात्माओं का आशीर्वाद भी श्रद्धालुओं को प्राप्त होगा। गुरुवार को सुबह हल्की बूंदाबादी और सूर्य भगवान के दिनभर बादलों में छाये रहने के कारण अचानक सर्दी बढ़ गई। ऐसे में कथा स्थल पर बाहर अलाव जलाया गया। बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं ने पहले हाथ तपाए बाद में कथा सुनी। श्री सरस निकुंज के प्रवक्ता प्रवीण बड़े भैया ने बताया कि श्रद्धालुओं को सर्दी से बचाने के सभी व्यवस्था की गई है। दरवाजे और खिड़कियों पर मोटे पर्दे लगाए गए हैं ताकि ठंडी हवा नहीं आए। बैठने की व्यवस्था मोटे कालीन और गद्दों पर की गई है।

नववर्ष पर सरस राजसखी मेले में उमड़ा जनसैलाब

भरतपुर के जय शिव शंकर और बाड़मेर का दिनुवानी एसएचजी की रिकॉर्ड बिक्री

जयपुर (कासं)। नव वर्ष के पहले दिन गुरुवार को सरस राजसखी राष्ट्रीय मेला 2025 में उत्साह, उमंग और उल्लास देखते ही बनता था। साल की पहली सुबह से ही मेला आगंतुकों से गुलज़ार रहा और हर ओर रौनक का माहौल दिखाई दिया। रंग-बिरंगे स्टॉल्स, हस्तशिल्प की खुशबू, पारंपरिक संगीत और लोगों की चहल-पहल ने मेले को एक जीवंत उत्सव में बदल दिया।

भरतपुर के जय शिव शंकर एसएचजी ने अब तक सबसे ज्यादा बिक्री की है । एसएचजी दीदी नीलम ने बताया कि ग्राहक उनके जूट प्रोडक्ट्स को बहुत पसंद कर रहे हैं । बाड़मेर का दिनुवानी एसएचजी बिक्री के मामले में दूसरे स्थान पर रहा और इनके बनाए कशीदाकारी के उत्पाद सभी को लुभा रहे है। बाड़मेर का ही जोगमाया एसएचजी भी रिकॉर्ड बिक्री कर रहा हैं, उनके बनाए अजरक प्रिंट के कपड़े बेहद लोकप्रिय हो रहे हैं। समूह सदस्य गंगादेवी इसके लिए राजीविका के इस मंच का आभार मानती है। फ़ूड स्टाल्स में जयपुर के राधास्वामी एसएचजी ने सबसे ज्यादा सेल की है, उनकी पाव भाजी लोगों को बहुत पसंद आ रही है। सवाई माधोपुर का सरस्वती एसएचजी के व्यंजनों का स्वाद भी लोगों को बहुत लुभा रहा है और बिक्री में ये दूसरे स्थान पर हैं ।इन समूहों से जुड़ी महिलाओं के चेहरों पर सजी मुस्कान इस बात का प्रमाण है कि यह मेला उनके लिए केवल एक बाजार नहीं, बल्कि सपनों को साकार करने का मंच है। मेले में भाग ले रहीं आंध्र प्रदेश से आई एक एसएचजी दीदी ने बताया कि वह पहली बार इतने बड़े राष्ट्रीय मंच पर अपने हाथ से बने उत्पाद लेकर आई है। यहाँ लोगों की सराहना और भरोसा देखकर आत्मविश्वास कई गुना बढ़ गया है। पहले हम अपने गांव तक ही सीमित थे, लेकिन अब हमारे उत्पाद पूरे देश तक पहुँच रहे हैं। हरियाणा से आई एक अन्य सदस्य ने बताया कि उनके हैंडलूम उत्पादों की मांग इतनी अधिक है कि कई बार स्टॉक खत्म होने की स्थिति बन गई। उन्होंने खुशी जताते हुए कहा कि सरस मेला हमारे लिए सिर्फ कमाई का जरिया नहीं, बल्कि सीखने और आगे बढ़ने का अवसर भी है। मुंबई से जयपुर घूमने आई एक विदेशी पर्यटक सारा ने बताया कि उन्हें भारतीय हस्तशिल्प और पारंपरिक वस्त्र बेहद आकर्षक लगे। जयपुर की आयुषी अपने दोस्तों के साथ मेले में पहुंचीं और बताया कि यहां यंगस्टर्स के लिए भी बहुत कुछ खास है। उन्हें विशेष रूप से स्टाइलिश बैग्स, पर्स, विंटर वियर और सिल्क के स्टोल्स बेहद पसंद आए। वहीं जयपुर के ही नरेश अपने परिवार के साथ मेला देखने आए।

जवाहर कला केन्द्र में आयोजित सरस राजसखी मेले में गुरूवार को खरीददारी के लिए लोगों की भारी भीड़ उमड़ी।

ताराचन्द सैनी लगातार दूसरी बार जयपुर जलदाय इंटक के जिलाध्यक्ष निर्वाचित

जयपुर (कासं)। प्रान्तीय नल मजदूर यूनियन इंटक (जलदाय विभाग) के तत्वावधान में गुरूवार को तिलक नगर जलदाय परिसर में जयपुर जिला अध्यक्ष के चुनाव सफलतापूर्वक सम्पन्न हुए। चुनाव में जयपुर जिले के जलदाय कर्मचारियों ने भारी संख्या में भाग लेकर संगठन की एकजुटता और लोकतांत्रिक परंपरा को मजबूत किया। चुनाव अधिकारी रामाशंकर गुर्जर एवं पर्यवेक्षक जगदीश गुप्ता की देखरेख में चुनाव प्रक्रिया को विधिवत, शांतिपूर्ण एवं पारदर्शी रूप से सम्पन्न कराया गया।

चुनाव में जलदाय कर्मचारियों ने सर्वसम्मति से ताराचन्द सैनी को लगातार दूसरी बार प्रान्तीय नल मजदूर यूनियन इंटक, जयपुर का जिला अध्यक्ष चुना। उनके पुनः निर्वाचित होने पर कर्मचारियों में उत्साह और ऊर्जा का माहौल रहा।

इस अवसर पर संघ के प्रदेशाध्यक्ष संजय सिंह शेखावत, वरिष्ठ उपाध्यक्ष रघुवीर सिंह शेखावत, कार्यवाहक अध्यक्ष केदार प्रसाद शर्मा एवं विधि सलाहकार मुकेश कुमार माथुर ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जलदाय कर्मचारियों की नई भर्ती, वर्कचार्ज कर्मचारियों के सिविलिकरण सहित अन्य ज्वलंत मांगों को प्राथमिकता से उठाया। साथ ही जयपुर में शीघ्र महा-अधिवेशन आयोजित करने का निर्णय लिया गया तथा सरकार से इन समस्याओं के शीघ्र समाधान की पुरज़ोर मांग की गई। नवनिर्वाचित जिला अध्यक्ष ताराचन्द सैनी का सैकड़ों जलदाय कर्मचारियों ने फूल-मालाओं से जोरदार स्वागत किया। नववर्ष पर कर्मचारियों ने नशा-मुक्ति का संकल्प लेते हुए खीर महोत्सव का आयोजन भी किया गया, जो सामाजिक जागरूकता और सकारात्मक संदेश का प्रतीक बना।

कार्यक्रम में संघ के संरक्षक जगदीश प्रसाद शर्मा एवं राजस्थान राज्य कर्मचारी संघ के प्रदेशाध्यक्ष राजेश पारीक की गरिमामयी उपस्थिति रही।

प्रांतीय नल मजदूर यूनियन इंटक के चुनाव गुरूवार को संपन्न हुए।

डंपर-ट्रेलर में जोरदार भिड़ंत

जयपुर । भांकरोटा इलाके में पुलिया पर गुरुवार सुबह तेज रफ्तार अनियंत्रित डंपर ने पीछे से ट्रेलर को जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में डंपर चालक घायल हो गया। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने एम्बुलेंस की मदद से डंपर चालक को सवाई मानसिंह अस्पताल भिजवाया। हादसे के बाद थाना इलाके में लंबा जाम लग गया। पुलिस ने क्रेन की मदद से क्षतिग्रस्त दोनो वाहनों को क्रेन की सहायता से साइड में करवाकर यातायात को सुचारु करवाया। थानाधिकारी रामनिवास जांगिड़ ने बताया कि गुरुवार सुबह पुलिया से तेज रफ्तार डंपर नीचे उतर रहा था। इसी दौरान उसका सतुंलन बिगड़ गया और वो आगे चल रहे ट्रेलर से जा टक्कराया। जिससे ट्रेलर का पिछला हिस्सा बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। वहीं डंपर की केबिन सहित आगे वाला हिस्सा भी क्षतिग्रस्त हो गया। इस हादसे में डंपर चालक भी बुरी तरह घायल हो गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने तुरंत बाहर निकालकर उपचार के लिए एसएमएस अस्पताल भिजवाया।

प्रथम पूज्य के दर्शनों के साथ नववर्ष की शुरूआत

जयपुर । अंग्रेजी नववर्ष 2026 के आगमन पर गुरुवार को जयपुर पूरी तरह भक्तिमय वातावरण में रंगा नजर आया। सुबह सूरज की पहली किरण के साथ ही श्रद्धालु भगवान के दर्शन के लिए शहर के प्रमुख मंदिरों की ओर उमड़ पड़े। घंटियों की मधुर ध्वनि, फूलों की सुगंध और भक्तों के जयकारों से वातावरण आध्यात्मिक ऊर्जा से भर गया। मोतीडूंगरी गणेशजी और गोविंद देवजी मंदिर में आराध्यदेव के दर्शनों के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी।

नववर्ष पर मोती डूंगरी गणेश मंदिर में महंत पं. कैलाश शर्मा के सान्निध्य में छप्पन भोग की झांकी एक नए रूप में सजाई गई। पहली बार 56 प्रकार के लड्डूओं की झांकी सजाई गई। इस झांकी में पिस्ता, सीताफल, वनीला, स्ट्रॉबेरी जैसे आधुनिक फ्लेवर के लड्डुओं के साथ-साथ बेसन, मोतीचूर, नारियल, रवा-सूजी, आटा, मेवा, मलाई, चूरमा, मूंग, ड्राई फ्रूट और गुलकंद जैसे पारंपरिक लड्डू भी शामिल रहे। इसी प्रकार गोविंददेवजी मंदिर में नववर्ष के पहले दिन ठाकुरजी के दर्शन निर्धारित 9 घंटे से एक घंटा ज्यादा यानी 10 घंटे तक कराए गए। मंगला झांकी में ढाई घंटे तक विशेष दर्शन हुए।

इस झांकी में मंदिर के अंदर और बाहर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रही। मंदिर प्रशासन और पुलिस प्रशासन की ओर से दर्शन व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए विशेष प्रबंध किए गए जिससे सभी को सुगम दर्शन संभव हुए।

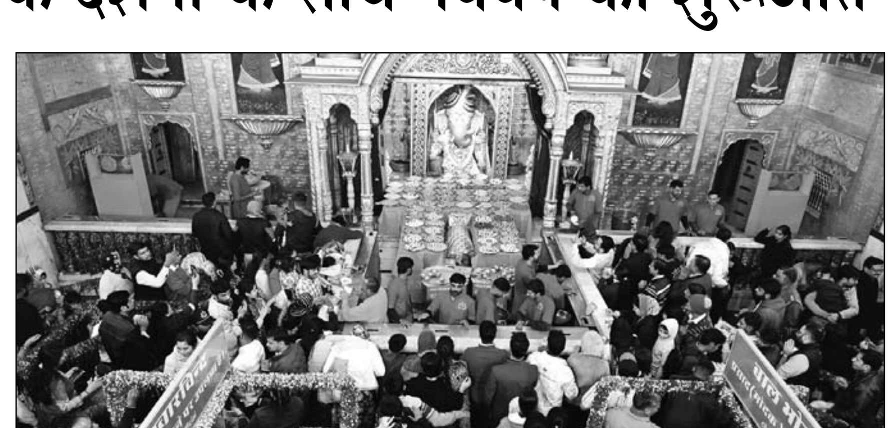

मोतीडूंगरी स्थित गणेश मंदिर में नववर्ष पर आराध्यदेव के दर्शनों के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी।

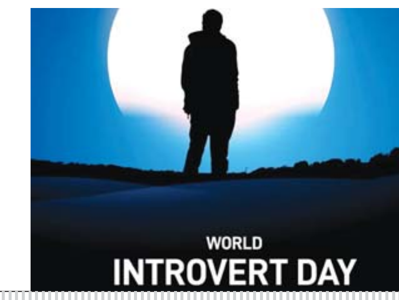

World Introvert Day: Celebrating Quiet Strength

World Introvert Day, observed on January 2, shines a spotlight on the power of solitude, reflection, and inner calm. It's a day that honours those who thrive in quieter spaces, valuing deep conversations over small talk and meaningful connections over crowds. The observance encourages people to understand and appreciate different personality types, promoting balance in a world that often rewards extroversion. Many introverts use the day to recharge, reading, journaling, spending time in nature, or simply enjoying peaceful moments at home. Ultimately, World Introvert Day is a reminder that quiet minds contribute immensely to creativity, empathy, and innovation.

#UNIQUE GARDENING

Using Brown Sugar for Plant Health

Rooting new plants from cuttings can be challenging, but brown sugar and yeast powder offer a natural solution

Brown sugar, a common household ingredient, is not only useful in the kitchen but also has several surprising applications in gardening. When combined with other household ingredients like white vinegar, yeast powder, beer, and garlic, brown sugar can enhance soil health and support plant growth in various ways. From adjusting soil pH to promoting rooting, sprouting, and flowering, these combinations can offer eco-friendly and effective solutions for gardeners.

1. Brown Sugar + White Vinegar for Soil pH Adjustment

Soil pH is crucial for plant health, as it affects nutrient availability and microbial activity. Acid-loving plants, such as blueberries and azaleas, thrive in acidic soils. Brown sugar and white vinegar can be used to lower soil pH indirectly. Vinegar, being acidic, can lower the pH of the soil, while brown sugar provides food for soil microbes, promoting healthy microbial activity and accelerating the breakdown of organic matter.

How to Use

Mix 1 part white vinegar with 2 parts water and add a tablespoon of brown sugar. Water the soil around acid-loving plants with this mixture monthly. This helps maintain acidic conditions and promotes healthy soil life.

2. Brown Sugar + Yeast Powder as a Rooting Agent

Rooting new plants from cuttings can be challenging, but brown sugar and yeast powder offer a natural solution. Brown sugar acts as a food source for yeast, which helps create a favorable environment for root development. The yeast produces carbon dioxide and alcohol, which can stimulate root growth in plant cuttings.

How to Use

To make a rooting solution, dissolve 1 tablespoon of brown sugar and 1 teaspoon of yeast powder in warm water. Soak the cuttings in the solution for 2-3 hours before planting them in the soil. This mixture promotes faster rooting and healthier plants.

3. Brown Sugar + Beer for Encouraging Sprouting

Beer is often used in gardening for its nutrients, including yeast and carbohydrates, which support plant growth. When combined with brown sugar, beer becomes an excellent stimulant for seed germination and sprouting. The yeast and sugars provide energy for the seeds, while the slightly acidic nature of beer creates an optimal environment for sprouting.

How to Use

Mix 1/4 cup of brown sugar with 1 cup of beer and dilute with 2 cups of water. Use this mixture to water your soil before planting or apply it to seedlings to boost sprouting. This solution encourages faster germination and stronger growth.

4. Brown Sugar + Garlic for Flowering

Garlic is known for its antifungal properties, while brown sugar serves as a nutrient source for beneficial microbes. When combined, they help plants develop strong root systems, fight fungal infections, and support flowering. This mixture is especially beneficial for flowering plants that need extra support to bloom.

How to Use

Crush 2 cloves of garlic and mix them with 1 tablespoon of brown sugar and 2 cups of water. Let the solution sit for 24 hours, then strain it. Water flowering plants with this mixture weekly to promote healthy blooms and prevent fungal diseases that could hinder flowering.

An Efficient Or A 'Good' Doctor!

Each month, she would receive the medicines. They all came in similar orange bottles. The number varied and she could not read the label. Her solution was to open them all up and tip them into a large cooking bowl. Then, she would stir them, like mixing ingredients in a recipe, so that they were well distributed. Then, each day, she would take an eighth-cup scoop and give them to him to take during the day. This chaotic way of giving medicine, although ingenious, was dangerous!

Dr. Goutam Sen
CTVS Surgeon
Traveller
Storyteller

#DOCTORING

Most medical institutions impart good knowledge and sufficient skills deemed to be necessary to become efficient doctors. Yet, there is a variation amongst those who finally become 'good' doctors. Evidently, there must be something more that is not taught in medical colleges which finally decide who is 'good!' Some habits which are not taught in textbooks are expected to be learnt by emulating teachers. There are other things which the patients demand in their doctors. These somehow have not found place in the curriculum of Medical Colleges and have to be acquired the hard way.

For example, a curious nature or detective-like approach to a patient will often convert 'cases' into 'real people' with whom we can empathise.

"To cure sometimes, to relieve often, to comfort always" is an important dictum in practicing medicine.

Sir Arthur Conan Doyle, in his *Case-Book of Sherlock Holmes* enunciated this dictum:

"When you have eliminated the impossible, whatever remains, however improbable, must be the truth."

Early in my career, I had a 73-year-old patient, Ram Prasad, with confirmed heart failure. He was nearly blind from diabetes, so, his semi-literate equally aged wife was in charge of his medicines.

After thoroughly testing and examining him, I gave him the appropriate prescriptions. However, I continued to have all sorts of problems with his heart failure. Neither did lab reports nor his clinical condition had stabilised.

I just couldn't seem to adjust his medications sufficiently to get him into the stable spot, no matter how often I changed my prescriptions. My team checked regularly that he was getting the correct medications from the pharmacy. So, it was impossible that it was a medication problem at my end. I asked Ram Prasad if he could bring his wife next time, so, I could explore the inconsistency. She came with a bagful of medicines and verified that she had received the supply for the month. All had been explained to her. While she was talking, I noticed that sometimes, she was not quite looking at me in the eye. I went with my intuition and had her read what the labels said on the bottles. She made something up, not willing to confess her inability to read. After some probing, she admitted that her eyesight was deteriorating and she could not see well but didn't want to alert people for fear of having to give up the responsibility for Ram Prasad's care. I then asked her to explain how she gave the medicines each month. Only then did she come clean.

Each month, she would receive the medicines. They all came in similar orange bottles. The number varied and she could not read the label. Her solution was to open them all up and tip them into a large cooking bowl. Then, she would stir them, like mixing ingredients in a recipe, so that they were well distributed. Then, each day, she would take an eighth-cup scoop and give them to him to take during the day. This chaotic way of giving medicine, although ingenious, was dangerous!

And our fix? My nurse obtained a Braille month tablet container and had Ram Prasad bring each month's supply of medicines to the clinic. The nurse would then put the correct daily dose in the container for the next month. After that, his heart failure improved.

Use the mindset of a detective and when your gut instinct tells you something else, there is a likely alternate explanation.

SO DIG DEEPER!

"Intelligence and skill can only function at the peak of their capacity when the body is healthy and strong."

Exercise has been associated with many physical, sleep and physiological benefits (mental and emotional benefits), including relief of tension, improved self-image and better mood, just to name a few.

In your life, you have probably experienced this. The normal rule of effort and return only goes so far. At some point, you can put in much more effort and yet the output is the same. Further on, the output even starts to decrease. This is wisely put by the Chinese idiom, *wu ji bi fan*, which means that things turn into their opposites when they reach the extreme. So, it's important for us to not take things to exhausting end (Burn out!). Remember to regroup, recharge and recover (3Rs). Too much work leads to too much stress, which leads to damage to your body, physically and mentally. So, remember, as a doctor; look after yourself properly, so that in return, you can look after your patients efficiently.

"Listen to your patient; he is telling you the diagnosis."

This means using all your senses and skills. Even after you set your ears, your eyes, your heart, your mind and your intuition, you will need to actively listen to your patient. I recommend you sit and face the patient while listening and note both their verbal and nonverbal language, avoiding any other distraction like perusing old records or medical reports. Give the patient 100% focus. They are more likely to follow your advice if they feel you have listened well to them.

An interesting case is about a man whose implantable loop recorder (that's a subcutaneous continuous electrocardiogram recording device) kept showing runs of ventricular tachycardia (irregular heartbeat) during early morning hours (400 AM to 600 AM) and none during the day. I noticed that he kept breaking my gaze when I was asking him if he was having nightmares or perhaps exercising during these early morning hours. I got the feeling there was more to this story. So, I gently probed. He finally confessed that he was having an affair and those episodes occurred when he was committing the act.

This taught me that an understanding of his nonverbal cues helped to correctly diagnose and manage his problem. Patients are more satisfied and more likely to follow advice if the physician spends an adequate amount of time with the person. It is essential to have a good verbal and nonverbal indirect interpersonal communication and understand the demands of the patient.

NEVER LET A PATIENT LEAVE YOUR CHAMBER WITH THE FEELING THAT ALL HAS NOT BEEN SAID AND HEARD.

"Your work is going to fill a large part of your life and the only way to be truly satisfied is to do what you believe is great work. And the only way to do great work is to love what you do. If you haven't found it yet, keep looking. Don't settle FOR LESS."- Steve Jobs

When I was 9 years old, I was over at my best friend's house. Unknown to me, they had just had their large glass entry doors that lead out to the backyard cleaned. In my eagerness to play outside, I ran right through a glass door, smashing it into pieces lacerating two inches of skin above my right knee. At the local doctor's office, to distract me while suturing, Dr. Chandra Prakash, let me listen to my heart with his stethoscope. This is when I heard the lub-dub for the first time! I was completely fascinated! From that moment, I loved all things medical. I have carried that passion with me. I love my patients, teaching, research and most importantly making a difference.

Such meaningful work, especially that falls at the intersection of one's values, passions and strengths appear to be the key for healthcare professionals to give their best. Additionally, those who are passionate about their work are less likely to burn out.

"A good physician treats the disease. The great physician treats the patient who has the disease." -Sir William Osler

Sita was born in 1971. When she was 7 years old, she was hopeless at school, underperforming, frequently late and often fidgeting. She was rarely able to concentrate for long periods of time.

The teachers suspected that she had a learning disorder. So, they recommended her mother to take her to see a doctor. While Sita sat, he noticed that her hands and feet were moving in rhythm with the slow music in the chamber. After observing Sita and hearing everything her mother said, the doctor told Sita that he needed to talk to her mother privately for a moment outside. Just before he left his office, he turned up the volume of the music in the office and then walked out. A minute later, he encouraged the mother to look at Sita, through the small glass window on the door. She was dancing uninhibitedly to the music. The doctor surmised: "There is nothing wrong with your daughter; she is a natural dancer." He went on to encourage Sita's mother to take her to a dance school, which she did. Sita went on to become a nationally renowned Kathak Dancer.

A less careful physician could have simply given her some medication or told her mother that she would be a poor student. The great physician, as in this case, observed and treated the whole patient. That, in turn, helped the young girl to achieve amazing things.

Holistic medicine, which seeks to address the psychological, familial, societal, ethical and spiritual as well as biological dimensions of health and illness, may indeed help some patients to manage their illness and heal. It takes genuine caring, kindness and compassion to connect with patients and heal them.

"People will forget what you said, people will forget what you did, but they will never forget how you made them feel."

Empathy plays a critical role in the physician-patient relationship and has a positive impact on health outcomes. The good news is that empathy can be taught. The bad news is that physicians are not good at practicing it.

Cognitive empathy (empathic accuracy) is the ability to understand what a person might be thinking. Emotional empathy (affective empathy) is the ability to share the feelings of another person. Compassionate empathy (empathic concern) is the ability to take action and help however we can. This triad is important in optimising the physician-patient relationship.

> A 9-year-old girl with blood-stained clothing was rushed in on a gurney. After 45 minutes of sustained Cardio-pulmonary Resuscitation (CPR), we declared her dead. Then came the impossibly horrible part of going to meet with the parents! I still remember the parents' look of absolute disbelief and utter pain. The worst part was they had bought the girl a new bike and she had gone for her first ride on the street when she was hit by a drunk driver. This was my first brush with the death of a child and it was hard for me.

Rehearse with yourself by asking yourself:

1. What would you think?
2. How would you feel?
3. What would you like someone to do for you?

It can be difficult putting yourself in someone's shoes, but do your best to connect verbally and nonverbally. Speak slowly, be curious, find out things you have in common and listen actively. Share and always be supportive.

So, the key takeaways are: Attention to detail; Always have a plan B, in case a problem occurs.

You go in with a plan A, but things change rapidly and you need to have a backup plan or plan B. Everything we do or say, or fail to do or say, has consequences. Finally, not all patients behave or respond equally.

"It's not the strongest of a species that survive, nor the most intelligent, but the ones most resilient and responsive to change."- Charles Darwin

It was Diwali and I was a newly minted intern working the day shift in the emergency department. There were decorations and soft music. The nurses were in a festive mood.

Suddenly, the entry doors from the ambulance bay burst open: A 9-year-old girl with blood-stained clothing was rushed in on a gurney. After 45 minutes of sustained Cardio-pulmonary Resuscitation (CPR), we declared her dead. Then came the impossibly horrible part of going to meet with the parents! I still remember the parents' look of absolute disbelief and utter pain. The worst part was they had bought the girl a new bike and she had gone for her first ride on the street when she was hit by a drunk driver.

This was my first brush with the death of a child and it was hard for me. I remember my attending physician putting his arm around me and saying, "this goes with the territory."

Resilience is necessary to survive the frequent exposure to illness and death that doctors face. You will need to take a step back and stay emotionally strong, knowing that you've done your best and need to move onto the next patient. Without resilience, the emotional burden that comes with such illness is drastic. Death is just too heavy for most people to shoulder and they burn out. I have found that a stoic attitude as well as a strong social support network helps a lot. In addition, cognitive reframing, toughening up, grounding connections and work-life balance are essential.

RESILIENCE BUILDS STRATEGIES

The Buck stops with you. "I am not a product of my circumstances. I am a product of my decisions."

Although there are many players in the current healthcare system, as a doctor, you will be the one that everyone else is looking up to, for a decision. If you have not already, you will encounter critical moments where every minute counts. During such situations, you will need a quick mind, extreme calmness, and most important of all, decisiveness.

Know that making no decision is a decision itself and has its consequences. Daring to decide during those critical moments may save a life.

I do not doubt that you will experience a sense of accomplishment and fulfillment from your daily work, but I'm afraid you will also experience frustrations and disappointments. During those moments of disappointments, remember, "You drown not by falling into the river, but by staying submerged in it."

And when one day, you are tired of all the routines as a doctor, remember John Rockefeller's words: "The secret of success is to do the common things uncommonly well."

I would like to think that you, as a doctor, are inspired by your life-saving mission in medicine. If you are spending your life chasing coin, you will miss out on counting your stars: the lives you have improved and saved already and the thousands of lives you are yet to touch. In other words, when you truly follow your passion as a physician, then, money and fame will be a by-product of your efforts. But if you chase money and fame in the first place, then, the true joy of being a doctor will elude you. It will be drudgery.

It's often the small gesture or little things said by the great physician that makes a big difference. Applying some of these tips will help you enhance your patient care and brighten your starry sky.

rajeshsharma1049@gmail.com

#HEAVENLY BEING OF BLISS

Kangiten and Lord Ganesha

The Shared Legacy of the Elephant-Headed Deity

Across Asia, few divine figures are as beloved or as symbolically rich as the elephant-headed god. In India, he is known as Lord Ganesha, the remover of obstacles and the patron of wisdom, prosperity, and beginnings. In Japan, he is venerated as Kangiten, the 'Deity of Joy.' Though they appear in different religious traditions, these two figures are in fact deeply connected. Kangiten is the Japanese Buddhist form of Lord Ganesha, adapted and transformed through centuries of spiritual exchange between India and Japan.

The Journey from India to Japan

The story of Kangiten begins in ancient India. As Hinduism and Buddhism developed side by side, certain deities crossed religious boundaries. One such deity was Ganesha, also known in Sanskrit texts as Vinayaka. Early Buddhist scriptures in India occasionally mention Vinayaka, sometimes as a mischievous spirit who placed obstacles in people's paths, and later as a protector who helped remove them.

When Buddhism spread eastward, first to Tibet and China and eventually to Japan, it carried with it a wide range of gods and symbols. Along this route, Ganesha's image transformed. In China, he was known as Vinayaka Tian. When these teachings reached Japan during the Heian period (8th-9th century CE), the deity was incorporated into Esoteric Buddhism and became known as Kangiten, literally, 'Heavenly Being of Bliss.'

Thus, Kangiten represents a Japanese Buddhist reinterpretation of Lord Ganesha, maintaining his elephant head and benevolent nature, but gaining new layers of meaning within Buddhist philosophy.

Shared Iconography and Symbolism

Both Ganesha and Kangiten are elephant-headed deities representing joy, wisdom, and the power to overcome obstacles. Yet, the way they are depicted and worshipped reveals the subtle ways in which the same idea was adapted to different cultures.

Physical Appearance

- Lord Ganesha is typically shown with a single elephant head, a large belly, and four arms holding symbolic objects such as a lotus, a rope, sweets (modak), and an axe.
- Kangiten, on the other hand, is most often depicted as a pair of elephant-headed figures embracing each other, one male and one female. This form is called Soshin Kangiten, meaning 'the dual-bodied deity of joy.' Their embrace symbolizes the union of wisdom and compassion, or the harmony between opposing forces in the universe.

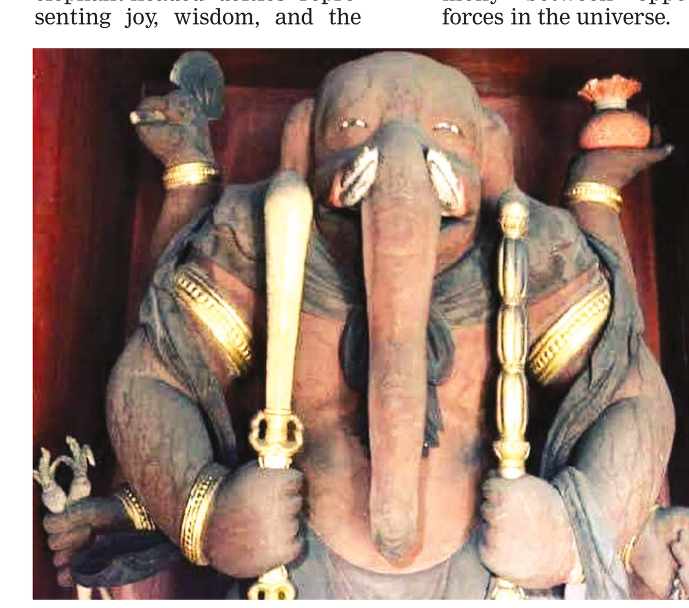

From Public Celebration to Secret Devotion

One of the most striking differences between the two deities lies in the manner of worship.

In India: Ganesha's Public Presence

Lord Ganesha is among the most openly and joyfully worshipped deities in Hinduism. His festival, Ganesh Chaturthi, transforms entire cities into centers of music, light, and devotion. People install large idols, offer sweets, and pray for good fortune and success. Ganesha's image is visible everywhere, from temples to street shrines and homes.

In Japan: Kangiten's Secrecy

Kangiten, by contrast, is often called the 'Hidden God.' His statues are typically kept concealed in temple sanctuaries and are rarely displayed to the public. This secrecy reflects the esoteric (hidden) nature of Shingon and Tendai Buddhism, where divine truth is revealed only through initiation and meditation.

Worship of Kangiten is private and symbolic. Devotees offer radishes, fruits, or sweet rice wine (amazake) at his altar to seek blessings for happiness, harmony, and protection. The secrecy surrounding Kangiten's image adds to his aura of mysticism, suggesting that true joy and enlightenment are not external but found within.

Continuing Legacy

Even today, both deities inspire millions. In India, Ganesha continues to be the most worshipped god, symbolizing good fortune and new beginnings. In Japan, Kangiten remains a protector of merchants, artists, and couples, often invoked for success in both worldly and spiritual matters.

Though the Statue of Kangiten is rarely seen, his influence in temples across Kyoto, Tokyo, and Osaka endures. Each prayer offered to Kangiten is, in essence, a continuation of the same ancient devotion that once began with Lord Ganesha in India.

THE WALL

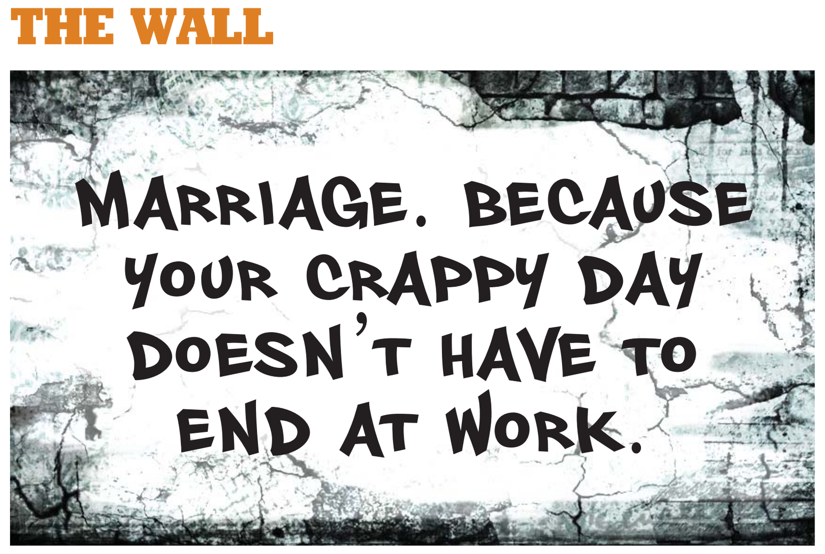

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

माण्डलगढ़ में ट्रेलर व कार की टक्कर में चार जनों की मौत, एक गंभीर घायल

कार में सवार हंसते-खेलते तीन परिवारों की नये साल की खुशियां मातम में बदली

माण्डलगढ़, (निसं)। माण्डलगढ़-भीलवाड़ा नेशनल हाईवे 758 पर बीगोद के पास यश पावन तीर्थ धाम के सामने गुरूवार सुबह नए साल के पहले दिन ट्रेलर और इको कार में भीषण टक्कर हो गई। सड़क हादसे में चार जनों की मौत हो गई और एक गम्भीर रूप से घायल हो गई। कार में सवार हंसते-खेलते तीन परिवारों की नये साल की खुशियां मातम में तब्दील हो गई।

जानकारी के अनुसार बीगोद से भीलवाड़ा मार्ग पर यश पावन तीर्थ धाम के सामने बीगोद से सवाईपुर की ओर एक तेज रफ्तार ट्रेलर ने भीलवाड़ा की ओर से आ रही इको कार को जोरदार टक्कर मार दी। घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद जिला चिकित्सालय रेफर किया गया है। हादसे में दो जनों की मौके पर ही मौत हो गई और 2 गम्भीर घायल की जिला चिकित्सालय उपचार के दौरान में मौत हो गई। सूचना पर बीगोद थाना पुलिस मौके पर पहुंची। मौक़े पर आसपास के ग्रामीणों ने पहुंच कर राहत एवं बचाव कार्य मे पुलिस का सहयोग किया।

बीगोद थाना प्रभारी जय सुल्तान ने बताया कि भीलवाड़ा रोड़ पर यश पावन तीर्थ धाम के सामने गुरुवार

माण्डलगढ़-भीलवाड़ा हाइवे सड़क पर बीगोद के पास ट्रेलर की टक्कर से कार क्षतिग्रस्त हो गई।

सुबह बीगोद से भीलवाड़ा की तरफ जा रहे एक तेज रफ्तार ट्रेलर की बीगोद की तरफ आ रही इको कार से आमने-सामने की जबरदस्त टक्कर हो गई, टक्कर इतनी जबरदस्त हुई कि इको कार बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। कार सवार में मासा व भाणेज की मौके पर ही मौत हो गई, घायलों को बीगोद सामुदायिक चिकित्सालय में प्राथमिक उपचार के बाद जिला चिकित्सालय रेफर किया, जहां उपचार के दौरान चालक और एक महिला ने भी दम तोड़ दिया। हादसे के बाद कुछ देर तक हाइवे सड़क के दोनों तरफ जाम के हालात बन गए, जिनको मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने बड़ी मशक्कत के बाद यातायात सुचारु किया। वहीं दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को हाईवे से हटाकर थाने लाकर खड़ा किया, घायलों में मेजा गांव निवासी घणिया (26) पत्नी भागचंद धोबी की उपचार के दौरान मौत हो गई। इसकी तीन वर्षीय पुत्री मनु पुत्री भागचंद धोबी का जिला अस्पताल में उपचार जारी है। मृतकों में कारोई निवासी मासा नारायण (30) पिता बरदू धोबी, चालक भानु प्रताप सिंह (22) पिता भंवर सिंह व मेजा निवासी भाणेज कुशवंत पिता भागचंद के नवजात शिशु की मौत हो गई। प्रथमदृष्टया ट्रेलर का ओवरटेक करने की वजह मानी जा रही है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार

- बीगोद से भीलवाड़ा मार्ग पर यश पावन तीर्थ धाम के सामने हुआ भीषण हादसा

घणीया धोबी जो अहमदाबाद में रहती जो नए साल पर अपने गांव आई थी। भीलवाड़ा से अपने जीजा नारायण के साथ बच्चों को लेकर पीहर मांडलगढ़ जा रही थी, इसी दौरान ये हादसा हो गया। पुलिस दुर्घटना के कारणों का पता लगाने का प्रयास कर रही है। यश पावन धाम क्षेत्र के आसपास नेशनल हाईवे पर साल में आए दिन हो रहे हादसों में कइयों की जान चली गई है और कई घायल भी हुए हैं। बीगोद ओर आसपास के लोगों द्वारा लाडपुरा-भीलवाड़ा नेशनल हाईवे के अधिकारियों व प्रशासन से स्पीड ब्रेकर बनाने की पुरजोर मांग लम्बे वक्त से की जा रही है, लेकिन आज दिन तक स्पीड ब्रेकर नहीं बने, अगर यहां पर स्पीड ब्रेकर होते तो इतने हादसे नहीं होते। बीगोद कस्बे वासियों ने स्पीड ब्रेकर नहीं बनने पर रोष प्रकट करते हुए बताया कि 7 दिन में अगर स्पीड ब्रेकर नहीं बने तो पूरा कस्बा बंद रखा जाएगा, जिसकी समस्त जिम्मेदारी एनएचएआई प्रशासन की होगी।

अजय उर्फ दीपू बावरिया ने रची थी फायरिंग की झूठी कहानी

सूरजगढ़, (निसं)। थाना इलाके के काकोड़ा गांव में 28 दिसंबर को फायरिंग की घटना की कहानी जो बताई गई थी, वो झूठी निकली। पुलिस ने तीन दिन की कड़ी मशक्कत के बाद ना केवल सच की पड़ताल कर ली, बल्कि फायरिंग की शिकायत करने वाले को

- फायरिंग की शिकायत करने वाले को ही अवैध हथियार के मामले में गिरफ्तार किया

ही अवैध हथियार के मामले में गिरफ्तार कर लिया।

सीआई रणजीत सेवदा ने बताया कि 28 दिसंबर को काकोड़ा निवासी 23 वर्षीय अजय उर्फ दीपू पुत्र राजकुमार उर्फ सत्यवीर बावरिया के हाथ में गोली लगने से घायल होने की सूचना दी। इस मामले में अज्ञात दो युवकों पर फायरिंग का आरोप लगाते हुए घायल अजय उर्फ दीपू ने रिपोर्ट दी थी। दो दिन तक बीडीके अस्पताल में इलाज के बाद जब 31 दिसंबर को सूरजगढ़ पुलिस ने अजय उर्फ दीपू से पूछताछ की तो पूरी कहानी झूठी निकली। पूछताछ में अजय ऊर्फ दीपू ने बताया कि वह करीब दो साल से मध्यप्रदेश की एक लड़की से इंस्टाग्राम

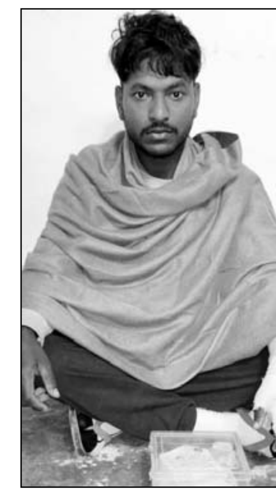

गिरफ्तार आरोपी

के जरिए संपर्क था और दोनों एक-दूसरे को प्यार करते थे, लेकिन दो महीने पहले उसने किसी दूसरे लड़के से शादी कर ली और अजय उर्फ दीपू को भी ब्लॉक कर दिया। तभी से अजय उर्फ दीपू टेंशन था। पहले पत्नी से तलाक और इसके बाद प्रेमिका से बेवफाई अजय उर्फ दीपू को तनाव में ले गई, इसलिए अजय उर्फ दीपू अपने कमरे में ही बैठकर सुसाइड करने का प्लान बना रहा था। 28 दिसंबर को भी वह सुसाइड करने के लिए अवैध देशी कट्टे को लोड करके सुसाइड करना चाह रहा था कि लोड करते वक्त गोली चल गई, जो अजय उर्फ दीपू के बाएं हाथ में लग गई थी, जिसके बाद अजय उर्फ दीपू ने देशी कट्टा और आठ जिंदा कारतूस तो प्लास्टिक की थैली में डालकर छुपा दिए और उसके हाथ में ज्यादा दर्द होने लगा तो उसने एम्बुलेंस को फोन किया। एंबुलेंस उसके घर आई और उसे अस्पताल ले गई। अजय उर्फ दीपू ने पुलिस को चकमा देने के लिए पुलिस व डॉक्टर को दो लड़कों द्वारा उसके ऊपर फायर करना बताया था। पुलिस ने अजय उर्फ दीपू की निशानदेही पर उसके घर के पास में स्थित ट्यूबवैल पर बिजली के पोल के पास रखे स्टार्टर के नीचे से एक प्लास्टिक की थैली निकाल कर थैली में से एक हथियार व आठ जिंदा कारतूस बरामद कर लिए हैं।

पुलिस ने अजय उर्फ दीपू के कब्जे में मिले हथियार बाबत लाइसेंस-अनूज्ञापत्र पूछा तो अपने पास में कोई लाइसेंस-अनुज्ञापत्र नहीं होना बताया। जिस पर एक अवैध देशी कट्टा व 8 जिंदा कारतूस जब्त किया जाकर मुलजिम अजय ऊर्फ दीपू को गिरफ्तार किया गया। आरोपी के विरूद्ध प्रकरण दर्ज किया जाकर अवैध हथियार व कारतूसों के बारे मे गहन अनुसंधान किया जा रहा है। पुलिस ने आरोपी को कोर्ट में पेश किया है, जहां से उसे एक दिन के पुलिस रिमांड पर भेजा है। पुलिस हथियार लाने को लेकर भी पूछताछ करेगी।

खारियाबास गांव में मकान पर आकाशीय बिजली गिरी, लाखों का नुकसान

घर में मौत होने पर बैठक चल रही थी, तभी आकाशीय बिजली गिर गई

सादुलपुर, (निसं)। हमीरवास थाने की सांखू चौकी के गांव खारियावास में बुधवार व गुरूवार देर रात मृतक ओमप्रकाश पुत्र लिछमणराम जाखड के घर पर गमगीन माहौल में आकाशीय बिजली गिरने से मकान क्षतिग्रस्त हो गया तथा घर में लगे सभी विद्युत उपकरण जल गये। घटना में लाखों रुपए का नुकसान हुआ है। जानकारी के अनुसार 55 वर्षीय ओमप्रकाश पुत्र लिछमण राम जाखड़ की 24 दिसम्बर को मौत हो गई थी, जिनके घर पर बैठक चल रही है, तभी आकाशीय बिजली

- गनीमत रही कि घर में पास बैठे करीब एक दर्जन लोग बाल-बाल बच गए
- आकाशीय बिजली गिरने से घर में लगे विद्युत उपकरण जले, मकान में आई दरारें

गिर गई। मगर गनीमत रही कि घर में पास बैठे करीब एक दर्जन लोग बाल-बाल बच गए। यह घटना 31 दिसंबर की रात लगभग 11 बजे के आसपास होना बताया जा रहा है।

ग्रामीण तेजपाल जाखड़, नरेन्द्र भारतीय व प्रदीप जाखड़ ने बताया कि गांव खारियाबास निवासी ओमप्रकाश जाखड़ (55) का 8-9 दिन पूर्व निधन हो गया था। उनके निधन के बाद शोक स्वरूप गांव के लोग राजेश पुत्र ओमप्रकाश जाखड़ के घर के पास बैठे हुए थे। इसी दौरान बूंदाबांदी के साथ हल्की बारिश शुरू हुई और अचानक तेज धमाके के साथ आकाशीय बिजली गिर गई। बिजली सीधे ओमप्रकाश जाखड़ के घर पर गिरी, जिससे मकान में दरारें आ गईं। घर में लगे विद्युत उपकरण जल गए। इनमें फ्रिज, कूलर, मोबाइल फोन, बोरिंग की मोटर सहित अन्य बिजली का सामान और फिटिंग शामिल हैं। पीड़ित परिवार के अनुसार, इस घटना में लाखों रूपये का नुकसान हो गया। पड़ोस के घर में दाताराम के घर का इन्वर्टर भी जल गया। घटना के बाद ग्रामीणों ने प्रशासन से पीड़ित परिवार को मुआवजा देने की मांग की है।

भरतपुर में मावठ से सर्दी बढ़ी

भरतपुर, (निसं)। प्रदेश में सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से भरतपुर में मौसम ने अचानक करवट ले ली है। भरतपुर के विभिन्न इलाकों में सुबह से ही ठंडी हवाओं के साथ हल्की बूंदाबांदी और मावठ का दौर जारी है, जिससे तापमान में गिरावट दर्ज की गई है और ठंड का असर तेज हो गया है। भरतपुर में सुबह से ही मावठ पड़ने के कारण ठंड में इजाफा देखने को मिला। ठंडी हवाओं के चलने से सर्दी का असर ज्यादा महसूस किया जा रहा है। मौसम के बदले मिजाज के चलते लोग दिन में भी अलाव जलाकर ठंड से बचाव करते नजर आए। लोग बारिश से बचने के लिए छाता लेकर बाहर निकलते दिखाई दिए, वहीं सर्दी बढ़ने के कारण लोग घरों से बाहर निकलने में भी परहेज कर रहे हैं। ठंड बढ़ने से जनजीवन प्रभावित हुआ है और लोग गर्म कपड़ों का सहारा ले रहे हैं।

नये साल पर यातायात नियम तोड़ने वालों को पुलिस ने माला पहनाई

अलवर, (निसं)। अलवर शहर के भगत सिंह सर्किल पर नए साल के मौके पर पुलिस ने यातायात नियमों की अनदेखी करने वालों को समझाने के लिए एक अनोखा तरीका अपनाया। बिना हेलमेट वाहन चला रहे और ट्रैफिक नियमों का पालन नहीं करने वाले बाइक चालकों को रोककर पुलिस ने न तो सख्ती दिखाई और न ही डांटा, बल्कि उन्हें माला पहनाकर चॉकलेट दी और नए साल की बधाई दी।

इस अभियान के दौरान खुद एडिशनल एसपी गोपीनाथ शरण कांबले मौके पर मौजूद रहे। उन्होंने बिना हेलमेट वाहन चला रहे चालकों से हाथ मिलाया, माला पहनाई और चॉकलेट देकर यह संदेश दिया कि वे ट्रैफिक नियमों की पालना नहीं कर रहे हैं। पुलिस ने इस पूरी कार्रवाई का वीडियो भी बनवाया। एक मौके पर बाइक पर सवार युवक-युवती को रोका गया, जिनके हाथ में हेलमेट था, लेकिन सिर पर नहीं पहना हुआ था। पुलिस ने उनसे पूछा कि हेलमेट सिर पर क्यों नहीं लगाया गया। इसके बाद उन्हें भी माला पहनाकर नए साल की शुभकामनाएं दी गईं।

अलवर शहर में पुलिस ने यातायात नियमों की अनदेखी करने वालों को समझाने के लिए अनोखा तरीका अपनाया।

एडिशनल एसपी गोपीनाथ शरण कांबले ने बताया कि पिछले कई दिनों से पुलिस लगातार अभियान चलाकर बिना हेलमेट वाहन चलाने वालों, मॉडिफाइड वाहनों और तेज आवाज वाले साइलेंसर लगी बुलेट बाइकों पर कार्रवाई कर रही है। इसके बावजूद लोग यातायात नियमों का पालन नहीं कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि नए साल के मौके पर लोगों को समझाने के लिए यह नया तरीका अपनाया गया है, ताकि लोग खुद शर्म महसूस कर नियमों की पालना करने लगें। लगातार हो रही सड़क दुर्घटनाओं में लोगों की जान जा रही है, इसी को देखते हुए पुलिस नए-नए तरीकों से जागरूक करने का प्रयास कर रही है। इस दौरान नियम तोड़ने वालों को चॉकलेट और माला पहनाने के साथ-साथ नियमानुसार चालान भी काटे गए।

पाक घुसपैठिये को पकड़ा

जैसलमेर, (निसं)। जिले में सीमा सुरक्षा बल ने घुसपैठ कर रहे पाकिस्तानी नागरिक को पकड़ा है। जिले के नाचना क्षेत्र में बुधवार शाम करीब

- सीमा सुरक्षा बल की 72वीं बटालियन ने कार्रवाई की

आठ बजे सीमा सुरक्षा बल की 72वीं बटालियन के जवान गश्त पर थे। इसी दौरान हल्के कोहरे के बीच सीमा पार से एक युवक को भारतीय क्षेत्र की ओर आते देखा। जवानों ने सतर्कता बरतते हुए तुरंत घेराबंदी की। जैसे ही संदिग्ध युवक भारतीय सीमा के भीतर दाखिल हुआ, सीमा सुरक्षा बल के जवानों ने तारबंदी के पास उसे हिरासत में ले लिया। फिलहाल खुफिया एजेंसियां और सीमा सुरक्षा बल के अधिकारी उससे गहन पूछताछ कर रहे हैं। पाकिस्तानी घुसपैठिए के जासूस होने का शक है।

'झुंझुनूं मांगे रेलवे जंक्शन जन संघर्ष अभियान' का आग़ाज़

झुंझुनूं, (निसं)। शेखावाटी रेल विकास संघर्ष समिति के 'झुंझुनूं मांगे रेलवे जंक्शन जन संघर्ष अभियान' का गुरुवार को झुंझुनूं रेलवे स्टेशन पर स्टेशन अधीक्षक कैलाशचंद्र सोनी को रेलमंत्री, जीएम व डीआरएम के नाम ज्ञापन सौंपकर भव्य आगाज हुआ। कड़कड़ाती सर्दी के बावजूद बड़ी संख्या में लोग कार्यक्रम में आए।

समिति के अध्यक्ष प्रदीप अग्रवाल ने बताया कि ज्ञापन की 25 सूत्री मांगों में मुख्य रूप से झुंझुनूं स्टेशन को बिसाऊ, मंडावा, खेतड़ी, सादुलपुर, उदयपुरवाटी, नीमकाथाना, सालासर, लोहार्गल व शाकंभरी से नई रेल लाइनें बिछाकर जोड़ने की मांग के साथ ही झुंझुनूं से होकर दिल्ली, हरिद्वार, अहमदाबाद, सूरत, पुणे, मुंबई, कोलकाता, गोवाहाटी, वैष्णो देवी

शेखावाटी रेल विकास संघर्ष समिति ने रेलमंत्री, जीएम व डीआरएम के नाम ज्ञापन सौंपे।

कटरा, जोधपुर, उदयपुर सिटी एवं श्रीगंगानगर के लिए नई रेल सेवाएं शुरू करने की मांग की गई है। कार्यक्रम में समिति अध्यक्ष प्रदीप अग्रवाल, महासचिव डॉ. मनोज सिंह, रिटायर्ड स्टेशन अधीक्षक अनवर हुसैन भीमसर, अग्रवाल समाज समिति के अध्यक्ष गणेश कुमार हलवाई, लॉयंस क्लब के अध्यक्ष डॉ. देवेंद्र सिंह शेखावत, सचिव कृष्ण गोपाल गुप्ता, वैश्य सेना के उपाध्यक्ष रघुनाथ प्रसाद पोद्दार, भारत विकास परिषद् के अध्यक्ष जिम्मी मोदी, भामाशाह विश्वनाथ टीबड़ा, शिक्षाविद् डॉ. शशि मोरोलिया, मुस्लिम न्याय मंच के संयोजक इमरान बड़गुर्जर, अलकुरेश वेलफेयर सोसायटी के अध्यक्ष मोहम्मद मोहसिन कुरैशी, जयराज जांगिड़, संजय बिलोटिया, अनिल शर्मा, विनोद खन्ना, मनीष बगड़िया, सुरेंद्र अग्रवाल, भजन गायकार रवि तुलस्यान, मनीष अग्रवाल, शिवचरण पुरोहित, फैयाज अली खान नूआं, श्रवण कुमार गोयनका, भोपाल सिंह पटवारी, विनोद कुमार पुजारी, इकबाल खान सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

सोशल ऑडिट की ग्राम सभाओं में औपचारिकता पर लोकपाल सख्त

जालोर, (कासं)। जिले में मनरेगा एवं प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत होने वाले सोशल ऑडिट की ग्राम सभाओं में औपचारिकता हावी रहने की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए लोकपाल ने कडा रुख अपनाया है।

लोकपाल नैनसिंह शंखवाली ने बताया कि जिले के सभी कार्यक्रम अधिकारियों को निर्देश जारी किए हैं, ताकि सोशल ऑडिट की प्रक्रिया को प्रभावी, पारदर्शी और जनभागीदारी युक्त बनाया जा सके। इसके साथ ही ग्राम विकास अधिकारियों (वीडीओ) को भी स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि वे सोशल ऑडिट की ग्राम सभा की सूचना ग्राम पंचायत के प्रमुख सार्वजनिक स्थलों पर अनिवार्य रूप से चस्पा करें। इसमें पंचायत भवन, आंगनबाड़ी केंद्र, विद्यालय, राशन की दुकान एवं अन्य प्रमुख स्थान शामिल होंगे, ताकि अधिक से अधिक ग्रामीणों को समय रहते सूचना मिल सके। लोकपाल ने कहा कि सोशल ऑडिट केवल औपचारिक प्रक्रिया न रहकर जनसुनवाई का सशक्त माध्यम बने। इससे मनरेगा एवं प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत हुए कार्यो की वास्तविक स्थिति सामने आएगी और किसी भी प्रकार की अनियमितता पर समय रहते कार्रवाई सुनिश्चित की जा सकेगी। साथ ही, इससे संबंधित अधिकारियों, कार्मिकों एवं जनप्रतिनिधियों की जवाबदेही भी तय होगी। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि सोशल ऑडिट में लापरवाही या निर्देशों की अवहेलना करने वाले अधिकारियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। लोकपाल के इस कदम से जिले में सोशल ऑडिट की गुणवत्ता में सुधार आने और ग्रामीणों की सहभागिता बढने की उम्मीद जताई जा रही है। लोकपाल जालोर नैनसिंह राजपुरोहित ने बताया कि सोशल ऑडिट की ग्राम सभाओं में औपचारिकता हावी रहने की बात संज्ञान में आई है। सोशल ऑडिट की प्रक्रिया को प्रभावी, पारदर्शी और जनभागीदारीयुक्त बनाने के लिए ग्राम सभा में अधिकाधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित हो।

सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने पर सर्व समाज में आक्रोश

राजलदेसर, (निसं)। राजलदेसर में गुरुवार को भीम आर्मी, मेघवाल महासभा, कामगार समाज, अजाक, किसान सभा व सर्व समाज ने सोशल मीडिया पर अनुसूचित जाति, डॉ. भीमराव अंबेडकर पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने पर आरोपी को गिरफ्तार करने की मांग को लेकर पुलिस थाने के बाहर जमकर प्रदर्शन किया।

- अनुसूचित जाति व डॉ. अंबेडकर पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने का मामला

एफआईआर दर्ज नहीं होने के कारण लोगों ने पुलिस के खिलाफ भी नारेबाजी की।

किसान सभा के तहसील अध्यक्ष भादर भामू ने कहा कि गत दिनों राजलदेसर के ही एक व्यक्ति ने एक नेता की फ़ोटो पर कालिख पोतकर पोस्ट की तो सब जगह एफआईआर दर्ज हो गई, लेकिन जब बाबा साहेब भीमराव

राजलदेसर में सर्व समाज ने मांगों को लेकर प्रदर्शन किया।

अंबेडकर का अपमान किया तो एफआईआर दर्ज करने में तकलीफ क्यों हो रही है। हालांकि आरोपी को गिरफ्तार करने लेकर लोगों ने तीन दिन का पुलिस को अल्टीमेट दिया है।

जानकारी के अनुसार करतार सिंह पुत्र पृथ्वी सिंह राजपूत निवासी वार्ड नं. 8, जान्दवा तहसील रतनगढ़ ने अपने डिजिटल प्लेटफार्म इंस्टाग्राम पर अपनी आईडी से लाइव आकर भारत रत्न डॉ. भीमराव अम्बेडकर पर विवादित बयान बोल अनुसूचित जाति के सम्पूर्ण समुदाय को आपत्तिजनक व अश्लील गालियां निकाली। इस प्रकार ऑन रिकॉर्ड डॉ. भीमराव अम्बेडकर साहेब को व अनुसूचित जाति के सम्पूर्ण समुदाय को गालियां देने से समुदाय में भारी रोष व्याप्त है। इस मौके पर भीम आर्मी के तहसील अध्यक्ष श्रवण बारूपाल, मेघवाल महासभा के तहसील अध्यक्ष कालूराम तंवर, कामगार समाज के अध्यक्ष जयचंद महावर, भाजपा जिला प्रवक्ता पवन बोथरा, पार्षद पवन प्रजापत, आरएलपी के रतनलाल बिजानिया, अजाक संगठन के अध्यक्ष नर्सिंग कर्मचारी चेनरूप भाटिया, आलसर सरपंच भानीराम मेघवाल, कामगार समाज के सचिव लालचंद प्रजापत, पार्षद मिर्जा राम मेघवाल, किशोर कामड़, दिलीप रैगर, कालूराम मेघवाल सहित सैकड़ों संख्या में व्यक्ति मौजूद रहे।

अलवर कलैक्टर ने रैन बसेरे व अन्नपूर्णा रसोई का औचक निरीक्षण किया

अलवर, (निसं)। जिला कलैक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला ने अलवर शहर के केडलगंज स्थित रैन बसेरे एवं अन्नपूर्णा रसोई की व्यवस्था का औचक निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिये।

अन्नपूर्णा रसोई व रैन बसेरा का औचक निरीक्षण करने के लिए पहुंची जिला कलैक्टर ने केडलगंड स्थित रैन बसेरे का निरीक्षण कर नगर निगम आयुक्त को निर्देशित किया कि सर्दी के मौसम को दृष्टिगत रखते

- केडलगंज रैन बसेरे के पास अन्नपूर्णा रसोई का निरीक्षण कर भोजन की गुणवत्ता जांची

आवश्यकता अनुसार कम्बल, बिस्तर आदि की व्यवस्था सुनिश्चित करें। साथ ही निर्देश दिये कि नए साल पर तुरंत रेन बसेरे में नई बाल्टी, मग्गा व साबुन की व्यवस्था सुनिश्चित कर इसकी फोटो भिजवाएं। जिला कलैक्टर ने अधिकारी को निर्देश दिये कि सम्पूर्ण

अलवर केडलगज स्थित रैन बसेरे में आराम करते मिले लोगों से जिला कलैक्टर डॉ. अर्तिका शुक्ला ने फीडबैक लिया।

रैन बसेरे के साथ शौचालय की साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखा जावे। उन्होंने निरीक्षण के दौरान रैन बसेरे में आराम कर रहे व्यक्तियों से व्यवस्थाओं का भी फीडबैक लिया तो आराम कर रहे लोगों ने व्यवस्थाओं को अच्छा बताया। जिला कलैक्टर ने वहाँ मौजूद लोगों को नए साल की शुभकामनाएं भी दी। इसके उपरान्त जिला कलैक्टर ने केडलगंज रैन बसेरे के पास अन्नपूर्णा रसोई का निरीक्षण कर भोजन की गुणवत्ता बनाए रखने एवं साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिये।कलैक्टर ने वहां भोजन कर रहे व्यक्तियों से भोजन की गुणवत्ता की जानकारी ली। इस दौरान नगर निगम आयुक्त सोहन सिंह नरूका सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

संक्षिप्त

संगीतमय णमोकार महामंत्र का जाप

निवाई। जैन धर्म एवं जैन समाज की प्रभावना के लिए जैन समाज के तत्वावधान में आचार्य वर्धमान सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में सन्त निवास नसियां जैन मंदिर पर संगीतमय णमोकार महामंत्र एवं भक्तामर जी पाठ का आयोजन किया गया। जिसमें संगीतमय णमोकार महामंत्र एवं भक्तामर स्तोत्र पाठ की प्रस्तुतियां दी गई। जैन धर्म प्रचारक सुनील भाणजा व विमल जौंला ने बताया कि नववर्ष की पूर्व संध्या पर श्रद्धालुओं ने आचार्यश्री की आरती व गुरुभक्ति के साथ भजन कीर्तन किए गए। इसके बाद आचार्य वर्धमान सागर महाराज ने श्रद्धालुओं को आशीर्वाद प्रदान दिया। इस दौरान शताब्दी समारोह के चलते सभी श्रद्धालुओं ने संगीतमय णमोकार महामंत्र, भक्तामर स्तोत्र अनुष्ठान, भजन कीर्तन, गुरुभक्ति सहित कई धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस अवसर पर मुनि हितेन्द्र सागर महाराज ने सभी श्रद्धालुओं को णमोकार महामंत्र के जाप करवाए। नववर्ष कार्यक्रम का शुभारंभ समाजसेवी पारसमल पराणा, जितेन्द्र चंवरिया, राधेश्याम मित्तल, प्रेमचंद सोगानी एवं पदमचंद पीपलू ने भगवान आदिनाथ एवं भगवान शांतिनाथ के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर किया। उन्होंने बताया कि संगीतमय भक्तामर पाठ में रिद्धि मंत्रों का उच्चारण किया गया। जिसमें श्रद्धालुओं ने भक्ति के साथ मण्डप पर 48 दीपक समर्पित किए। कार्यक्रम के पश्चात सभी श्रद्धालुओं ने पंच परमेष्ठी एवं भगवान आदिनाथ जी की महाआरती की। इस अवसर पर आचार्य वर्धमान सागर महाराज ने संबोधित करते हुए कहा कि संसार एवं मोक्ष का सम्पूर्ण व्यवहार विश्वास की आधारशिला पर है। दुनिया में विश्वास के बल पर बड़े से बड़े कार्य सम्पन्न हो जाते हैं। उन्होंने कहा कि लोकाचार से आध्यात्म तक अपना विश्वास बनाए रखना चाहिए। अत: सच्चे देव शास्त्र एवं गुरुओं के साथ वस्तु स्वरुप पर विश्वास करना निश्चित ही भव सागर पार कर जाओगे। कार्यक्रम में पारसोला, सहित देश भर से आए श्रद्धालुओं ने आचार्यश्री से आशीर्वाद प्राप्त किया।

पोस्ट कार्ड खून से लिखा

कोटपूतली । जिले के संविदा नर्सिंगकर्मियों ने नर्सिंग ऑफिसर व एएनएम की भर्ती पूर्व की भांति मेरिट बोनस व नियम 1965 से विज्ञिप्त जारी कर किये जाने की मांग को लेकर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा व चिकित्सा मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर को गुरूवार को पोस्ट कार्ड पर अपने खून से पत्र लिखकर भेजा। जिला संयोजक गौरीशंकर गुर्जर ने बताया कि राजस्थान के संविदा नर्सेज पोस्ट कार्ड पर खून से अपनी मांग रख रहे हैं। नर्सिंग ऑफिसर व पैरामेडिकल भर्ती पूर्व में वर्ष 2013, 2018 व 2023 में मेरिट बोनस के आधार पर हुई थी। आगामी भर्ती भी मेरिट बोनस से करवाये जाने को लेकर मुख्यमंत्री व चिकित्सा मंत्री को पोस्ट कार्ड के माध्यम से ध्यान आकर्षित कराने के लिये संविदा नर्सेजकर्मियों ने अपने खून से पत्र लिखकर भेजा हैं। संविदा नर्सेज ने मेरिट बोनस से विज्ञिप्त जारी करने, 1965 नियम में कोई संशोधन नहीं करने की मांग करते हुये कहा कि यदि 1965 नियम में संशोधन किया गया तो जयपुर स्वास्थ्य भवन पर प्रदर्शन व कार्य बहिष्कार किया जायेगा। इस दौरान रामचंद्र गुर्जर, मनोज यादव, बिजेंद्र रावत, भूपेंद्र सैनी, जयराम जाट, विजेंद्र कसाना, झाबर, कुलदीप शर्मा, प्रकाश गुर्जर, रणवीर, सुमित समेत अन्य नर्सिंगकर्मी मौजूद रहे।

उद्घाटन आज

कोटा, (निसं)। होटल फेडरेशन ऑफ राजस्थान की ओर से 2 से 4 जनवरी तक आयोजित होने वाले तीन दिवसीय कोटा हाड़ौती ट्रेवल मार्ट का उद्घाटन समारोह का आयोजन शुक्रवार शाम को 5 बजे शौर्य घाट, रिवर फ्रंट पर होगा। उद्घाटन समारोह में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, उपमुख्यमंत्री व पर्यटन मंत्री दिया कुमारी, शिक्षा मंत्री मदन दिलावर, ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर, लाड़पुरा विधायक कल्पना देवी सहित अन्य जनप्रतिनिधि, होटल फेडरेशन के पदाधिकारी एवं पर्यटन विभाग के अधिकारी उपस्थित रहेंगे।

नम्बर मिलाइए
9587884433
सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

एसपी देवेन्द्र कुमार बिश्नोई ने डीआईजी का पद संभाला

कोटपूतली । कोटपूतली- बहरोड़ जिले के पुलिस कप्तान देवेन्द्र कुमार बिश्नोई को विभागीय पदौन्नित समिति की रिपोर्ट के आधार पर उप महानिरीक्षक (डीआईजी) पद पर पदौन्नत किये जाने पर बिश्नोई ने गुरूवार को नववर्ष पर विधिवत् रूप से डीआईजी पद पर कार्यभार ग्रहण कर लिया। इस मौके पर जिला पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचने पर पुलिस टुकडी द्वारा उनका गार्ड ऑफ ऑनर देकर स्वागत किया गया। वहीं बडी संख्या में पुलिसकर्मियों, जिला वासियों, मीडियाकर्मियों समेत आमजन द्वारा एसपी का स्वागत- अभिनंदन करते हुये नववर्ष की बधाई दी गई। उल्लेखनीय है कि बीएसएफ में कार्य कर चुके एसपी बिश्नोई को सुरक्षा व पुलिसिंग का लम्बा अनुभव रहा हैं। उन्होंने अपने अनुभव से जिले की कानून व्यवस्था को अधिक सशक्त बनाया हैं। वर्ष 2012 बैच के आईपीएस बिश्नोई बेहद सख्त, अनुशासित व जमीन से जुडे हुये कुशल अधिकारी हैं। मूल रूप से हरियाणा के हिसार जिले के रहने वाले बिश्नोई का जन्म 24 मई 1967 में हुआ था। हिसार के डीएन कॉलेज से बीएससी (बोटनी) की शिक्षा के बाद एलएलबी तक शिक्षा ठाहण करने वाले बिश्नोई ने बीएसएफ में सेवायें देने के बाद राजस्थान पुलिस में बतौर आरपीएस अधिकारी शामिल हुये थे।

■ बीएसएफ में कार्य कर चुके एसपी बिश्नोई को सुरक्षा व पुलिसिंग का लम्बा अनुभव रहा है

कोटपूतली- बहरोड़ जिले के पुलिस कप्तान देवेन्द्र कुमार बिश्नोई ने डीआईजी का पदभार संभाला ।

बाद में पदौन्नत होकर आईपीएस एवं अब डीआईजी पद पर पदौन्नत हुये हैं। इससे पूर्व वे बीकानेर स्थित आरएसी बटालियन में कमान्डेंट पद पर लम्बे समय तक सेवायें दे चुके हैं। साथ ही झुन्झुनु, गंगापुर सिटी, पुलिस मुख्यालय जयपुर, यातायात पुलिस जयपुर, एसीबी बीकानेर, भरतपुर, अजमेर आदि जिलों में पुलिस अधीक्षक सहित विभिन्न पदों पर अपनी सेवायें दे चुके हैं। वहीं गुड गर्वनेंस की प्राथमिकता वाले अधिकारी भी माने जाते हैं। उन्होंने जिले में अपराधियों के विरूद्ध सख्त कार्यवाही, त्वरित पुलिस रेस्पोंस, अवैध गतिविधियों पर नियंत्रण व जनता में विश्वास बहाली जैसे उल्लेखनीय कार्य किये हैं।

नववर्ष की शुभकामनाएं दी

निवाई। नव वर्ष के आगमन पर सुबह से दिनभर नववर्ष 2026 की बधाईयां एवं शुभकामनाएं देने का दौर जारी रहा। नववर्ष 2026 को लेकर युवक-युवतियों ने मोबाइलों पर मैसेज, व्हाटस एप, फेसबुक एवं फोन पर एक दूसरे को नववर्ष की बधाई व शुभकामनाएं दी। नववर्ष वर्ष 2025 का रात 12 बजते ही शहर में युवाओं द्वारा आतिशबाजी के धमाकों के साथ स्वागत किया। ज्यों ही रात के 12 बजे शहर में बस स्टेंड, अहिंसा सर्किल, बड़ा बाजार, चौहट्टी बाजार, गणगौरी बाजार, बिलाला मार्केट, शिवाजी कालोनी, इंदिरा कॉलोनी एवं सार्वजनिक स्थानों पर युवाओं ने धमाकेदार आतिशबाजी करके नववर्ष का स्वागत किया।

सांभरझील में सोनोलॉजिस्ट की नियुक्ति की मांग

सांभरझील, (निसं)। जयपुर ग्रमीण सांसद राव राजेंद्र सिंह को भाजपा युवा मोर्चा के अध्यक्ष चंद्रप्रकाश माली के नेतृत्व में एक टीम सांभर में जनसुनवाई कार्यक्रम के दौरान पहुंची और बताया कि उप जिला अस्पताल सांभर में करीब 1 साल से सोनोग्राफी मशीन धूल फांक रही है। सोनोलॉजिस्ट की नियुक्ति करवाने की कृपा करें, ताकि क्षेत्र की जनता का भला हो सके। बता दें की सांभर में भाजपा के नेताओं का जबरदस्त वर्चस्व है, खुद सीएम से उनकी करीब करीब आए दिन व्यक्तिगत तौर पर बातचीत और मुलाकात भी होती रहती है। सांभर से 30 किलोमीटर दूर उप मुख्यमंत्री प्रेमचंद बेरवा से तो यहां कई लोगों के मित्रता पूर्ण संबंध है। पूर्व विधायक निर्मल कुमावत का तो पूर्व सांसद लालचंद कटारिया और प्रेमचंद बेरवा से तो गहरी दोस्ती है, जो जग जाहिर भी है। यह भी बताना जरूरी है कि कुछ नेताओं की तो हर डिपार्टमेंट के बड़े-बड़े अधिकारियों से सीधी पकड़ है। यानी "कान पकड छाली"। यहां के नेताओं में इतना पॉलीटिकल पावर है कि एक बार तो सरकार के निर्णय को भी चुनौती देने और उसको पलटने की ताकत भी रखते हैं। इसके बावजूद 20 साल से सांभर अस्पताल में सोनोठाफी मशीन अभी तक चालू नहीं करवा सके। लोगों का कहना है कि ऑर्थोपेडिक्स व सर्जन जिसकी सबसे ज्यादा अस्पताल को जरूरत होती है वह 2047 तक भी आएगा या नहीं इस बारे में भी कोई गारंटी नहीं है।

■ अस्पताल सांभर में करीब 1 साल से सोनोग्राफी मशीन धूल फांक रही है

सड़क सुरक्षा माह अभियान

दौसा। राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह अभियान सीख से सुरक्षा, टेक्नॉलाजी से परिवर्तन का शुभारम्भ गुरूवार को प्रादेशिक परिवहन कार्यालय में सड़क सुरक्षा जागरूकता प्रदर्शनी लगाकर किया गया, जिसमें आमजन व परिवहन विभाग में दैनिक कार्य के लिए आने वाले आगन्तुकों को सड़क सुरक्षा नियमों एवं विभागीय योजनाओं की जानकारी दी गई। अतिरिक्त प्रादेशिक परिवहन अधिकारी नितिन कुमार बोहरा ने बताया कि राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह 2026 के दौरान जनवरी को जीरो मृत्यु माह के रूप में मनाया जाएगा। 31 जनवरी तक पूरे माह सड़क सुरक्षा संबंधित कार्यक्रम कलेंडर के अनुसार सम्पादित किये जाएंगे। विद्यालयों में जागरूकता कार्यक्रम के साथ स्लोगन, पोस्टर, निबंध, ऑनलाईन क्विज एवं विद्यार्थियों द्वारा माता-पिता को यातायात नियमों की पालनार्थ पत्र लेखन प्रतियोगिता एवं शिक्षकों का सड़क सुरक्षा प्रशिक्षण मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी के निर्देशन में करवाये जाएंगे। प्रदर्शनी स्थल पर संयमित एवं सुरक्षित सड़क उपयोगकर्ता के लिए सेल्फी पॉइंट भी बनाया गया है ताकि सेल्फी के माध्यम से सोशल मीडिया द्वारा भी सड़क सुरक्षा जागरूकता का प्रचार-प्रसार किया जा सके। कार्यक्रम में केन्द्र सरकार की राहवीर योजना के संबंध में कार्यालय में आने वाले आगंतुकों को जानकारी भी प्रदान की गई।

मुख्यमंत्री एवं चिकित्सा मंत्री के नाम खून से पोस्टकार्ड लिखें

नर्सिंग ऑफिसर ने सीएम के नाम मांगों को लेकर ज्ञापन भेजा।

दौसा। मेडिकल संविदा निविदा प्रदेश महासंघ (नर्सिंग ऑफिसर एवं एएनएम संवर्ग) के प्रदेशाध्यक्ष राकेश सैनी एवं प्रदेश संयोजक अरबाज खान के नेतृत्व में गुरुवार को रामकरण जोशी राजकीय जिला चिकित्सालय में नर्सिंग ऑफिसर एवं एएनएम संवर्ग ने मुख्यमंत्री एवं चिकित्सा मंत्री के नाम खून से पोस्टकार्ड लिखकर नर्सिंग ऑफिसर भर्ती में मैरिट प्लस बोनस अंकों से करवाने व 1965 के नियम को यथावत रखने की मांग की।

प्रदेश अध्यक्ष राकेश सैनी बनियाना एवं प्रदेश संयोजक अरबाज खान ने बताया कि मुख्यमंत्री व चिकित्सा मंत्री के नाम खून से पोस्ट कार्ड लिख कर नर्सिंग भर्ती की मेरिट प्लस बोनस के आधार पर करवाने की मांग की, ये अभियान पूरे राजस्थान में चलाया जा रहा है। इस अभियान के माध्य से सरकार का ध्यान आकर्षित करने का प्रयास किया जा रहा है। जिला अध्यक्ष विजय मीना ने बताया कि अभी कुछ दिन पहले कैबिनेट मंत्री डॉ. किरोडी लाल मीना, उपमुख्यमंत्री डॉ प्रेमचंद बैरवा से मुलाकात की और अपनी समस्या को मजबूती से उनके सामने रखा। उन्होंने आश्वासन दिया कि हम आपके साथ गलत नहीं होने देंगे आपका भविष्य खराब नहीं होने देंगे। राजस्थान सरकार ऐसा कोई फैसला ना करे जिसका नुकसान सरकार को हो। जिला मीडिया प्रभारी कपिल सैनी ने बताया कि 2 बजे से प्रदर्शन किया गया। जिसमें सीनियर नर्सिंग ऑफिसर धर्मपाल मीना, जिला अध्यक्ष महेंद्र मीणा, रामावतार मीना, प्रदेश अध्यक्ष राकेश सैनी बनियान, प्रदेश संयोजक अरबाज खान, जिला अध्यक्ष विजय कुमार मीना, 108 से सियाराम गुर्जर, जगराम गुर्जर, नरेंद्र, उपाध्यक्ष हुकुम पोसवाल, जनता क्लीनिक से नारायण सैन भगवती शर्मा, विनोद सहित अनेक कार्मिक उपस्थित रहे।

■ नर्सिंग ऑफिसर एवं एएनएम संवर्ग ने सीएम के नाम खून से पोस्टकार्ड लिखकर नर्सिंग ऑफिसर भर्ती मैरिट प्लस बोनस अंकों से करवाने की मांग की

प्रागपुरा में जाम के खिलाफ पुलिस का कड़ा एक्शन, सर्विस रोड सहित मुख्य मार्गों पर सख्ती से कार्रवाई

पावटा। कस्बे में लगातार लग रहे जाम और आमजन को हो रही परेशानियों को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए प्रागपुरा थाना पुलिस द्वारा विशेष अभियान चलाया गया, जिसके तहत जाम का कारण बन रहे वाहनों और अव्यवस्थित पार्किंग के खिलाफ कडी कार्रवाई की गई। अभियान के दौरान राजमार्ग के दोनों ओर स्थित सर्विस लेन एवं नेशनल हाईवे पर प्रागपुरा थाना पुलिस बल ने सड़क किनारे खड़े वाहनों को हटवाया, वहीं नियमों की अनदेखी करने वाले वाहन चालकों के चालान काटे गए। बार-बार लगने वाले यातायात जाम से आमजन को राहत दिलाने के उद्देश्य से प्रागपुरा थाना प्रभारी भजनाराम ने बुधवार को प्रागपुरा थाना पुलिस टीम के साथ पावटा शहर का पैदल दौरा किया। इस दौरान राजमार्ग के दोनों ओर स्थित सर्विस लेन एवं नेशनल हाईवे पर नो पार्किंग जोन में खडे वाहनों के विरुद्ध मोटर व्हीकल एक्ट के तहत प्रभावी कार्रवाई की गई। थानाप्रभारी भजनाराम ने बताया कि लंबे समय से हाईवे और सर्विस लेन पर अवैध रूप से खडे वाहनों के कारण यातायात व्यवस्था बुरी तरह प्रभावित हो रही थी। इससे आमजन को भारी परेशानी का सामना करना पड रहा था, वहीं आए दिन जाम की स्थिति बनने से दुर्घटनाओं की आशंका भी बनी रहती थी। इसी गंभीर समस्या को देखते हुए पुलिस द्वारा यह विशेष अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान नियमों की अवहेलना करने वाले कुल 147 वाहनों के चालान काटे गए। पुलिस की इस सख्त कार्रवाई से वाहन चालकों में हड़कंप मच गया तथा अवैध रूप से खडे वाहनों को तत्काल हटवाकर सडक मार्ग को पूरी तरह खाली कराया गया, जिससे यातायात व्यवस्था सुचारु हो सकी। थानाप्रभारी भजनाराम ने वाहन चालकों से सख्त अपील करते हुए कहा कि वे केवल निर्धारित पार्किंग स्थलों का ही उपयोग करें। तथा सडक, सर्विस लेन एवं नेशनल हाईवे पर अवैध रूप से वाहन खडे न करें।

थाना प्रभारी भजनाराम के नेतृत्व में 147 वाहनों के चालान किए।

■ पुलिस ने सड़क किनारे खड़े वाहनों को हटावाकर यातायाता सुगम बनाया

राजस्थान आवासन मण्डल, वृत्त-प्रथम, प्रताप नगर, जयपुर
क्रमांक-9458 दिनांक-31.12.2025
जाहिर आम-सूचना
राजस्थान आवासन मण्डल की प्रताप नगर, सांगानेर में आवास/फ्लेट संख्या HE-505 (HIG), (एरिया 72.26 वर्गमीटर) प्रताप नगर, सांगानेर का आवंटन श्री टी.एम. खत्री पुत्र स्व. श्री दासूमल को किया जाकर आवंटन पत्र क्रमांक 9307 दिनांक 20.02.2013 को जारी किया गया। श्री टी.एम. खत्री द्वारा श्री छितर मल जागा पुत्र श्री भैरुलाल जागा के दिनांक 27.03.2014 को मुख्त्यारनामा आम धारक नियुक्त किया गया। श्री छितर मल जागा के द्वारा मुख्त्यारनामा आम की हैसियत से श्री टी.एम. खत्री के पक्ष में पंजीयन प्रपत्र उप पंजीयक-द्वादश, जयपुर के यहाँ दिनांक 10.07.2025 को पंजीकृत करवाये गये। श्री छितर मल जागा द्वारा मुख्त्यारनामा आम की हैसियत से उक्त आवास/फ्लेट को दिनांक 06.09.2025 के द्वारा श्रीमती रामधनी जागा पत्नी श्री बृजेश कुमार जागा को विक्रय कर उप पंजीयक-द्वादश जयपुर के यहां विक्रय पत्र पंजीकृत करवाया गया। श्रीमती रामधनी जागा द्वारा उक्त आवास/फ्लेट को दिनांक 04.11.2025 के द्वारा श्री रामसिंह पुत्र श्री लीलाराम को विक्रय कर उप पंजीयक एकादश जयपुर के यहां विक्रय पत्र का पंजीकृत करवाया गया। क्रेता/क्रेती श्री रामसिंह पुत्र श्री लीलाराम द्वारा आवासन मण्डल में उक्त आवास/फ्लेट में अपना नाम मण्डल रिकार्ड में दर्ज कराने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अत उक्त आवास/फ्लेट के हस्तान्तरण बाबत किसी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ति हो तो अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में 7 दिवस में अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा यह मानते हुए की मण्डल रिकॉर्ड में नाम दर्ज करने में किसी को कोई आपत्ति नहीं है, श्री रामसिंह पुत्र श्री लीलाराम का नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कर दिया जावेगा।
सम्पदा प्रबन्धक, वृत्त-प्रथम, राज.आवा. मण्डल, जयपुर

रजि. नं. 3240/एल **आम सूचना** दि. 01.01.2026
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि सिरोही गृह निर्माण सहकारी समिति लिमिटेड की योजना अमृत विहार कालवाड़ में भूखण्ड संख्या 76 का आवंटन पत्र, रसीद, साईड प्लान गुम होना बताया गया है। जो नवाब खाँ पुत्र श्री यासीन खाँ जयपुर के नाम से आवंटित था। उक्त भूखण्ड को नवाब खाँ की मौत होने बाद उनके वारिसों से उस्मान गनी पुत्र श्री फैयाल मोहम्मद निवासी उस्मान कॉलोनी गंगापुर ने जरिये विक्रय पत्र क्रय कर लिया। उस्मान गनी ने गुमसुदगी दर्ज करवाकर डुप्लीकेट आवंटन पत्र के लिएं समिति में आवेदन कियाँ है। किसी भी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो 15 दिवस में समिति कार्यालय पर मय दस्तावेज प्रमाण उपस्थित होकर आपत्ति दर्ज करवा सकते हैं। इसके बाद कोई आपत्ति करेगा तो प्रभाव शुन्य व अमान्य होगी और आवंटी के पक्ष में डुप्लीकेट आवंटन पत्र जारी कर दिया जायेगा व पूर्व में जारी आवंटन पत्र स्वतः ही निरस्त माना जायेगा।
सिरोही गृह निर्माण सहकारी समिति लि. तहसील - आमेर, जयपुर

खोया पाया
मेरे भूखण्ड संख्या S42C जेडीए की योजना सेज विलेज खटवाडा की पंजीकृत वसीयत (पुष्पा ओबेरॉय से जैमिनी ओबेरॉय) जयपुर में खो गई है मिलने पर सूचित करें। जैमिनी ओबेरॉय-9829015441

राजस्थान आवासन मण्डल, वृत-तृतीय,
जे.एल.एन. मार्ग, जवाहर सर्किल के पास, जयपुर- 0141-4901853
क्रमांक 5269 **आम जाहिर सूचना** दिनांक 31.12.2025
राजस्थान आवासन मण्डल जयपुर आवास संख्या - 1 / ख / 12 जवाहर नगर जयपुर, का आवंटन श्री मनोहर लाल बरेजा को किया गया था। जिसका आवंटन पत्र क्रमांक 341 दिनांक 27.02.1974 जारी किया गया था। उनके द्वारा उक्त आवास के पंजीयन प्रपत्रो का निष्पाद कार्यालय उप पंजीयक जयपुर नगर में दिनांक 27.10.1976 को करवाया गया। श्री मनोहर लाल बरेजा की मृत्यु दिनांक 25.02.2023 को हो जाने कारण श्रीमती चित्रा शर्मा पत्नी श्री जितेन्द्र शर्मा, श्रीमती उदिता घेई पत्नी श्री अनन्जय घेई एवं श्रीमती शालिनी हसीजा पत्नी श्री दीपक हसीजा पुत्रीन् श्री मनोहर लाल बरेजा के द्वारा आवेदन पत्र के साथ जमा प्रशासनिक शुल्क की छाया प्रति, शपथ पत्र एवं रजिस्टर्ड वसीयतनामा की छाया प्रति प्रस्तुत कर उक्त आवास का प्रतिस्थापन अपने पक्ष में करने का निवेदन किया गया है। अतः उक्त आवास के प्रतिस्थापन के संबंध में किसी भी व्यक्ति/ बैंक/ संस्था को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 07 दिवस में अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर साक्ष्य सहित अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर देवें, अन्यथा उक्त अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर उक्त आवेदनकर्ता श्रीमती चित्रा शर्मा पत्नी श्री जितेन्द्र शर्मा, श्रीमती उदिता घेई पत्नी श्री अनन्जय घेई एवं श्रीमती शालिनी हसीजा पत्नी श्री दीपक हसीजा पुत्रीन् श्री मनोहर लाल बरेजा के पक्ष में आवास के प्रतिस्थापन की कार्यवाही करदी जावेगी। सम्पदा प्रबंधक- वृत तृतीय रा. आ. मण्डल जयपुर

संक्षिप्त वाद में सम्मन
(आदेश 37 नियम 02 व्य.प्र.स.)
न्यायालय श्रीमान अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश गुलाबपुरा।
दावा बाबत- वसूली
प्रकरण सं. 15 सन् 2024
भारतीय स्टेट बैंक खारीग्राम गुलाबपुरा वादी
बनाम
रामकिशन मीणा प्रतिवादी
रामकिशन मीणा पुत्र श्री हरि नारायण मीणा पता-मीणा मौहल्ला, आगरा रोड, गोलछा गार्डन के सामने, घाट की गुणी, जयपुर (राज.)। प्रतिवादी
अतः वादी ने सिविल प्रक्रिया संहिता 1908 के आदेश 37 के अधीन आपके विरूद्ध 9,98,590/- अक्षरे नौ लाख अट्ठानवें हजार पांच सौ नब्बे रूपये और ब्याज के लिए वाद संस्थित किया है। आपको समन किया जाता है कि आप इस समन की तामील होने की तारीख से दस दिन के अन्दर उपसंजात (हाजिर) हो। यदि आप ऐसी नहीं करेंगे तो उक्त दस दिन या कालावधि के अवसान के पश्चात वादी को 9,98,590/- रूपयों से अनधिक राशि के लिए खर्चों के बाबत विधि अनुसार रूपयों की राशि के लिए ब्याज सहित यदि कोई हो, जैसा न्यायालय आदिष्ट करें, डिग्री अभिप्राप्त करने का हकदार होगा। यदि आप उप संजात होते है तो वादी तत्पश्चात आपको निर्णय के लिए सम्मन तामिल करेगा जिसकी सुनवाई के समय तुम वाद की प्रतिरक्षा करने की इजाजत के लिए न्यायालय से समावेदन करने के लिए हकदार होंगे। यदि तुम शपथ पत्र द्वारा या अन्यथा न्यायालय का यह समाधान कर देते हो कि वाद की प्रतिरक्षा गुणागुण के आधार पर की जा सकती है या यह युक्तियुक्त है कि आपको प्रतिरक्षा करने के लिए अनुज्ञा दी जानी चाहिए तो प्रतिरक्षा करने की इजाजत दी जा सकेगी। आज दिनांक 2 माह 12 सन् 2025 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगा कर प्रदत्त किया गया है।
-न्यायाधीश
अपर जिला न्यायाधीश, गुलाबपुरा जिला भीलवाड़ा (राज.)

नाम परिवर्तन
मैंने अपना नाम रूपेश कँवर शेखावत से बदलकर रूपेश कँवर पत्नी श्री जितेन्द्र सिंह शेखावत रख लिया है निवासी 122, गायत्री नगर, जोड़ला पावर हाउस, हरमाडा, जयपुर भविष्य में इसी नाम से जाना वह पहचाना जावेगा एफिडेविट नंबर सीजी 268901

मैंने सभी उद्देश्यों के लिए अपना नाम ओमप्रकाश ढोली से बदलकर ओमप्रकाश राव रख लिया है। निवासी इंदौली तह. मालपुरा जिला टोंक-304502 (राज.)

मैं वंदना दुबे, पत्नी अनिल कुमार दुबे, निवासी ग्राम डीही, पोस्ट-मऊ, तहसील-सिरमौर, जिला-रीवा, मध्य प्रदेश ने 24.11.2025 को कलेक्ट्रेट परिसर, रीवा (म.प्र.) के सामने एक हलफनामें के जरिए अपना नाम वंदना दुबे से बदलकर वंदना पांडे कर लिया है।

I Bapat Vaibhav Ajitrao R/o 102-A Kasturba nagar Nirman Nagar Jaipur Declare that in my passport my name is entered as Vaibhav Bapat S/o Ajitrao Bapat Now I want to correct my name as Bapat Vaibhav Ajirao S/o Bapat Ajit Krushnarao for all purposes. vide affidavit 31.12.2025 Jaipur.

Notice
I, Seema Meena, wife of Kamlesh Meena, am a permanent resident of Village Santha, Tehsil Mahwa, District Dausa, Rajasthan. I solemnly declare that in my husband's service records, my name has been incorrectly recorded as Seema Devi and Seema Devi Meena. Whereas, in my Aadhaar Card, PAN Card, and educational documents, my name is correctly recorded as Seema Meena. In the future, I request that I be known and referred to only by the name Seema Meena.
Affidavit No.: 05331

कार्यालय नगर निगम जयपुर
(नन्दपुरी रेल्वे अण्डरपास के पास, जगतपुरा, जयपुर)
क्रमांक :- जसअ/2025/396 दिनांक: 30.12.2025
ई-निविदा सूचना संख्या - 108 व 109/2025-26
केन्द्र एवं राज्य सरकार के सभी विभागों में पंजीकृत उपर्युक्त श्रेणी के ठेकेदारों एवं नगर निगम जयपुर के पंजीकृत निविदाताओं से अधिशाषी अभियन्ता जगतपुरा जोन से संबंधित विकास कार्यो हेतु निविदाए आमंत्रित की जाती है। कार्यो की अनुमानित लागत टेण्डर बेचे जाने तथा प्राप्त करने की तारीख टेण्डर शर्त आदि सम्पूर्ण विवरण नगर निगम जयपुर की वेबसाईट www.jaipurmc.org.com व राजस्थान सरकार के पोर्टल http://sppp.raj.nic.in तथा http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखी व डाउनलोड़ की जा सकती है। उक्त निविदाओं को (sppp.rajasthan.gov.in) पोर्टल पर अपलोड करवा दिया गया है।
(UBN No.-JMC2526WSOB02393 To JMC2526WSOB02394)
अधिशाषी अभियन्ता
जगतपुरा जोन
नगर निगम जयपुर
राज.संवाद/सी/25/16899

कार्यालय नगरपालिका मण्डल मनोहरपुर जिला जयपुर
E-mail : npmanoharpur@rajasthan.gov.in
क्रमांक :- न.पा.मनो./2025-26/2714 दिनांक :- 26.12.2025
-: आपत्ति आमंत्रण सूचना :-
एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि नगर पालिका मनोहरपुर क्षेत्र में स्थित विभिन्न भूखण्डों की निम्नानुसार पत्रावली/प्रार्थना पत्र मय साईट प्लान राजस्थान नगरीय क्षेत्र कृषि भूमि के अकृषि उपयोग के अनुज्ञा एवं आवंटन नियम 2012 के तहत् निस्तारण हेतु विचाराधीनहै

क्र.सं.	नाम	पिता/पति का नाम	पता	क्षेत्रफल	विषय
1.	श्री रामगोपाल यादव	श्री गणपत लाल यादव	श्री श्याम रेजिडेंस, मनोहरपुर P-16	104.47 वर्गमीटर आवासीय	नियमन
2.	श्री रामगोपाल यादव	श्री गणपत लाल यादव	श्री श्याम रेजिडेंस, मनोहरपुर P-17	104.47 वर्गमीटर आवासीय	नियमन
3.	श्री मोहन लाल यादव	श्री कालूराम यादव	श्री श्याम मार्केट, मनोहरपुर S-140	30.08 वर्गमीटर वाणिज्यक	नियमन
4.	श्रीमति लछमा देवी	श्री जयराम	श्री श्याम रेजिडेंस, मनोहरपुर P-19	104.47 वर्गमीटर आवासीय	नियमन

उक्त भूमि के नियमन के संबंध में किसी भी व्यक्ति को कोई भी आपत्ति है तो वह आपत्ति को सबूत मय लिखित में इस सूचना प्रकाशन की तिथि से सात दिवस के अंदर इस कार्यालय में अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष प्रस्तुत कर सकते है। अवधि पश्चात् प्राप्त किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति स्वीकार नहीं की जावेगी एवं तदानुसार प्रकरण का निस्तारण कर दिया जावेगा।
उक्त सूचना आज दिनांक 26.12.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं सील मुहर द्वारा प्रसारित किया गया।
राज.संवाद/सी/25/16848 अधिशाषी अधिकारी

कार्यालय नगर निगम, भरतपुर
क्रमांक-न.नि.भ./स्कीम/2025-26/19799 दिनांक-30.12.2025
सार्वजनिक विज्ञप्ति
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि निम्न भूखण्डधारियों द्वारा अपने भूखण्ड का नाम परिवर्तन बाबत आवेदन प्रस्तुत किया गया है। इस भूखण्ड का नाम परिवर्तन आवेदकों के पक्ष में करने पर किसी व्यक्ति/संस्था को कोई आपत्ति हो तो इस विज्ञप्ति के प्रकाशन के सात दिवस में इस कार्यालय में प्रस्तुत कर देवे अन्यथा आवेदक के पक्ष मं भूखण्ड का नाम परिवर्तन कर दिया जावेगा।

क्र. सं.	आवेदक	योजना का नाम	आवासी/ व्यवसायिक भू.सं.	क्षेत्रफल वर्गगज में	एप्लीकेश्न नम्बर
1	पूनम मीना/अशोक कुमार मीना	रनजीत नगर	D81C	217.19	166193
2	दानवीर सिंह/उदय सिंह	न्यू पुष्वाटिका फेज-1	354	126.33	166118
3	राजवाला/राजवीर सिंह	स्टेडियम नगर	10	133.33	165995
4	संजीव अग्रवाल/प्रभु दयाल अग्रवाल	रनजीत नगर	A120	266.66	165969
5	जमुना दास/परमानंद	केन्द्रीय बस स्टेण्ड	6	22.22	156132
6	मुकेश चंद शर्मा/ भगवान लाल शर्मा	कुम्हेर गेट वर्क शॉप	48	16.66	164478
7	सुरेन्द्र सिंह/मंगतू	गांधी नगर	1031	127.52	164480
8	चन्द्रभान सैनी/बी एस सैनी	दीनदयाल नगर	16	50	164635
9	जमुना दास/परमानंद	केन्द्रीय बस स्टेण्ड	8	22.22	165441
10	शशी देवी/सूर्यप्रिया सिंह	संजय नगर विकास नगर फेज-4	588	243.59	165576
11	संगीता अग्रवाल/ विशाल अग्रवाल	न्यू पुष्पवाटिका फेज-1	335	200	166368
12	राधेश्याम सोनी/ राजेन्द्र सोनी	शिव नगर	387	134.17	166481
13	राजेश/योगेश कुमार	कृष्णा नगर	2T13	53.37	122831
14	दिनेश चंद त्रिपाठी/ विशनाथ	जवाहर नगर	A305	50	166574
15	उषा देवी/कल्पनाथ प्रसाद	रेलवे कॉलानी	21	83.14	167213
16	रामबाबू/जुगजीत शर्मा	रनजीत नगर	C126	266.66	166710
17	निर्मल कौर/अवतार सिंह	रनजीत नगर	E130	108.88	166799
18	सीमा पाराशर/ प्रमोद पाराशर	सुभाष नगर	295	139.30	166829
19	सतीश चन्द्र/ विशम्भर दत्त	संजय नगर फेज-4	562	257.50	166833
20	किशनगोपाल शर्मा/ नंदकिशोर शर्मा	संजय नगर फेज-2	351	211.79	166936
21	मुकेश कुमार/शंकर लाल हिमांशु कुमार/मुकेश कुमार	गौरी शंकर कॉलोनी	65, 66, 67	197.16	167029
22	खिल्लोराम उर्फ रामखिलाडी/संतोकी	गांधी नगर सेवर रोड	711A	191.66	167098

सचिव
नगर निगम, भरतपुर

संक्षिप्त

खाद्य सुरक्षा योजना में 1.82 लाख नए लाभार्थी जुड़े

दौसा । राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना (एनएफएसए) के तहत पात्र लोगों तक लाभ पहुंचाने और अपात्र लाभार्थियों को हटाने की राज्य सरकार की मुहिम के तहत जिले में अब तक 2,01,224 अपात्र लोग सूची से बाहर किये जा चुके हैं। वहीं 1,82,069 नए पात्रों को योजना में शामिल किया गया है। अपात्र लोग 28 फरवरी तक इस योजना से स्वेच्छा से नाम हटवा सकते हैं । जिला रसद अधिकारी मोहन लाल देव ने यह जानकारी देते हुए बताया कि विभागीय छंटनी, केवाईसी लंबित रहने, 'गिव-अप' अभियान और प्रवर्तन अधिकारियों की कार्यवाही से जिले में योजना की तस्वीर पूरी तरह बदलती दिख रही है। उन्होंने बताया कि 'गिव अप' अभियान के तहत अपात्र लोग स्वयं सामने आकर योजना से नाम वापस ले रहे हैं। यदि इसके उपरांत भी अपात्रता की श्रेणी में आने वाले परिवार राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा से अपना नाम नहीं हटवाते तो उनसे वसूली की कार्रवाही की जाएगी एवं उनका नाम चिह्निकरण कर अपील के माध्यम से प्रवर्तन अधिकारी या निरीक्षक के माध्यम से उपखण्ड अधिकारी द्वारा पृथक कर दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि जिले में अब तक 2,01,224 अपात्र लोग सूची से बाहर किये जा चुके हैं। वहीं 1,82,069 नए पात्रों को खाद्य सुरक्षा सूची में शामिल किया गया है।

टीकाकरण सत्रों का आयोजन

टोंक। जिले में मातृ शिशु स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस मनाया गया, इस दौरान विभिन्न चिकित्सा संस्थानों पर टीकाकरण सत्रों का आयोजन किया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. शैलेन्द्र सिंह चौधरी ने बताया कि जिला चिकित्सालय, उप जिला चिकित्सालय सहित प्राथमिक चिकित्सा केंद्रों, शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों, आंगनवाडी केंद्रों और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में गुरुवार को एमसीएचएन डे पर टीकाकरण सत्रों का आयोजन कर गर्भवती महिलाओं और बच्चों को टीके लगाए गए, साथ ही टीकाकरण सत्रों की जिला एवं ब्लॉक स्तर से प्रभावी मॉनिटरिंग की गई। विभिन्न स्वास्थ्य केंद्रों पर टीकाकरण सत्रों का आयोजन किया गया। गर्भवती महिलाओं के साथ बच्चों को टीकाकृत किया गया। गर्भवती महिलाओं को गर्भावस्था, टीकाकरण, पोषण, संतुलित आहार, बच्चों का वजन लिया गया, समय पर एएनसी चेकअप करवाने संबंधी जानकारी दी गई। आंगनबाडी केन्द्र पर साफ-सफाई एवं पूरक पोषाहार एवं स्वास्थ्य सम्बन्धी जानकारियां दी गयी।

चार ट्रेक्टर-ट्रॉली जब्त

टोंक। जिला पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में चलाये जा रहे अवैध बजरी खनन व परिवहन अभियान में थानाधिकारी बरोनी के नेतृत्व में गठित टीम द्वारा कार्यवाही करते हुए दौराने गश्त पहाडी गांव के पास से दो ट्रेक्टर मय ट्रोली अवैध बजरी से भरे हुये को जप्त किया गया। इस दौरान मौके से ट्रेक्टर चालक फरार हो गया, जिसके खिलाफ विरूद्ध एमएमडीआर एक्ट में प्रकरण दर्ज किया गया है। इसी प्रकार थाना निवाई पुलिस टीम द्वारा अवैध बजरी परिवहन करते हुये केरोद गांव के पास दो ट्रेक्टर-ट्रोली को जप्त किया गया। उक्त दोनो ट्रेक्टर-ट्रोली चालको के विरूद्ध प्रकरण एमएमडीआर एक्ट में प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान जारी है।

मंदिर में पौषबड़ा महोत्सव

निवाई। गांव भांवती में श्री मुरली मनोहर महाराज जी के मंदिर में श्री वीर तेजा युवा मंडल के तत्वावधान में पौषबड़ा महोत्सव का आयोजन किया गया। सुदामा चौधरी ने बताया कि पौषबड़ा महोत्सव को लेकर श्री मुरली मनोहर महाराज जी आकर्षक झांकी सजाकर बडो का भोग लगया। इस दौरान महाआरती करके प्रसादी वितरित की गई। इस अवसर पर सरपंच मदनलाल मीणा, सुदामा चौधरी, चेतन जाट, पुरणमल जाट, गणेश जाट, शोभागमल जाट, जीतेन्द्र, इन्द्र, रामराय जाट, रामनारायण जाट, धर्मराज, राजाराम वकील, रामप्रसाद जाट, कालू राजपूत व दिनेश जाट सहित कई श्रद्धालु मौजूद थे।

श्याम बाबा के दर्शन किए

निवाई। वनस्थली से श्याम बाबा निवाई के लिए बैण्ड बाजे के साथ पदयात्रा रवाना हुई। श्री श्याम मित्र मंडल वनस्थली के सदस्य गोलु प्रजापत ने बताया कि वनस्थली से श्यामधाम निवाई के लिए गुरूवार को सुबह 8 बजे सवा ग्यारह मीटर का ध्वज पूजन करके पदयात्रा रवाना हुई। पदयात्रा का जुलूस डीजे के साथ गांव के मुख्य मार्गो से होते हुए रवाना हुआ। पदायात्रा का जगह -जगह पुष्प वर्षा करके स्वागत किया गया।

'आमजन को सड़क सुरक्षा नियमों की जानकारी दी जायेगी'

- राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह का शुभारम्भ
- पूरे माह होगा विभिन्न गतिविधियों का आयोजन

कलेक्टर प्रियंका गोस्वामी ने सड़क सुरक्षा रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया ।

कोटपूतली । राज्य सरकार द्वारा प्रदेष भर में 01 से 31 जनवरी तक राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह का आयोजन किया जा रहा हैं। इसी के तहत कोटपूतली-बहरोड़ जिले में राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह का शुभारम्भ गुरूवार 01 जनवरी को जिला कलक्टर प्रियंका गोस्वामी द्वारा राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा रथ को जिला कलक्टर कार्यालय परिसर से हरी झण्डी दिखाकर जिले में भ्रमण के लिए रवाना किया गया। सड़क सुरक्षा रथ जिला प्रशासन के निर्देशन में परिवहन विभाग द्वारा तैयार कराया गया हैं। जिसके द्वारा जिले की समस्त ग्राम पंचायत मुख्यालयों, ब्लॉक स्तर तथा तहसील स्तर पर भ्रमण करते हुये आमजन को सड़क सुरक्षा नियमों की जानकारी दी जायेगी। राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह में विभिन्न गतिविधियों का होगा आयोजन : राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह में हितधारक विभागों द्वारा विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित की जायेगी। इस दौरान 01 जनवरी को राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह 2026 का शुभारंभ, सडक सुरक्षा प्रदर्शनी का उद्घाटन, 02 जनवरी को स्कूल व कॉलेज के विद्यार्थियों के सुरक्षित परिवहन को सुनिश्चित करने हेतु जिला बाल वाहिनी समिति की बैठक का आयोजन, रोड सेफ्टी क्लबों को सक्रिय करना तथा सड़क सुरक्षा प्रतियोगिताओं की जानकारी, 03 जनवरी को जिले के सभी सीनियर सैकण्डरी व सैकण्डरी विद्यालयों के नामित 1-1 नॉडल शिक्षक को सडक सुरक्षा प्रशिक्षण कार्यशाला (दो पारियों में 10 से 01 बजे तक एवं 02 से 05 बजे तक), 04 जनवरी को सड़क सुरक्षा साईकिल रैली, 05 जनवरी को शहर के प्रमुख पार्कों में वरिष्ठ नागरिकों/आगन्तुकों के साथ सडक सुरक्षा पर चर्चा एवं सड़क सुरक्षा पेम्पलेट/ब्रोशर आदि का वितरण, 06 जनवरी को मोटर साईकिल हेलमेट रैली (सडक सुरक्षा संदेश की तख्तियों के साथ), 07 जनवरी को विद्यालय स्तर पर निबंध प्रतियोगिता (500 शब्दों में), 08 जनवरी को वाहन चालक स्वास्थ्य/ नेत्र जॉच शिविर, 09 जनवरी को वाहन चालक प्रशिक्षण कार्यक्रम, 10 जनवरी को ब्लॉक स्तरीय निबंध प्रतियोगिता (500 शब्दों में), 11 जनवरी को महिलाओं के लिये सड़क सुरक्षा कार्यक्रम, 12 जनवरी को विष्वविद्यालयों/महाविद्यालयों/विद्यालयों में सड़क सुरक्षा कार्यशालाओं का आयोजन (न्यूनतम 03 कार्यक्रम), 13 जनवरी को विद्यालय स्तर पर सड़क सुरक्षा स्लोगन प्रतियोगिता (2-2 लाईन के 10 स्लोगन) व दुपहिया इलैक्ट्रिक वाहन हेलमेट रैली, 14 जनवरी को सार्वजनिक स्थानों पर गुड़ इत्यादि बांटकर सड़क सुरक्षा मित्र/अठादूत बनाने का कार्यक्रम, 15 जनवरी को नेत्र एवं स्वास्थ्य जाँच शिविर, 16 जनवरी को वाहन चालक हेतु सड़क सुरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम, 17 जनवरी को ब्लॉक स्तरीय स्लोगन प्रतियोगिता (दो लाईन के 10 स्लोगन), 18 जनवरी को पैदल यात्री रैली निकाली जायेगी।

भगवान शांतिनाथ का 1008 कलशों से महामस्तकाभिषेक

- धार्मिक समारोह में श्रद्धालुओं की उमड़ी भीड़

निवाई/गुंसी। दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ पर गुरुवार को गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी की शिष्या आर्यिका ज्ञानश्री माताजी एंव ज्ञायकश्री माताजी के सान्निध्य में विज्ञातीर्थ पर 1008 रजत कलशों से भगवान शान्तिनाथ का महामस्तकाभिषेक किया गया। जिसमें श्रद्धालुओं की भीड उमडी पड़ी। विज्ञातीर्थ कार्याध्यक्ष सुनील भाणजा एवं हितेश छाबडा ने बताया कि महामस्तकाभिषेक को लेकर सर्वप्रथम आचार्य विरागसागर महाराज व विशुद्ध सागर महाराज के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। विज्ञातीर्थ पर विज्ञाश्री माताजी के पावन आशीर्वाद से ज्ञानश्री माताजी एवं ज्ञायकश्री माताजी के सानिध्य में 1008 रजत कलशों से भगवान शांतिनाथ, नेमीनाथ, पाश्र्वनाथ के मस्तक पर श्रद्धालुओं द्वारा रजतमय कलशों से महामस्ताभिषेक किया गया। शांतिनाथ भगवान की प्रथम शांतिधारा करने का सौभाग्य राकेश कुमार जयपुर, द्वितीय शांतिधारा करने का सौभाग्य लल्लूलाल, ओमप्रकाश, अमित ललवाडी एवं भगवान नेमीनाथ की प्रथम शांतिधारा करने का सौभाग्य रमेश कुमार, रौनक कुमार सर्राफ निवाई को प्राप्त हुआ एवं भगवान पाश्र्वनाथ को चांदी के सिंहासन पर विराजमान करने का सौभाग्य रमेश कुमार, रौनक कुमार जैन को प्राप्त हुआ। इस अवसर पर ज्ञानश्री माताजी ने धर्म सभा को संबोधित करते हुए कहा कि नया वर्ष हमें भगवान के श्री चरणों में नतमस्तक होकर प्रारंभ करना चाहिए। यह नववर्ष आपके एवं आपके परिवार के लिए मंगलमय, सुख - समृद्धि प्रदायक हो एवं आपके परिवार मे खुशहाली, समृद्धि, ऐश्वर्य व आरोग्यता लाएं। आपकी एवं आपके परिजनो की सभी मनोकामनाएं पूर्ण हो। माताजी ने बताया कि श्रावक को अपनी बुद्धि का प्रयोग एक ही कार्य को करने की अपेक्षा अन्य कार्यों में भी करना चाहिए। क्योंकि एक ही कार्य में प्रयोग की गई बुद्धि सीमित और छोटी हो जाती है। इसलिए बुद्धि के विकास के लिए भिन्न-भिन्न कार्यो को करें। जब एक पाषाण खण्ड सहन करता है। छैनी की चोट लगने पर तब वह भगवान बन पाता है। ठीक वैसे ही जब एक आदमी समय की चोट को सहन करता है तब वह महान बन पाता है। उन्होंने कहा कि ध्यान रखे कि जो सहता है उसी का भविष्य उज्जवल रहता है। जो लोग मिलजुल कर रहते हैं वह लोग सुखी रहते हैं और जो लोग बैर बांधकर रहते हैं वह लोग दुखी रहते हैं। अब आप सोचिए आपको कैसे रहना है। मित्रता अधिक लोगों से नहीं गुणवान लोगों से करनी चाहिए। संख्या अधिक हो और गुण हीन हों तो आप भी हीन हो सकते हैं। इसलिए मित्रों की संख्या से अधिक महत्वपूर्ण उनके गुण होते हैं। इसके बाद जिनवाणी स्तुति की गई एवं अतिथियों को कमेटी द्वारा सम्मानित किया ।

भव्य शोभायात्रा निकाली

टोंक। जिला मुख्यालय पर बुधवार शाम को रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा की द्वितीय वर्षगांठ पर सकल हिन्दू समाज द्वारा भव्य एवं विशाल शोभा यात्रा निकाली गई। इस दौरान सडकों पर सैकडों की संख्या में श्रद्धालु हाथों में भगवा ध्वज लिए जय श्रीराम का जयघोष करते हुए गुजरे।

शोभायात्रा में जगह-जगह पर यात्रा पर फूल बरसाये गये तथा भक्तों का स्वागत किया, शोभायात्रा में शामिल हुई झांकियां विशेष आकर्षण का केंद्र रही, इस झांकियों में राम, लक्ष्मण, सीता और हनुमान के रूप में सजे बच्चों ने सभी का मन मोह लिया।

शोभायात्रा में श्री राम मंदिर का प्रतीक मॉडल व सजीव झांकियां जो मुख्यालय स्थित कंपू से होकर श्री अग्रसेन सर्किल, हेमू कालाणी सर्किल, बड़ा कुआं, नौशे मिया का पुल, श्री राम मंदिर चंदन चौक, कचहरी, काफला बाजार, पांच बत्ती, सुभाष बाजार, घंटाघर, पटेल सर्किल होते हुए मोदी की चौकी पहुंची।

इस दौरान पूर्व भाजपा के पूर्व विधायक अजीत सिंह मेहता, भाजपा जिलाध्यक्ष चंद्रवीर सिंह चौहान, राजेंद्र पराना, किन्नर अखाड़ा की प्रदेशाध्यक्ष तनीषा, कमलेश सिंगोदिया, प्रभू बाडोलिया, विष्णु शर्मा, शैलेन्द्र चौधरी, रमेश गढ़वाल, राजेश मंगल, विनायक जैन, ओम पांडे, राजेश शर्मा, पांचू लाल सैनी, पूर्व सभापति लक्ष्मी जैन आदि के अलावा सेकडो श्रद्धालु शामिल रहें।

कलेक्टर ने रात्रि चौपाल में निबटाई ग्रामीणों की समस्याएं

टोंक जिला कलेक्टर कल्पना अग्रवाल की अध्यक्षता में गांव पंचायत मेहरु में रात्रि चौपाल आयोजित की गई।

- रात्रि चौपाल में मेहरु को जोड़ने वाले सड़क मार्गो, पेयजल आपूर्ति जैसी समस्याएं सामने आई।

टोंक। जिला कलेक्टर कल्पना अग्रवाल की अध्यक्षता में बुधवार को ग्राम पंचायत मेहरु में रात्रि चौपाल आयोजित की गई। रात्रि चौपाल में मेहरु को जोड़ने वाले सड़क मार्गो, पेयजल आपूर्ति, विद्युत, साफ-सफाई जैसी समस्याएं सामने आई। जनसुनवाई में जिला कलेक्टर ने कहा कि अधिकारी ग्रामीणों की समस्याओं का हल तत्काल एवं गुणवत्तापूर्ण करें। उन्होंने उपखंड अधिकारी अमित कुमार चौधरी को विभागों से समस्याओं के निस्तारण की रिपोर्ट लेने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में जिला कलेक्टर ने संवेदनशीलता से ग्रामीणों की सार्वजनिक एवं व्यक्तिगत समस्याओं को सुना। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी राज्य सरकार की मंशानुसार आमजन की समस्याओं का मौके पर समाधान करें, और पात्र लोगों को सरकार की फ्लैगशीप योजनाओं का लाभ प्रदान करें। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि कार्यालय में आने वाले ग्रामीणों की समस्याओं को सुनकर समयबद्ध सीमा में निस्तारित किया जाये।

आमजन को शांति का संदेश

- वर्ष 2025 के समापन और नववर्ष 1 जनवरी 2026 के शुभारंभ के उपलक्ष्य में प्रागपुरा थाना परिसर से शांति, सुरक्षा और कानून व्यवस्था को लेकर सकारात्मक संदेश दिया गया

पावटा। नववर्ष 2026 की पूर्व संध्या पर प्रागपुरा थाना पुलिस से आमजन के नाम शांति, सुरक्षा और आपसी सौहार्द का संदेश दिया गया।

प्रागपुरा थाना प्रभारी भजनाराम ने नागरिकों को नववर्ष की शुभकामनाएं देते हुए शांति, सुरक्षा और कानून व्यवस्था को लेकर सकारात्मक संदेश देते हुए कहा कि पुलिस प्रशासन हर परिस्थिति में जनता की सुरक्षा के लिए सतत तत्पर है।

प्रागपुरा थाना पुलिस द्वारा वर्ष 2025 के समापन और नववर्ष 1 जनवरी 2026 के शुभारंभ के उपलक्ष्य में प्रागपुरा थाना परिसर से शांति, सुरक्षा और कानून व्यवस्था को लेकर सकारात्मक संदेश दिया गया।

प्रागपुरा थानाधिकारी भजनाराम ने नववर्ष की पूर्व संध्या पर क्षेत्रवासियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि नया वर्ष सभी के जीवन में सुख, समृद्धि और शांति से भरा हो ।

थानाधिकारी भजनाराम ने कहा कि बीते वर्ष 2025 में आमजन के सहयोग से प्रागपुरा क्षेत्र में कानून व्यवस्था को मजबूत किया गया, अपराध नियंत्रण, यातायात व्यवस्था सुधार और जनसुनवाई जैसे कार्यों में पुलिस को सकारात्मक परिणाम मिले।

उन्होंने कहा कि पुलिस और जनता के आपसी विश्वास से ही सुरक्षित समाज का निर्माण संभव है। नववर्ष को शांतिपूर्ण ढंग से मनाने की अपील करते हुए थानाधिकारी ने कहा कि पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क है और किसी भी प्रकार की अव्यवस्था, हुड़दंग या कानून उल्लंघन पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

साथ ही उन्होंने युवाओं से यातायात नियमों की पालना करने, नशे से दूर रहने और सामाजिक सौहार्द बनाए रखने का आव्हान किया। अंत में थानाधिकारी भजनाराम ने कहा कि 2026 में प्रागपुरा पुलिस जनसेवा, सुरक्षा और संवेदनशील पुलिसिंग के संकल्प के साथ आगे बढ़ेगी, ताकि क्षेत्र में शांति, विश्वास और विकास का माहौल और अधिक सुदृढ हो सके।

'यातायात नियमों का पालन करें'

भरतपुर (निस)। राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह 2026 का शुभारम्भ गुरूवार को प्रादेशिक परिवहन अधिकारी इन्दू मीणा द्वारा परिवहन कार्यालय परिसर में सड़क सुरक्षा प्रदर्शनी का फीता काटकर किया गया। इस अवसर पर उन्होंने सडक सुरक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए आमजन की जागरूकता अत्यंत आवश्यक है। नियमों का पालन, संयमित गति एवं सतर्कता से ही सुरक्षित यातायात सुनिश्चित किया जा सकता है । कार्यक्रम के दौरान आमजन को सड़क सुरक्षा गतिविधियों तथा राज्य एवं केन्द्र सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्रदान करने के उद्देश्य से सडक सुरक्षा वाहन रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। यह वाहन रथ जिले के प्रत्येक ठााम स्तर तक पहुंचकर लोगों को यातायात नियमों, हेलमेट एवं सीट बेल्ट के उपयोग, ओवरस्पीडिंग से बचाव तथा सुरक्षित ड्राइविंग के प्रति जागरूक करेगा। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय सडक सुरक्षा माह के अंतर्गत आमजन को जागरूक करने हेतु विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। इनमें साइकिल रैली, दुपहिया वाहन रैली, पैदल रैली, ईवी रैली, आमजन के साथ सडक सुरक्षा पर संवाद, तथा सडक सुरक्षा संबंधी ब्रोशर एवं प्रचार सामग्री का वितरण शामिल है। इसके साथ ही जिले के स्कूलों एवं कॉलेजों में छात्र-छात्राओं को सडक सुरक्षा नियमों के प्रति जागरूक करने हेतु विशेष कार्यक्रम, व्याख्यान एवं गतिविधियाँ आयोजित की जाएंगी।

नववर्ष पर दूध पिलाकर नशा मुक्ति का संदेश

- प्रदेश महासचिव डॉ. अभिलाष मीणा व वरिष्ठ कांठोस कार्यकर्ता के एम बंसल ने बताया कि गत दस वर्षो से हर वर्ष नववर्ष के आगमन पर आमजन को दूध पिलाकर नशा मुक्ति का संदेश दिया जा रहा हैं

कोटपूतली में नववर्ष पर आमजन को दूध पिलाकर नशे से दूर रहने के लिये प्रेरित किया।

कोटपूतली । नववर्ष पर गुरूवार को आमजन को दूध पिलाकर नशे से दूर रहने के लिये प्रेरित किया गया। कांग्रेस चिकित्सा प्रकोष्ठ के प्रदेश महासचिव डॉ. अभिलाष मीणा व वरिष्ठ कांग्रेस कार्यकर्ता के एम बंसल ने बताया कि विगत दस वर्षो से हर वर्ष नववर्ष के आगमन पर आमजन को दूध पिलाकर नशा मुक्ति का संदेश दिया जा रहा हैं।

इस मौके पर कस्बे के आजाद चौक स्थित तहसील परिसर में तहसीलदार रामधन गुर्जर द्वारा दूध पिलाकर नववर्ष के आगमन का शुभारंभ किया गया। इस मौके पर युवाओं ने नशा मुक्ति का संकल्प लिया। वहीं इस अवसर पर वरिष्ठ अधिवक्ता एड. प्रेमवीर सिंह मीणा का केक काटकर जन्मदिन भी मनाया गया।

इस दौरान एड. विजय प्रकाश शर्मा, एड. दिनेश अठावाल, मास्टर महावीर प्रसाद यादव, हलवाई रोहिताश सैनी, डॉ. मनमोहन सिंह राठौड़, अमरसिंह गुर्जर, कमलेश मीणा, एड. महेश मीणा, बलदेव मीणा, एड. ओमप्रकाश शर्मा, एड. सुभाष यादव, एड. रतनेश यादव, एड. हनुमान सैनी, एड. सूर्यकान्त मोदी, एड. मनोज पायला, रामसिंह गुर्जर, एड. जगदीप शर्मा, रोहित सैनी, एड. अनिल आर्य, एड. अनिल दीक्षित समेत अन्य मौजूद रहे।

सार-समाचार

शिविर में 126 यूनिट रक्त एकत्रित

शाहपुरा। राजश्री कॉलेज ऑफ नर्सिंग अमरपुरा शाहपुरा में नववर्ष पर स्व. राजेंद्र प्रसाद पारीक की 17वीं पुण्यतिथि पर महाविद्यालय परिसर में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में रजनीश हॉस्पिटल के ब्लड बैंक टीम द्वारा 126 यूनिट रक्त का संठाहण किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय निदेशक दिलीप कुमार पारीक व चैयरमेन सुरजमल जाट ने रक्तदान को महादान बताते हुए कहा कि रक्तदान करना किसी भी व्यक्ति के जीवन को बचाने में जीवन रक्षक का कार्य करता है। रक्तदान महादान है। रक्त की एक एक बूंद किसी जरूरत मंद व्यक्ति का जीवन बचाने में काम आती है। महाविद्यालय के प्राचार्य नरेश कुमार वर्मा व महाविद्यालय स्टाफ दिनेश कुमार, विकास सोनी, मोहन लाल छीपा, कुनाल शर्मा, सौम्या जांगिड़, अभिषेक बंगाली, जितेन्द्र गुर्जर, मोहित सैनी ने समस्त रक्तदाताओं की हौसला अफजाई व्यक्त की। रक्तदान शिविर में समस्त महाविद्यालय स्टाफ, सभी छात्र-छात्राएं व आसपास क्षेत्र के युवाओं द्वारा स्वैच्छिक रक्तदान किया गया। निदेशक दिलीप कुमार पारीक ने शिविर में सभी रक्तदाताओं के प्रति आभार व्यक्त किया। महाविद्यालय प्रशासन की ओर से सभी रक्तदाताओं को प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया गया।

राष्ट्रीय सक सुरक्षा अभियान प्रारम्भ

टोंक। प्रतिवर्ष की भाँति इस वर्ष भी 1 से 31 जनवरी तक राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा थीम "सीख से सुरक्षा, टेक्नोलॉजी से परिवर्तन" पर आयोजित किया जा रहा है, इसमें परिवहन विभाग, ट्रेफिक पुलिस व पुलिस विभाग, सार्वजनिक निर्माण विभाग, मोटर ड्राईविंग स्कूल, डीलर्स सड़क मिलकर सड़क सुरक्षा संबंधी नियमों के बारे में जागरूक करेंगे। डीटीओ सम्पत राम वर्मा ने बताया कि सड़क सुरक्षा माह के तहत आमजन में सड़क सुरक्षा संबंधी प्रदर्शनी, नुक्कड नाटकों का आयोजन, रिफ्लेक्टर टेप लगाने, दुपहिया वाहनों पर हेलमेट और चौपहिया वाहनों में सीट बैल्ट की अनिवार्यता की जांच करते हुए समझाइश व कार्यवाही की जाएगी। उन्होने बताया कि महीने के तहत समझाइश, जागरूकता व कार्यवाही पर फोकस रहेगा। इनमें आमजन को लाईसेंस प्रणाली व प्राथमिक चिकित्सा, ओवरलोड व ओवर क्राउडिंग करने वाले वाहनों को समझाइश व कार्यवाही, ट्रेफिक पुलिस के साथ समन्वय करते हुए आमजन में यातायात के नियमों की जागरूता के लिए कार्यक्रम होंगे। इसके अलावा ट्रक व बस चालकों को स्वस्थ नशा मुक्त जीवन सुरक्षात्मक वाहन चलाने के लिए प्रेरित करना, स्कूलों व कॉलेजो में सड़क सुरक्षा संबंधी नियमों, अच्छे मददगार की गाइडलाइन का प्रचार कराना सहित कई गतिविधियां होगी। राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा के तहत नव वर्ष की शुरुआत वाहन चालकों को शराब से नही, दूध से करें का संदेष देते हुए वाहन चालकों को दूध का सेवन करवाया गया। हाईवें पर दुपहिया वाहन चालको को हेलमेट लगाकर एवं चौपहिया वाहन चालकों को सीट बैल्ट लगाकर वाहन चलाने के लिए गुलाब का फूल देकर प्रेरित किया। साथ ही आमजन को सड़क सुरक्षा की शपथ दिलवाकर कार्यक्रम का उद्घाटन किया गया। कार्यालय में सड़क सुरक्षा प्रदर्शनी भी लगाई गई।

सुचारू हुई विद्युत आपूर्ति

निवाई। गुरूवार को सुबह 6 बजे 33 केवी लाइन करेड़ा में फॉल्ट होने पर हरभांवता, करेड़ा बुजुर्ग, तुर्किया उर्फ महापुरा एवं दतवास सहित चार जीएसएस की विद्युत आपूर्ति बाधित हो गई। जिससे करीब 7000 उपभोक्ताओं की विद्युत सप्लाई सुचारू करना विद्युत विभाग निवाई के लिए एक चुनौती बन गया। जिसको लेकर सहायक अभियंता धनराज टाटावत के निर्देश पर कनिष्ठ अभियंता रणधीर वर्मा एवं तकनीकी कर्मचारियों ने टीम बनाकर 34 किमी लंबी लाइन की पेट्रोलिंग कर फॉल्ट को चिन्हित किया गया। उन्होंने बताया कि फॉल्ट तालाब में लगे एक पोल पर मिला। गत रात्रि क्षेत्र में हुई बारिश के चलते तालाब में पानी भराव होने के बावजूद भी विद्युत् विभाग के कर्मचारी राजेश मीणा एवं सत्यनारायण गुर्जर ने कंपकंपाती ठंड में पानी में तैरकर विद्युत पोल पर चढकर पोल पर लगे इंसुलेटर को बदला गया और अपना कर्तव्य पूर्ण कर साहस का प्रमाण दिया। जिससे उपरांत करीब 6 घंटे बाद सभी उपभोक्ताओं की विद्युत आपूर्ति सुचारू की गई।

स्टेशनरी सामग्री बांटी

निवाई। गांव श्री सुरतपुरा में संचालित नि:शुल्क संध्याकालीन पाठशाला में निवाई अस्पताल के डॉ. रामजीलाल बैरवा द्वारा अपने पूज्य पिता की पांचवीं स्मृति दिवस पर बच्चों को अल्पाहार, सर्दी से बचाव हेतु स्वेटर एवं स्टेशनरी सामठाी का वितरण किया गया। डॉ. रामजीलाल बैरवा पिछले 5 वर्षों से निरंतर इस मानवतावादी कार्य में सक्रिय हैं। वह प्रत्येक माह संध्याकालीन पाठशाला के हेड ऑफिस को 1000 की आर्थिक सहायता प्रदान करते हैं। डॉ. रामजीलाल बैरवा ने कहा कि इस तरह की पहल समाज में शिक्षा, समानता और मानवता के मूल्यों को मजबूती देती है। इस दौरान डॉ आरती गोठवाल ने बच्चों को माता सावित्रीबाई फुले के विचारों पर चलने को ही सशक्त और उज्ज्वल भविष्य का मार्ग बताया। इस अवसर पर अंबेडकरवादी टीम के किशन संगत, ओमप्रकाश नागर व रमेश सेवलिया सहित ठाामवासी मौजूद थे।

कलश यात्रा निकाली

सिरस। ग्राम पंचायत सिरस में गुरुवार को धार्मिक अनुष्ठान को लेकर महिलाओं ने भव्य कलश यात्रा निकाली। जिसमें श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। कलश यात्रा को श्रीकेशवराय मंदिर परिसर में आचार्य ने पूजा अर्चना करवाकर रवाना किया। कलश यात्रा में 51 महिलाए कलशों को सिर पर धारण करके चल रही थी। कलश यात्रा का गांव में जगह-जगह पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया। कलश यात्रा गढ़ के सामने से होते हुए मुख्य बाजार, माणक चौक, कालो का मोहल्ला होते हुए डूंगर वाले भेरुजी मंदिर पहुंची। जहां आचार्य ने वैदिक मंत्र उच्चारण के साथ कलश स्थापना करवाई। उन्होंने बताया कि शुक्रवार को डूंगर वाले भेरुजी मंदिर परिसर में सप्तमी व्रत उद्यापन को लेकर हवन पूजन का कार्यक्रम आयोजित होगा। जिसमें दोपहर को भोग लगाने के बाद पंगत प्रसादी का आयोजन किया जाएगा। इस मौके पर देवपाल, सांवरा, भोलाराम, रामेश्वर, दिनेश, लक्ष्मणसिंह चौहान, शिवजीलाल गुर्जर, भेरुलाल गुर्जर, हरफूल गुर्जर, भवानी, बुद्धिप्रकाश पारीक व रमाशंकर शर्मा सहित कई श्रद्धालु मौजूद थे।

नर्सिंगकर्मियों को भर्ती का इंतजार

भरतपुर, (निस)। भरतपुर राज बहादुर मेमोरियल अस्पताल में तैनात नर्सिंगकर्मियों ने आज ब्ड और चिकित्सा मंत्री को अपने खून से 2 सौ पोस्टकार्ड लिखे। नर्सिंगकर्मी मांग कर रहे हैं सरकार बोनस के आधार पर भर्ती निकाले। नर्सिंगकर्मी 1965 के नियम में बदलाव का विरोध रहे हैं। नर्सिंगकर्मी भूपेंद्र शर्मा ने बताया कि हम पिछले 3 साल से अल्प वेतन पर लगे हुए हैं। सरकार यह चाहती है कि आगामी भर्ती 1965 का नियम बदल कर भर्ती परीक्षा के माध्यम से की जाए। हमारी मांग है कि 1965 के नियम में कोई बदलाव नहीं किया जाए। सरकार हमारी मेहनत का फल दे। आगामी भर्ती बोनस के आधार पर जल्द से जल्द हों। सभी नर्सिंगकर्मी 2 सौ खून से लिखे पोस्टकार्ड सरकार को भेज रहे हैं। अगर हमारी मांगे पूरी नहीं होती हैं तो, यह खून हम सड़क पर बहाने को तैयार हैं। 3 से 4 हजार पक्के होने की मांग कर रहे हैं। हम कोशिश कर रहे हैं कि सांकेतिक रूप से सरकार हमारी मांगे मान लें। अगर ऐसा नहीं हुआ हम सड़कों पर उतरने को तैयार हैं। क्योंकि सरकार ने 2013, 2018 और 2022-23 की भर्ती बोनस मेरिट आधार पर की गई है। दरअसल, 1965 का नियम कहता है कि जिस व्यक्ति को सरकार पेपर लेकर अल्प वेतन पर लगा रही है। उसका भर्ती के दौरान उसका पेपर नहीं लिया जाए।

2027 विश्व कप के बाद वनडे प्रारूप के अस्तित्व और प्रासंगिकता पर तब संकट आ सकता है जब इसके बड़े स्टार खिलाड़ी विराट कोहली और रोहित शर्मा क्रिकेट को अलविदा कह देंगे। - आर. अश्विन

भारतीय गेंदबाज, विराट कोहली और रोहित शर्मा के बारे में बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी — विराट कोहली

विराट कोहली ने अभी तक 556 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों की 623 पारियों में 52.58 की औसत से 27975 रन बनाए हैं। अगर न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज के दौरान वह 42 रन और बना लेते हैं तो वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में कुमार संगाकारा को पीछे छोड़ देंगे, जिनके नाम 594 मैचों की 666 पारियों में 46.77 की औसत से 28016 रन हैं। कोहली ने 84 शतक लगाए हैं और 145 अर्द्धशतक। वहीं संगाकारा के बल्ले से 63 शतक आए हैं और 153 अर्द्धशतक।

क्या आप जानते हैं ?... श्रीलंकाई दिग्गज मुथैया मुरलीधरन के नाम अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 1347 विकेट दर्ज हैं। मुरलीधरन ने 495 मैचों में ये विकेट लिए हैं। वह इंटरनेशनल क्रिकेट में सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं।

राष्ट्रीय खेल प्रशासन अधिनियम के चयनित प्रावधानों के लागू होने की अधिसूचना जारी

नई दिल्ली, 1 जनवरी। केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय खेल प्रशासन अधिनियम, 2025 के चयनित प्रावधानों के लागू होने की अधिसूचना जारी की है। राष्ट्रीय खेल प्रशासन अधिनियम, 2025 (25 ऑफ 2025) को 18 अगस्त, 2025 को आधिकारिक राजपत्र में अधिसूचित किया गया था। अधिनियम की धारा 1(2) में प्रावधान है कि अधिनियम उस तिथि से लागू होगा जो केंद्र सरकार आधिकारिक राजपत्र में अधिसूचना द्वारा नियुक्त करे, और अधिनियम के विभिन्न प्रावधानों के लिए अलग-अलग तिथियां नियुक्त की जा सकती हैं। तदनुसार, राष्ट्रीय खेल प्रशासन अधिनियम, 2025 की धारा 1 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केंद्र सरकार ने 1 जनवरी, 2026 को वह तिथि नियुक्त की है जिस दिन उक्त अधिनियम की धारा 1 से 3, धारा 4 की उपधारा (1), (2) और (4), धारा 5 की उपधारा (1) और (2), धारा 8 की उपधारा (5), धारा 11 की उपधारा (1), धारा 14 और 15, धारा 17 की उपधारा (1) से (7) और (10), धारा 30 और 31 तथा धारा 33 से 38 के प्रावधान लागू होंगे। लागू किए गए प्रावधानों में राष्ट्रीय खेल निकायों की स्थापना और शासन ढांचा शामिल है, जिनमें राष्ट्रीय ओलंपिक समिति, राष्ट्रीय पैरालंपिक समिति, राष्ट्रीय खेल संघ और क्षेत्रीय खेल संघ, राष्ट्रीय खेल बोर्ड का गठन, मान्यता प्राप्त खेल संगठनों पर लागू अनुपालन आवश्यकताएं, मान्यता प्राप्त खेल संगठनों के विशेषाधिकार और कर्तव्य, राष्ट्रीय खेल न्यायाधिकरण का गठन और केंद्र सरकार की नियम बनाने की शक्तियां शामिल हैं। इस अधिनियम को चरणबद्ध ढंग से लागू करने का उद्देश्य वैधानिक खेल प्रशासन ढांचे में सुचारू रूप से परिवर्तन सुनिश्चित करना है। यह अधिनियम खेल प्रशासन में पारदर्शिता, जवाबदेही, नैतिक आचरण और सुशासन को बढ़ावा देने, खिलाड़ियों के कल्याण को सुनिश्चित करने और ओलंपिक चार्टर, पैरालंपिक चार्टर और अंतरराष्ट्रीय सर्वोत्तम विधियों के अनुरूप खेल संबंधी विवादों के प्रभावी और समयबद्ध समाधान का प्रावधान करता है। 1 जनवरी, 2026 से, अधिनियम के अधिसूचित प्रावधानों के अंतर्गत परिकल्पित संस्थागत तंत्र परिचालन में आ जाएंगे।

अंडर-19 कूच बिहार ट्रॉफी : राजस्थान पहली पारी में 185/8 विकेट पर सिमटी

जयपुर, 1 जनवरी। नडियाद में आज से शुरू हुए राजस्थान - पंजाब अंडर 19 कूच बिहार ट्रॉफी क्वाटर फाइनल मैच के पहले दिन राजस्थान के सानिल का नाबाद अर्धशतक। राजस्थान - पंजाब मैच (पहले दिन का स्कोर) राजस्थान पारी 185 / 8 आज पहले दिन का खेल समाप्त होने तक राजस्थान ने सानिल के नाबाद अर्धशतक की सहायता से 8 विकेट के नुकसान पर 185 रन बना लिए थे। टीम के लिए सानिल नाबाद 56, हर्ष 26, करण 22, नावेद 20 व केतन नाबाद 11 रन बनाकर खेल रहे हैं। पंजाब के गेंदबाज अधिराज, राजवीर 3 - 3 व आर्यन 2 विकेट।

यूनाइटेड कप से शुरू होगा टेनिस कैलेंडर 2026

पर्थ, 1 जनवरी। वर्ल्ड नंबर 3 कोको गॉफ और वर्ल्ड नंबर 6 टेलर फ्रिट्ज के नेतृत्व वाली टीम यूनाइटेड स्टेट्स 2026 में मिक्स्ड टीमों की प्रतियोगिता यूनाइटेड कप में अपना खिताब बचाने की कोशिश करेगी। 2024 की चैंपियन जर्मनी के पास वर्ल्ड नंबर 3 अलेक्जेंडर ज्वेरेव और डेब्यू करने वाली ईवा लिस हैं। अन्य प्रमुख खिलाड़ियों में पोलैंड के लिए इगा स्वीयाटेक और ह्यूबर्ट हुरकाज, ग्रीस के लिए स्टेफानोस सितसिपास और मारिया सकारी, इटली के लिए जैस्मीन पाओलिनी और फ्लेवियो कोबोली, कनाडा के लिए फेलिक्स ऑगर-अलियासिमे और विक्टोरिया म्बोको, एम्मा राडुकानू (ग्रेट ब्रिटेन), नाओमी ओसाका (जापान), एलेक्स डी मिनौर (ऑस्ट्रेलिया) और कैस्पर रूड (नॉर्वे) शामिल हैं। 2026 यूनाइटेड कप 2 जनवरी से 11 जनवरी तक आयोजित किया जाएगा। 2023 में स्थापित यह आउटडोर हार्ड-कोर्ट इवेंट पर्थ के आरएसी एरिना और सिडनी ओलंपिक पार्क टेनिस सेंटर के अंदर केन रोजवॉल एरिना में होगा। टूर्नामेंट के निदेशक स्टीफन फैरो हैं। अठारह देशों को तीन-तीन के छह ग्रुप में रखा गया है। ग्रुप स्टेज में राउंड-रॉबिन मुकाबले होंगे, जिसमें हर देश अपने ग्रुप के बाकी दो देशों के साथ खेलेगा। हर टाई में एक एटीपी सिंगल्स मैच, एक डब्ल्यूटीए सिंगल्स मैच और एक मिक्स्ड डबल्स मैच होगा। हर ग्रुप की टॉप टीम क्वार्टर-फाइनल में पहुंचेगी, साथ ही पर्थ और सिडनी दोनों में सर्वश्रेष्ठ रनर-अप देश को भी एक क्वार्टर-फाइनल स्पॉट दिया जाएगा। 2026 यूनाइटेड कप के लिए ग्रुप्स की घोषणा कर दी गई है:-

पर्थ - ग्रुप ए : संयुक्त राज्य अमेरिका,स्पेन और अर्जेंटीना
ग्रुप सी : इटली, फ्रांस और स्विट्जरलैंड
ग्रुप ई : ग्रेट ब्रिटेन, ग्रीस और जापान
सिडनी - ग्रुप बी : कनाडा, बेल्जियम और चीन
ग्रुप डी: ऑस्ट्रेलिया, चेकिया और नॉर्वे
ग्रुप एफ़ : जर्मनी, पोलैंड और नीदरलैंड्स

यूनाइटेड कप का चौथा एडिशन पर्थ (2 जनवरी 2026 से) और सिडनी (3 जनवरी से) में खेला जाएगा। होस्ट शहर ग्रुप प्ले और क्वार्टर-फाइनल की मेजबानी करेंगे, जिसमें चार देश सिडनी में सेमीफाइनल (10 जनवरी) और फाइनल (11 जनवरी) में आगे बढ़ेंगे। 2026 यूनाइटेड कप में कुल प्राइज मनी और पार्टिसिपेशन फीस के तौर पर कम से कम 11,806,190 डॉलर दिए जाएंगे, जिसमें एटीपी और डब्ल्यूटीए खिलाड़ियों के लिए क्रमशः कम से कम 5,903,345 डॉलर होंगे।

मार्श करेंगे टी-20 विश्वकप के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम की कप्तानी

सिडनी, 1 जनवरी। ऑस्ट्रेलिया ने श्रीलंका और भारत में सात फरवरी से शुरु होने वाले आईसीसी पुरुष टी-20 विश्व कप 2026 के लिए 15 सदस्यों की प्रोविजनल टीम की घोषणा की है। मिचेल मार्श को टीम का कप्तान बनाया है साथ ही कई सीनियर खिलाड़ियों ने टीम में वापसी की है।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की वेबसाइट के अनुसार, चयनकर्ताओं ने महाद्वीप की स्थिति का अनुभव रखने वाले और बहुमुखी प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को देखते हुए विश्व कप के लिए टीम का चयन किया है। टीम में पैट कमिंस, कैमरन ग्रीन और कूपर कोनोली की वापसी हुई है। इस टीम में स्पिन की तरफ भी साफ झुकाव है, जिसमें एडम जम्पा को मैथ्यू कुहनेमन, कोनोली और स्पिन-कैपेबल ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल और मैथ्यू शॉर्ट को जगह दी गई है।

चयन समिति के अध्यक्ष जॉर्ज बेली ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया इस प्रारुप में टीम की लगातार सफलता के कारण स्पष्टता के साथ विश्व कप के लिये योजना को अंजाम दिया है। बेली ने कहा, टी-20 टीम ने हाल ही में काफी सफलता हासिल की है, जिससे पैनल को श्रीलंका और भारत में अलग-अलग तरह के हालात के हिसाब से खिलाड़ियों के चयन में मदद मिली। उन्होंने कहा कि पैट कमिंस, जॉश हेजलवुड और टिम डेविड अच्छा खेल रहे हैं, और हमें भरोसा है कि वे विश्व कप के लिए उपलब्ध होंगे। यह शुरुआती टीम है, इसलिए अगर बदलाव करने की जरूरत पड़ी, तो वे सपोर्ट पीरियड से पहले किए जाएंगे।

ऑस्ट्रेलिया ने मिचेल स्टार्क के अंतरराष्ट्रीय टी-20 से संन्यास और स्पेंसर जॉनसन के चोटिल होने के बाद प्रोविजनल ग्रुप में बाएं हाथ के तेज गेंदबाज को शामिल नहीं करने का फैसला किया है। नतीजतन, दाएं हाथ के तेज गेंदबाज जेवियर बार्टलेट को शामिल किया गया है और चयनकर्ताओं ने उन्हें बेन ड्वारशुइस जैसा एक विकल्प चुना है।

ऑस्ट्रेलियाई प्रोविजनल टीम इस प्रकार है:- मिशेल मार्श, जेवियर बार्टलेट, कूपर कोनोली, पैट कमिंस, टिम डेविड, कैमरन ग्रीन, नाथन एलिस, जॉश हेजलवुड, ट्रैविस हेड, जॉश इंग्लिस, मैथ्यू कुहनेमन, ग्लेन मैक्सवेल, मैथ्यू शॉर्ट, मार्कस स्टोइनिस और एडम जम्पा शामिल हैं। विश्व कप से पहले पाकिस्तान के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की टी-20 सीरीज के लिए अलग टीम की घोषणा अभी होनी है।

ऑस्ट्रेलिया के लिए एशेज के पांचवें टेस्ट में स्मिथ करेंगे कप्तानी

सिडनी, 1 जनवरी। ऑस्ट्रेलिया ने गुरुवार को इंग्लैंड के खिलाफ पांचवें और आखिरी एशेज टेस्ट की 15 सदस्यीय टीम के लिए स्टीव स्मिथ को कप्तान बनाया है। सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर चार जनवरी से शुरु होने वाले टेस्ट मैच में नियमित कप्तान पैट कमिंस की गैरमौजूदगी में, सीनियर बल्लेबाज स्टीव स्मिथ ऑस्ट्रेलियाई टीम की कप्तानी करेंगे।

कमिंस, जो पीठ के निचले हिस्से में चोट के कारण सीरीज के शुरुआती दो टेस्ट नहीं खेल पाए थे, एडिलेड टेस्ट में वापस आए और ऑस्ट्रेलियाई टीम की कप्तानी की। टीम प्रबंधन ने कमिंस के वर्कलोड को मैनेज करने और भारत और श्रीलंका में होने वाले आईसीसी पुरुष टी-20 विश्व कप 2026 से पहले उनकी फिटनेस सुनिश्चित करने के लिए सीरीज के बाकी मैचों के लिए इस तेज गेंदबाज को आराम देने का फैसला किया है। कमिंस को पहले ही इस वैश्विक टूर्नामेंट के लिए ऑस्ट्रेलिया की संभावित टीम में शामिल किया जा चुका है।

उस्मान ख्वाजा ने, अपने टेस्ट भविष्य को लेकर चल रही अटकलों के बीच, सिडनी टेस्ट के लिए टीम में अपनी जगह बनाए रखी है। 39 वर्षीय खिलाड़ी ने सीरीज की शुरुआत ऑस्ट्रेलिया के पहले पसंद के सलामी बल्लेबाज के तौर पर की थी, लेकिन उनका अभियान काफी उतार-चढ़ाव भरा रहा। ख्वाजा पीठ में ऐंठन के कारण पर्थ टेस्ट की दूसरी पारी में बल्लेबाजी नहीं कर पाए, ब्रिसबेन टेस्ट में पूरी तरह से बाहर रहे और स्मिथ की बीमारी के कारण नंबर चार पर बल्लेबाजी करने के लिए वापस बुलाए जाने से पहले उन्हें शुरू में एडिलेड में टीम से बाहर रखा गया था।

मेलबर्न में चौथे टेस्ट में ख्वाजा ने ट्रैविस हेड और जेक वेदरल्ड के साथ मध्य क्रम में खेला और दो पारियों में 29 और शून्य रन बनाए। कुल मिलाकर उन्होंने सीरीज में तीन मैचों में 30.60 की औसत से 153 रन बनाए हैं, जिसमें एडिलेड में एकमात्र अर्धशतक शामिल है। पांचवें एशेज टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम: स्टीव स्मिथ (कप्तान), स्कॉट बोलैंड, एलेक्स कैरी, ब्रेंडन डॉगेट, कैमरन ग्रीन, ट्रैविस हेड, जॉश इंगलिस, उस्मान ख्वाजा, मार्नस लाबुशेन, टॉड मर्फ़ी, माइकल नेसर, झाई रिचर्डसन, मिशेल स्टार्क, जेक वेदरल्ड और ब्यू वेबस्टर शामिल हैं।

भारतीय क्रिकेट जगत ने नए साल की बधाई के साथ 2026 का किया स्वागत

नई दिल्ली, 1 जनवरी। भारतीय क्रिकेट के बड़े नामों ने गुरुवार को नए साल की हार्दिक शुभकामनाएं दीं, और उम्मीद, हिम्मत और सकारात्मकता के संदेशों के साथ 2026 का स्वागत किया। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने भी शुभकामनाएं देते हुए कहा, ''सभी को नए साल की बहुत-बहुत शुभकामनाएं।'' अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद के अध्यक्ष जय शाह ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, फैंस को ''बाउंड्री से भरे साल'' की शुभकामनाएं दीं और उम्मीद जताई कि 2026 में सपने ''बड़ा स्कोर'' करेंगे। पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह ने एक प्रेरणा देने वाला संदेश साझा किया, जिसमें लोगों से खुद पर विश्वास बनाए रखने और अपना बेस्ट देने की कोशिश करते रहने की अपील की। युवराज ने कहा, ''जब दिन मुश्किल हो, तो आप पीछे नहीं हटते, आप उठते हैं और इसे फिर से करते हैं। उन्होंने कहा कि वह उन पलों, लोगों और अनुभवों के लिए शुक्रगुजार हैं जिन्होंने बीते साल को बनाया। पूर्व कप्तान अनिल कुंबले ने सभी को नए साल की शुभकामनाएं दीं और कहा, ''नई शुरुआत और सभी के लिए 2026 खुशहाल हो।''

एटीपी ने 2026 सीजन के लिए खिलाड़ी सलाहकार परिषद की घोषणा की

नई दिल्ली, 1 जनवरी। टेनिस पेशेवर संघ (एटीपी) ने गुरुवार को 2026 सीजन के लिए खिलाड़ी सलाहकार परिषद (प्लेयर एडवाइजरी काउंसिल) की घोषणा की। आज यहां मार्सेलो अरेवालो, जिजू बर्ग्स, नूनो बोर्गेस और झांग झिझेन को तीन वर्ष के कार्यकाल (2026-2028) के लिए परिषद का नया सदस्य चुना गया। जबकि मैकेंजी मैकडॉनल्ड को तीन साल के दूसरे कार्यकाल (यह भी 2026-2028) के लिए फिर से चुना गया है। वे 2026 परिषद में कैमिलो उगो कैराबेलि, पेड्रो मार्टिनेज, जौमे मुनार, आंद्रे रुब्लेव और एंड्रिया वावासोरी के साथ शामिल होंगे। एटीपी के अनुसार फेडरिको रिक्की परिषद में कोच प्रतिनिधि बने रहेंगे और निकोलस परेरा को पूर्व छात्र प्रतिनिधि के रूप में अपना पद बनाए रखा गया है। एटीपी खिलाड़ी सलाहकार परिषद का चयन वो खिलाड़ी करते है जिन्हें एक खास रैंकिंग कैटेगरी के लिए नामित किया जाता है।

मार्श, हार्डी ने हरिकेंस की घरेलू जीत का सिलसिला रोका

होबार्ट, 1 जनवरी। एक रिकॉर्ड-ब्रेकिंग नए साल के दिन के मुकाबले में, पर्थ स्कॉर्चर्स ने बल्लेबाजी का शानदार प्रदर्शन करते हुए होबार्ट हरिकेंस को 40 रनों से हरा दिया और घर पर उनकी लगातार नौ मैचों की जीत का सिलसिला खत्म कर दिया। मिशेल मार्श और आरोन हार्डी ने मिलकर 164 रनों की ऐतिहासिक साझेदारी की, जिससे स्कॉर्चर्स ने 229/3 का विशाल स्कोर बनाया - इस सीजन में यह उनका तीसरा 200 से ज़्यादा का स्कोर था - जिसके बाद गेंदबाजों ने मिलकर हरिकेंस को 189/9 पर रोक दिया।

हरिकेंस ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया, यह फैसला शुरू में सही लग रहा था जब नाथन एलिस ने फिन एलन को 16 रन पर आउट किया और मिशेल ओवेन ने कूपर कॉनोली को सिर्फ 4 रन पर आउट कर दिया। छठे ओवर की शुरुआत में जब स्कॉर्चर्स 2 विकेट पर 53 रन बनाकर लड़खड़ा रहे थे, तो हरिकेंस का पलड़ा भारी लग रहा था। हालांकि, जब मैथ्यू वेड ने 18 रन पर मिशेल मार्श का कैच छोड़ दिया, तो मैच का रुख पूरी तरह से बदल गया। यह हरिकेंस के लिए एक महंगा मौका था, क्योंकि मार्श एक आक्रामक बल्लेबाज बन गए।

मार्श ने 58 गेंदों में शानदार 102 रन बनाए, इस पारी में उन्होंने जिस पहली गेंद का सामना किया, उस पर क्रिस जॉर्डन को एक बड़ा छक्का लगाया। उनके साथ, हार्डी ने एक शानदार सहायक भूमिका निभाई, और सिर्फ 43 गेंदों में 94 रन बनाकर नाबाद रहे। दोनों ने मिलकर सिर्फ 84 गेंदों में तीसरे विकेट के लिए बीबीएल में एक नया साझेदारी रिकॉर्ड बनाया। उनकी शानदार हिटिंग के सामने हरिकेंस के गेंदबाजों के पास कोई जवाब नहीं था; जॉर्डन और रिले मेरेडिथ जैसे अनुभवी गेंदबाज भी दबाव में आ गए।

मार्श आखिरकार आखिरी ओवर में बाउंड्री पर कैच आउट हो गए, लेकिन तब तक नुकसान हो चुका था क्योंकि पर्थ ने मेजबान टीम के सामने एक बड़ा लक्ष्य रखा था। 230 रनों का पीछा करते हुए, हरिकेंस एक जुझारू प्रयास के बावजूद हमेशा आवश्यक रन रेट से पीछे रहे।

जीआर अकादमी जीती

जयपुर, 1 जनवरी। आशा देवी डागा टूर्नामेंट में जीआर अकादमी ने सीजीएसटी मुंबई और पीआर पब्लिसिटी को हराया। जीआर

अकादमी ने 5 विकेट पर 215 रन बनाए, जिसमें मैन ऑफ द मैच दिव्या गजराज ने नाबाद 98 रन बनाए और अनित राज मंडिया ने 42 रन का योगदान दिया। सीजीएसटी मुंबई की टीम 161 रन पर ऑलआउट हो गई, जिसमें श्रीराज घराट ने 34 रन बनाए। हेमंत चौधरी ने 2 विकेट लिए और रोहित खिचर ने 3 विकेट हासिल किए। दूसरे मैच में, जो प्रति पक्ष 15 ओवर का कर दिया गया था, जीआर अकादमी ने 5 विकेट पर विशाल 241 रन बनाए। इसमें दिव्या गजराज ने 34 गेंदों में 67 रन और कुणाल सिंह राठौड़ ने 31 गेंदों में 11 छक्कों की मदद से 89 रन बनाए। जवाब में पीआर पब्लिसिटी की टीम 7 विकेट पर 148 रन ही बना सकी। यश कोठारी ने 35 रन बनाए और अनुप गुर्जर ने 16 गेंदों में 51 रन बनाए। कुणाल सिंह राठौड़ को मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया। कल सेमीफाइनल में खेलने के लिए एलिमिनेटर मैच कृष्णा अकादमी और सीजीएसटी मुंबई के बीच खेला जाएगा।

मर्फी की नजर सिडनी में स्पिनरों के लिए बड़ी भूमिका पर

सिडनी, 1 जनवरी। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच चल रही एशेज सीरीज में स्पिन का ज़्यादा रोल नहीं रहा है, लेकिन ऑफस्पिनर टॉड मर्फ़ी को उम्मीद है कि सीरीज के आखिरी टेस्ट में ऐसा नहीं होगा, जो सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर खेला जाना है, यह एक ऐसा मैदान है जिसने ऐतिहासिक रूप से स्पिनरों का साथ दिया है।

जबकि इंग्लैंड ने अब तक चार टेस्ट में अपने मुख्य स्पिनर शोएब बशीर को खिलाने के लालच से खुद को रोका है, वहीं नाथन लियोन की भी ऑस्ट्रेलिया के लिए सीमित भूमिका रही है। हालांकि, लियोन के चोटिल होने और सिडनी में मर्फ़ी के लिए मौके की उम्मीद के साथ, ऑफस्पिनर के पास यह मानने के कारण हैं कि घरेलू टेस्ट में उनकी बड़ी भूमिका होगी।

मर्फ़ी ने गुरुवार को कहा, ''मुझे नहीं लगता कि सीरीज शुरू होने से पहले ऐसी कोई प्लानिंग या विचार था कि स्पिन की कोई भूमिका नहीं होगी।मुझे लगता है कि यह बस ऐसा ही हुआ है। मुझे लगता है कि यह साल दर साल बदलेगा। अगले साल यह पूरी तरह से अलग हो सकता है।''

मर्फ़ी ने अब तक 7 टेस्ट में 22 विकेट लिए हैं, जिनमें से सभी घर से बाहर लिए गए हैं। ऑस्ट्रेलिया के लिए उनका आखिरी मैच फरवरी 2025 में गाले में हुआ था। घर पर, फरवरी 2023 में डेब्यू करने के बाद से, उन्हें लियोन के स्पिन विभाग की अगुवाई करने के कारण अपनी बारी का इंतज़ार करना पड़ा है। लेकिन यह इंतज़ार उनके लिए कोई हैरानी की बात नहीं थी।

राशि सिंघल बनी चैम्पियन पद्मजा 2 वर्ग के फाइनल में मुदित पांडे ने लुड़काई प्रथम वरीयता

जयपुर, 1 जनवरी। सवाई मानसिंह स्टेडियम पर चल रहे श्री ओ एन दीक्षित जिला बैडमिंटन में आज अंडर 13 बॉयज के मुकाबले में मुदित पांडे ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पहली वरीयता के अनिस चाहर को आसान गमों में 21-8, 21-10 से परास्त किया सेमीफाइनल में प्रवेश किया जहां उन्होंने प्रणब मूलचंदानी को 21-13, 21-7 से हरा फाइनल में प्रवेश किया दूसरे सेमीफाइनल में वेदहै जैन ने नैतिक बंसल को 21- 10, 21 -12 से परास्त कर फाइनल में जगह बनाई आज खेले गए। एकमात्र 11 गर्ल्स फाइनल में राशि सिंघल ने दो आसान गेम में रूहानी यादव को 21 -5 21- 7 से हारा अंडर 11 गर्ल्स का खिताब जीता बॉयज अंडर 11 में सेमीफाइनल में नैतिक बसल ने हीमाक्ष को 21-13 21 -14 तथा दूसरे सेमीफाइनल में लक्षित रेवार ने शिव चौहान को 21 -12, 21- 17 से परास्त किया वहीं पदमजा सिंह अपना पुराना शानदार प्रदर्शन दोहराते हुए अडर 13 व अंडर 17 के फाइनल में प्रवेश किया अंदर 13 के सेमीफाइनल में पदमजा मोहिका कौशल को 21-9, 21-3 तथा अंदर 17 की सेमीफाइनल में वर्षा सिंह को 21 -10, 21- 14 से हरा दोनों वर्ग के फाइनल में प्रवेश किया वहीं दूसरी सेमीफाइनल में आराध्या बिश्नोई ने हनिका को 21-17 ,21-17 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया अंडर 17 सेमीफाइनल में अद्विका शर्मा ने पर्ल पारीक को लगभग 45 मिनट चले एक कड़े संघर्ष में 28-26, 21 -17 से परास्त किया लड़कों के अंडर 15 में तपेश्वर पूनिया, जिज्ञास, मनाविक भारद्वाज व निखिल नाथ सेमीफाइनल में पहुंचे वहीं अंदर 15 गर्ल्स सेमीफाइनल में पद्मजा, ओजस्विता ,आराध्या शर्मा, आराध्या ढींगरा ने सेमी फाइनल मे प्रवेश किया बॉयज अंडर 17 के सेमीफाइनल में भव्य अग्रवाल ,रूद्र देवन्दा सत्यम गुर्जर व अक्षत शेखावत ने प्रवेश किया आयोजन सचिव अतुल गुप्ता के अनुसार कल अंडर 11 व 13 बॉयज फाइनल तथा अंडर 13-17 गर्ल्स का फाइनल खेला जाएगा तथा शेष सभी एकल मैच कल खेले जाएंगे। अतुल गुप्ता के अनुसार दोपहर 11:00 बजे से डबल्स व मिक्स डबल्स के मैच शुरू हो जाएंगे तथा शाम 5:00 बजे से वेटरन के मैच खेले जाएंगे।

अस्पताल में ठीक हो रहे हैं ब्राजील के लीजेंड रॉबर्टो कार्लोस

रियो डी जेनेरो, 1 जनवरी। ब्राज़ील और रियल मैड्रिड के लीजेंड रॉबर्टो कार्लोस ''अच्छी तरह से ठीक हो रहे हैं। एक मेडिकल प्रोसीजर के बाद, जिसे उन्होंने ''एक बचाव के लिए मेडिकल प्रोसीजर'' बताया। 52 साल के पूर्व लेफ्ट-बैक ने अपने इंस्टाग्राम पेज के जरिए फैंस को अपनी हालत के बारे में बताया, जिसमें अस्पताल के बिस्तर पर मुस्कुराते हुए उनकी एक तस्वीर भी थी। उन्होंने उन अफवाहों का भी खंडन किया कि उन्हें दिल का दौरा पड़ा था।

उन्होंने लिखा, ''मैं हाल ही में चल रही जानकारी को साफ करना चाहता हूं। मैंने हाल ही में एक बचाव के लिए मेडिकल प्रोसीजर करवाया, जिसकी योजना मेरी मेडिकल टीम के साथ पहले से बनाई गई थी। प्रोसीजर सफल रहा, और मैं ठीक हूं। मुझे दिल का दौरा नहीं पड़ा।मैं अच्छी तरह से ठीक हो रहा हूं, और जल्द ही पूरी तरह से फिट होकर अपने प्रोफेशनल और पर्सनल कामों को फिर से शुरू करने का इंतजार कर रहा हूं। ''मैं सपोर्ट, देखभाल और चिंता के मैसेज के लिए सभी को दिल से धन्यवाद देता हूं। मैं सभी को भरोसा दिलाना चाहता हूं कि चिंता की कोई बात नहीं है।मेरी देखभाल करने वाली पूरी मेडिकल टीम को मेरा दिल से धन्यवाद।'' कार्लोस ने रियल मैड्रिड के लिए 527 मैचों में चार ला लीगा खिताब और तीन चैंपियंस लीग जीते, और 2002 में ब्राज़ील के साथ वर्ल्ड कप जीता। फ्री-किक स्पेशलिस्ट के तौर पर मशहूर, उनके दूसरे क्लबों में पाल्मेरास, इंटर मिलान, फेनरबाचे और कोरिंथियंस शामिल थे।

एमबाप्पे के घुटने की चोट रियल मैड्रिड के लिए एक बड़ा झटका

मैड्रिड, 1 जनवरी। रियल मैड्रिड को 2025 के अंत में बुरी खबर मिली है, क्लब ने पुष्टि की है कि टॉप स्कोरर किलियन एमबाप्पे को ट्रेनिंग के दौरान घुटने में चोट लग गई है। इस वजह से वह रविवार को बेटिस के खिलाफ घर पर होने वाले ला लीगा मैच से बाहर रहेंगे और सऊदी अरब में होने वाले स्पेनिश सुपरकप में भी उनके खेलने पर संदेह है। क्लब ने अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर बताया, ''हमारे खिलाड़ी किलियन एमबाप्पे पर रियल मैड्रिड मेडिकल सर्विसेज द्वारा आज किए गए टेस्ट के बाद, उनके बाएं घुटने में मोच का पता चला है।'' जैसा कि रियल मैड्रिड के साथ आम तौर पर होता है, मेडिकल रिपोर्ट में यह नहीं बताया गया कि फ्रांसीसी स्ट्राइकर कब वापसी करेंगे, बस इतना कहा गया कि ''उनकी प्रगति पर नजर रखी जाएगी।'' हालांकि, यह तथ्य कि रियल मैड्रिड 8 जनवरी को जेद्दा में सुपरकप के दूसरे सेमीफाइनल में एटलेटिको के खिलाफ खेलेगा, इसका मतलब है कि उनके पास ठीक होने के लिए बहुत कम समय है और उन्हें इस प्रतियोगिता के लिए एक बड़ा संदिग्ध माना जाना चाहिए, जिसका फाइनल 11 जनवरी को है। ज़्यादातर लोगों का मानना है कि सऊदी अरब में रियल मैड्रिड के कोच ज़ाबी अलोंसो की नौकरी दांव पर लगी है और टीम अपने स्टार खिलाड़ी के बिना अलोंसो के भविष्य के लिए खेल सकती है। एमबाप्पे ने इस सीजन में रियल मैड्रिड के 25 मैचों में से 24 में खेला है, जिस एकमात्र मैच में वह नहीं खेले थे, उसमें चैंपियंस लीग में मैनचेस्टर सिटी के खिलाफ घर पर 2-1 से हार मिली थी। उन्होंने 18 ला लीगा मैचों में 18 गोल (रियल मैड्रिड के कुल 36 गोल का आधा) और पांच चैंपियंस लीग खेलों में नौ और गोल किए हैं।

2026 में पूरी तरह फिट रहना चाहते हैं सितसिपास

पर्थ, 1 जनवरी। एटीपी रैंकिंग में पूर्व नंबर 3 खिलाड़ी 2025 सीजन के दूसरे हाफ में पीठ की चोट से जूझ रहे थे और सितंबर में डेविस कप में ग्रीस के लिए दो सिंगल्स मैच खेलने के बाद उन्होंने फिर से कोई मुकाबला नहीं खेला। सितसिपास ने ठीक होने पर ध्यान केंद्रित करने के लिए ब्रेक लिया और अब पर्थ में आराम और तरोताज़ा महसूस कर रहे हैं, जहाँ वह सीजन की शुरुआत में होने वाले यूनाइटेड कप में टीम ग्रीस का प्रतिनिधित्व करने की तैयारी कर रहे हैं। त्सित्सिपास ने गुरुवार को टीम ग्रीस की टूर्नामेंट से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, ''मैंने ठीक होने में कुछ समय बिताया। मैं लंबे समय तक कोर्ट से दूर रहा। सीज़न के आखिरी तीन या चार टूर्नामेंट में मैं मुश्किल से खेल पा रहा था। इसलिए यह महत्वपूर्ण था कि कुछ ऐसा किया जाए जिससे मैं फिर से स्वस्थ होकर वापस आ सकूँ।

उन्होंने कहा, ''मैंने ठीक होने और वापस उसी स्थिति में आने के लिए सभी जरूरी कदम उठाए। तो अब तक मुझे लगता है कि यह बहुत अच्छा फीडबैक है, यह जानते हुए कि मैंने अपना पूरा प्री-सीजन बिना किसी दर्द, बिना किसी परेशानी के पूरा किया है। मुझे उम्मीद है कि यह ऐसा ही रहेगा और मैं यूनाइटेड कप से इसकी शुरुआत करूँगा और उम्मीद है कि 2026 सीजन के लिए भी ऐसा ही रहेगा।''

12 बार के टूर-लेवल चैंपियन सितसिपास ने 2025 में 22-16 का रिकॉर्ड बनाया। 27 वर्षीय खिलाड़ी उस शारीरिक बुनियाद को फिर से बनाने की कोशिश कर रहे हैं जिस पर उनका जबरदस्त खेल हमेशा आधारित रहा है।

सितसिपास ने, ''जिस चीज को लेकर मैं सबसे ज़्यादा उत्साहित हूँ, वह है पिछले कुछ हफ़्तों में की गई अपनी असल ट्रेनिंग को देखना और यह देखना कि यह मेरी पीठ के मामले में कैसा रिस्पॉन्स देती है, क्योंकि मेरी सबसे बड़ी चिंता यह रही है: क्या मैं सच में एक मैच पूरा कर पाऊँगा?'' उन्होंने कहा, पिछले छह से आठ महीनों से मेरे मन में यही चल रहा था। मैं लगातार सोच रहा था, अगर मैं कोई मैच जीतता हूं, तो क्या मैं अगले दिन वापस आकर बिना दर्द के दूसरा मैच खेल पाऊंगा?

यूएस ओपन में अपनी पीठ की चोट के कारण हारने के बाद मैं सच में बहुत डर गया था, क्योंकि मैं दो दिनों तक चल भी नहीं पा रहा था। जब ऐसी चीजें होती हैं, तो आप अपने करियर के भविष्य के बारे में फिर से सोचने लगते हैं। मुझे बस उम्मीद है कि 2026 में ऐसा कुछ नहीं होगा। मैं असल में दुनिया के सबसे अच्छे स्पोर्ट्स डॉक्टरों में से एक के पास गया था, और उन्होंने अब तक मुझे ठीक करने का वादा किया है। मुझे उम्मीद है कि यह 2026 तक बना रहेगा। 2026 के लिए मेरी सबसे बड़ी इच्छा यही है कि मैं मैच खत्म कर सकूं और अपनी पीठ से जुड़ी किसी भी समस्या के बारे में न सोचना पड़े। 2026 में सितसिपास का पहला प्रतिद्वंद्वी शिनतारो मोचिज़ुकी होगा। इस जोड़ी का पहला लेक्सस एटीपी हेड2हेड मुकाबला मारिया सकारी और नाओमी ओसाका के बीच एक हेवीवेट डब्ल्यूटीए मुकाबले के बाद होगा, जब टीम ग्रीस और टीम जापान शुक्रवार रात को आरएसी एरिना में आमने-सामने होंगी।

टी-20 वर्ल्ड कप 2026 के लिए अफगानिस्तान की टीम घोषित, राशिद खान कप्तान

नई दिल्ली, 1 जनवरी। अफगानिस्तान ने टी-20 वर्ल्ड कप 2026 के लिए 15 सदस्यीय टीम का ऐलान कर दिया है। टीम की कप्तानी राशिद खान को सौंपी गई है, जबकि इब्राहिम जादरान उपकप्तान होंगे। वर्ल्ड कप से पहले यह टीम में वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन मैचों की टी-20 सीरीज भी खेलेगी। फजलहक फारूकी और गुलबदीन नईब की वापसी टीम में तेज गेंदबाज फजलहक फारूकी और ऑलराउंडर गुलबदीन नईब की वापसी हुई है। दोनों खिलाड़ियों को इससे पहले बांग्लादेश दौरे से बाहर रखा गया था। इसके अलावा मुजीब उर रहमान और नवीन-उल-हक को भी स्क्वॉड में जगह मिली है। टी-20 वर्ल्ड कप 2024 में सेमीफाइनल तक पहुंची थी टीम पिछले टी-20 वर्ल्ड कप में अफगानिस्तान ने पहली बार सेमीफाइनल तक का सफर तय किया था। टीम ने न्यूजीलैंड, वेस्टइंडीज, ऑस्ट्रेलिया और बांग्लादेश जैसी मजबूत टीमों को हराया था। वेस्टइंडीज सीरीज से तय होगा टीम कॉम्बिनेशन अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड के नसीब खान ने कहा, पिछले वर्ल्ड कप का प्रदर्शन हमारे लिए गर्व का विषय है। एशियाई परिस्थितियों में हम और बेहतर खेलने की उम्मीद कर रहे हैं। वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज से हमें सही टीम कॉम्बिनेशन तय करने में मदद मिलेगी। अफगानिस्तान और वेस्टइंडीज के बीच टी-20 सीरीज 19 से 22 जनवरी तक खेली जाएगी। ग्रुप और पहला मुकाबला टी-20 वर्ल्ड कप 2026 में अफगानिस्तान को ग्रुप में रखा गया है।

मुख्यमंत्री ने प्रदेश की खुशहाली के लिए श्रीनाथ जी की विशेष पूजा की

पूंछरी के श्रीनाथ जी मंदिर परिसर में पक्षियों के दाना-पानी के लिए निर्मित पक्षी घर का भी उद्घाटन किया

डीग, भरतपुर, 1 जनवरी (निस)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने नववर्ष 2026 का शुभारंभ अपने आराध्य देव की आराधना और मूक प्राणियों की सेवा के साथ किया। गुरुवार को डीग जिले के पूंछरी स्थित सुप्रसिद्ध श्रीनाथ जी मंदिर में मुख्यमंत्री ने सपरिवार विशेष पूजा-अर्चना की और प्रदेश की निरंतर प्रगति, सुख-समृद्धि एवं खुशहाली के लिए मंगलकामना की।

मुख्यमंत्री ने अपनी धर्मपत्नी के साथ पूर्ण विधि-विधान और वैदिक परंपराओं के अनुसार श्रीनाथ जी महाराज का पंचामृत अभिषेक किया। इसके पूर्व, मुख्यमंत्री ने श्रीनाथ जी के मुखारविंद का विशेष श्रृंगार और पूजन किया। मंत्रोच्चार के बीच संपन्न हुए इस अनुष्ठान में मुख्यमंत्री ने आहुतियां दीं। इस अवसर पर मंदिर परिसर को विशेष रूप से फूलों और विद्युत सज्जा से सजाया गया था। नववर्ष पर दर्शन हेतु आए हजारों श्रद्धालुओं ने मुख्यमंत्री का अभिवादन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री शर्मा ने श्रद्धालुओं को प्रसाद भी वितरित किया।

मुख्यमंत्री ने मंदिर परिसर में नवनिर्मित पक्षी-घर का विधिवत उद्घाटन किया। यह पक्षी-घर क्षेत्र के पक्षियों के लिए दाना-पानी और सुरक्षित आश्रय का केन्द्र बनेगा।

पक्षी-घर का लोकार्पण समारोह स्वामी चंद्र प्रकाश मुखिया महाराज की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मूक प्राणियों की सेवार्थ आगे आने वाले स्थानीय भामाशाहों की सराहना की।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने नववर्ष 2026 के शुभारंभ पर डीग के पूंछरी स्थित श्रीनाथ जी मंदिर में सपरिवार पूजा-अर्चना की और प्रदेश में खुशहाली के लिए मंगलकामना की।

- **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अपनी धर्मपत्नी के साथ पूर्ण विधि विधान और वैदिक परम्पराओं के साथ श्रीनाथ जी का पंचामृत अभिषेक किया। उन्होंने श्रद्धालुओं को प्रसाद भी वितरित किया।**

विदित हो कि इस पक्षी-घर के निर्माण में स्वतंत्रता सेनानी स्व. रघुनाथ प्रसाद, स्व. प्रेमवती, स्व. भगवती देवी एवं स्व. बालस्वरूप अटोलिया सहित, अन्य पुण्यात्माओं की स्मृति में उनके परिजनों ने आर्थिक सहयोग दिया है।

कार्यक्रम में गृह, गौपालन, पशुपालन, डेयरी तथा मत्स्य विभाग राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद थे। प्रशासनिक अधिकारियों में संभागीय आयुक्त भरतपुर डॉ. नलिनी कठोतिया, जिला कलेक्टर डीग उत्सव कौशल, जिला कलेक्टर भरतपुर कमर चौधरी, जिला पुलिस अधीक्षक डीग ओम प्रकाश मीना और अतिरिक्त जिला कलेक्टर डीग राजकुमार कस्वां सहित, अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

कॉमर्शियल सिलेंडर 111 रु. महंगा

नई दिल्ली, 01 जनवरी। साल 2026 की शुरुआत के साथ ही महंगाई ने झटका दे दिया है। 1 जनवरी 2026 से सरकार ने एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में बढ़ोतरी कर दी है। हालांकि राहत की बात यह है कि यह बढ़ोतरी सिर्फ कॉमर्शियल गैस सिलेंडर (19 किलो) में की गई है, जबकि घरेलू रसोई गैस सिलेंडर (14.2 किलो) के दाम जस के तस रखे गए हैं।

तेल विपणन कंपनियों ने नए साल पर वाणिज्यिक रसोई गैस सिलेंडर की कीमत में करीब 111 रुपये (लगभग 7 प्रतिशत) की बढ़ोतरी की है। देश की सबसे बड़ी तेल विपणन कंपनी इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन की वेबसाइट के अनुसार, दिल्ली में 19 किलोग्राम वाला कॉमर्शियल गैस सिलेंडर अब 1,691.50 रुपये का हो गया है, जो जून 2025 के बाद का सबसे ऊंचा स्तर है। दिसंबर 2025 में इसकी कीमत 1,580.50 रुपये थी। इससे पहले दिसंबर में सिलेंडर 10 रुपये और नवंबर में 5 रुपये सस्ता हुआ था।

- **अब इसकी कीमत 1691.50 रु. हो गई है जो जून 2025 के बाद सर्वाधिक है।**

करोड़ों रूपए ठगी करने वाले गिरोह का मास्टर माइंड गिरफ्तार

एसओजी ने ठगी के लिए सॉफ्टवेयर, वैबसाइट व डिजिटल करैंसी तैयार करने वाले को पकड़ा

जयपुर, 1 जनवरी। सोशल मीडिया के जरिए निवेश के नाम पर ठगी करने और कम दाम में लग्ज़री गाड़ियां दिलाने का झांसा देकर करोड़ों रुपये की धोखाधड़ी करने वाले गिरोह पर स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने शिकंजा कस दिया है। एसओजी ने इस मामले में उत्तराखंड के रुड़की से एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है,जो ठगी के मास्टरमाइंड और कथित सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर बंशीलाल उर्फ प्रिंस सैनी को तकनीकी सहयोग उपलब्ध करा रहा था, फिलहाल आरोपी से पूछताछ जारी है।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एसओजी) विशाल बंसल ने बताया कि निवेश के नाम पर फ्रॉड करने और सस्ती लग्जरी गाड़ियां देने का झांसा देने वाले मुख्य आरोपी बंशीलाल उर्फ प्रिंस सैनी को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। अब उसके लिए सॉफ्टवेयर, वेबसाइट और डिजिटल करेंसी तैयार करने वाले आरोपी रजनीश कुमार (37) निवासी रुड़की, जिला हरिद्वार (उत्तराखंड) को गिरफ्तार किया गया है।

- **आरोपियों ने निवेशकों को लुभाने के लिए 5.90 लाख रूपए में स्कॉपियो तथा 12 लाख रूपए में फॉर्च्यूनर गाड़ियाँ देने का झांसा दिया और इसका सोशल मीडिया पर व्यापक प्रचार किया।**

एसओजी एडीजी ने बताया कि मुख्य आरोपी प्रिंस सैनी ने रजनीश कुमार से मिलीभगत कर वेबसाइट तैयार करवाई। इसमें 250 रुपए से आईडी बनाकर करीब 82 हजार लोगों को जोड़ा गया, जिससे लगभग 2 करोड़ रुपए की राशि एकत्र की गई।

इसके बाद, प्रिंस सैनी ने हार्वेस्ट एआई टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड नाम से कंपनी बनाकर स्वयं निदेशक और अपनी मंगेतर को सह-निदेशक बनाया। कंपनी की सोशल मीडिया एप्लिकेशन, डिजिटल करेंसी 'एचवीटी कॉइन' बनाने और उसे लिस्ट करवाने के लिए भी आरोपी रजनीश कुमार की मदद ली गई।

आरोपियों ने निवेशकों को लुभाने के लिए 5.90 लाख रुपए में स्कॉर्पियो और 12 लाख रुपए में फॉर्च्यूनर देने का झांसा दिया और इसका सोशल मीडिया पर व्यापक प्रचार किया।

डिजिटल करेंसी एचवीटी में निवेश के नाम पर आईडी बनाने के लिए लोगों से 2360 रुपए लिए गए। इस तरह 336 ट्रांजेक्शन के जरिए करीब 4.92 करोड़ रुपए बटोरे गए। इसके अलावा, करीब 40 लोगों से इकरारनामा कर कंपनी में निवेश भी करवाया गया।

जांच में सामने आया कि आरोपियों ने 15 अक्टूबर 2025 को भोपालगढ़ में 'डबल सेंचुरी रिवार्ड सेरेमनी' आयोजित की। इसमें 250 स्कॉर्पियो गाड़ियां देने का झांसा देकर 251 लोगों से करीब 15 करोड़ रुपए इकट्ठा कर लिए गए। यह पूरी राशि गबन कर ली गई।

बांग्लादेश में एक और हिंदू पर जानलेवा हमला

खोकन दास पर पहले धारदार हथियार से वार किया फिर ज़िंदा जलाने की कोशिश की गई

ढाका, 01 जनवरी। बांग्लादेश के शरियतपुर जिले के दामुद्या इलाके में बुधवार रात एक दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई। बाजार बंद कर घर लौट रहे एक कारोबारी पर बदमाशों ने हमला कर दिया। पहले बेरहमी से पिटाई की गई, फिर धारदार हथियार से वार किया गया और आखिर में शरीर पर पेट्रोल डालकर आग लगा दी गई। गंभीर हालत में कारोबारी को ढाका रेफर किया गया है।

घायल कारोबारी की पहचान 50 वर्षीय खोकन चंद्र दास के रूप में हुई है। वे केनश्वर यूनियन के केउरभंगा बाजार में दवा और मोबाइल बैंकिंग का कारोबार करते हैं। पुलिस के मुताबिक, बुधवार रात करीब 9:30 बजे दुकान बंद कर वे दिन की कमाई लेकर सीएनजी ऑटो से घर लौट रहे थे। इसी दौरान दामुद्या-शरियतपुर रोड पर केउरभंगा बाजार के पास बदमाशों ने ऑटो रुकवाया और उन पर हमला कर दिया।

- **हमलावरों द्वारा पैट्रोल डालकर आग लगाने के बाद खोकन पास ही के तालाब में कूद गए, फिलहाल वे ढाका के अस्पताल में जिंदगी और मौत से जूझ रहे हैं।**

पुलिस सूत्रों के अनुसार, बदमाशों ने पहले खोकन चंद्र दास की पिटाई की। इसके बाद उन पर धारदार हथियार से हमला किया गया, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। यहीं नहीं रुके हमलावर, बल्कि उन्होंने खोकन के सिर पर पेट्रोल डाला और आग लगा दी। अचानक हुए इस हमले से इलाके में अफरा-तफरी मच गई।

जान बचाने के लिए खोकन चंद्र दास सड़क किनारे स्थित एक तालाब में कूद गए। आसपास मौजूद लोगों के शोर मचाने पर हमलावर मौके से फरार हो गए। स्थानीय लोगों ने तुरंत उन्हें बाहर निकाला और रात करीब 10 बजे शरियतपुर सदर अस्पताल पहुंचाया। प्राथमिक इलाज के बाद हालत बिगड़ने पर उन्हें उसी रात ढाका भेज दिया गया।

घायल की पत्नी सीमा दास ने बताया कि उनके पति रोज की तरह दुकान बंद कर घर लौट रहे थे। उन्होंने कहा कि उनके पति ने दो हमलावरों को पहचान लिया था, इसी वजह से बदमाशों ने उनकी हत्या की नीयत से पेट्रोल डालकर आग लगा दी।

दामुद्या थाने के प्रभारी अधिकारी मोहम्मद रबीउल हक ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। जांच में दो आरोपियों की पहचान की गई है, जिनके नाम रब्बी और सोहाग बताए गए हैं। दोनों स्थानीय निवासी हैं। पुलिस उन्हें गिरफ्तार करने की कोशिश में जुटी है।

'2000 ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

खड़गे ने सोशल मीडिया एक्स पर शुभकामना संदेश पोस्ट करते हुए कहा, "इस उल्लासपूर्ण नववर्ष पर आप सभी को मेरी हार्दिक शुभकामनाएं। आइए, नया साल, कमजोर वर्गों के अधिकारों, काम का अधिकार, वोट का अधिकार और गरिमा के साथ जीवन जीने के अधिकार की रक्षा के लिए जन आंदोलन बने।"

गांधी ने भी अपनी हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा, "आप सभी को नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं। नया साल आपके जीवन में अपार खुशियां, उत्तम स्वास्थ्य और सफलता लेकर आए। सभी को नववर्ष 2026 की बहुत-बहुत शुभकामनाएं!"

'सबको अपने घर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सामाजिक सौहार्द का प्रतीक रहा है। उन्होंने कहा "यह सही है कि भारत सामाजिक सौहार्द और एकता का प्रतीक है। हर नागरिक, जाति, धर्म, लिंग और भाषा से परे, एक सामान्य लक्ष्य साझा करता है। जाति केवल समाज और राष्ट्र की सेवा के प्रतीक के रूप में अस्तित्व में है," हालांकि, विपक्ष ने भाजपा पर हमला करते हुए सवाल उठाया कि भागवत किसकी विचारधारा का प्रतिनिधित्व करते हैं। आरजेडी के सांसद मनोज झा ने कहा, "उनके विस्तृत बयान के बाद, पहले उन्हें किसे अपनी बातें सुनानी चाहिए? वे किसकी विचारधारा का प्रतिनिधित्व करते हैं, और कौन सी राजनीतिक पार्टी उनसे प्रेरित होती है? यह तो भाजपा है, है न?"

झा ने त्रिपुरा के छात्र के कथित नस्ली उत्पीड़न का हवाला देते हुए कहा, "अभी, उनके अपने राज्य उत्तराखंड में, त्रिपुरा का एक बच्चा मारा जाता है। पर मैंने इस पर उनका एक बयान भी नहीं सुना। जिस नग्न रूप में भाषाई और नस्ली भेदभाव हो रहा है, जब इतना जहर बोया जा रहा था, वे लगातार चुप रहे। अब वह जहर हर नथुने, हर फेफड़े तक पहुंच चुका है।"

कांग्रेस नेता राशिद अल्वी ने सवाल उठाया कि भागवत भाजपा नेताओं को क्यों नहीं कहते कि वे "दक्षिण भारत के लोगों पर हिंदी भाषा को जबरदस्ती थोपना बंद करें। मोहन भागवत के बयान से कोई फर्क नहीं पड़ेगा। उन्हें यह अपनी पार्टी और भाजपा नेताओं को समझाना चाहिए।"

एयर मार्शल कपूर वायु सेना में नए उप प्रमुख बने

नयी दिल्ली, 01 जनवरी। एयर मार्शल नागेश कपूर ने गुरुवार को भारतीय वायु सेना के उप प्रमुख का कार्यभार संभाल लिया। उन्हें एयर मार्शल नर्मदेश्वर तिवारी के स्थान पर इस पद पर नियुक्त किया गया है, जो 40 वर्षों की गौरवशाली और विशिष्ट सेवा के बाद बुधवार को सेवानिवृत्त हो गये। सर्वोत्तम युद्ध सेवा पदक, परम विशिष्ट सेवा पदक, अति विशिष्ट सेवा पदक, विशिष्ट सेवा पदक से अलंकृत एयर मार्शल कपूर ने दिसंबर 1985 में राष्ट्रीय रक्षा अकादमी से स्नातक उपाधि प्राप्त की और 6 दिसंबर 1986 को भारतीय वायु सेना की युद्धक विमान इकाई में शामिल हुए।

राहुल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

को नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं। नया साल आपके जीवन में अपार खुशियां, उत्तम स्वास्थ्य और सफलता लेकर आए। सभी को नववर्ष 2026 की बहुत-बहुत शुभकामनाएं!"

भाजपा सुनियोजित तरीके ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पिछले कुछ वर्षों में, भाजपा ने पुराने छत्रपों के स्थान पर नए मुख्यमंत्री और नए प्रदेश अध्यक्षों के लाने का प्रयोग किया है।

पिछले साल अक्टूबर में, गुजरात सरकार के पूरे मंत्रिमंडल का पुनर्गठन किया गया था, जिसमें 25 नए मंत्रियों ने शपथ ली थी। बिहार चुनावों के बाद, पार्टी ने राज्य सरकार में आधे से अधिक पुराने मंत्रियों को बदल दिया।

सूत्रों ने बताया कि इस बीच, पार्टी ऐसे नेताओं का एक पूल तैयार करने की प्रक्रिया में है, जो आने वाले 20 वर्षों में 2047 के रोडमैप पर पार्टी को नेतृत्व दे सकें। सूत्रों ने यह भी कहा कि मकर संक्रांति के बाद केन्द्रीय मंत्रिमंडल में भी फेरबदल संभावित है, जहाँ फिर से नए चेहरों पर ध्यान केन्द्रित किया जाएगा।

साथ ही, राज्यसभा में भाजपा की सदस्य संख्या इस वर्ष बढ़ने की संभावना है। अप्रैल में संसद के उच्च सदन की 37 सीटें खाली होनी हैं। वर्तमान में भाजपा के पास इन सीटों में से नौ सीटें हैं। लेकिन बिहार, महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ में भाजपा को हुए चुनावी लाभ के कारण, भाजपा सांसदों की संख्या बढ़ने की संभावना है।

- **प्र.मंत्री मोदी ने लाल किले से स्वतंत्रता दिवस पर दिए भाषण में एक लाख युवाओं को पार्टी से जोड़ने का लक्ष्य रखा था। ये वो युवा लड़के होंगे, जिनका अब तक राजनीति से कोई संबंध नहीं रहा है।**
- **पुराने स्थापित नेताओं की जगह, युवा नेताओं को आगे लाने की नीति के तहत ही भाजपा ने गुजरात में पूरे मंत्रिमंडल को बदलकर, नया मंत्रिमंडल गठित किया, युवा नेताओं को प्राथमिकता देते हुए।**
- **इसी प्रकार बिहार में सरकार बनाने के बाद, पार्टी ने पुराने मंत्रिमंडल के आधे से ज्यादा मंत्रियों, जो विधायक चुने गये थे, को रिटायर कर, युवा नेताओं को मंत्रिमंडल का सदस्य बनाया।**

उत्तराखंड के वरिष्ठ कांग्रेसी नेता हरीश रावत चुनाव नहीं लड़ेंगे

नयी दिल्ली, 01 जनवरी। कांग्रेस कार्य समिति के सदस्य , उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री एवं पूर्व केन्द्रीय मंत्री हरीश रावत ने गुरुवार को कहा कि वे अब कोई चुनाव नहीं लड़ेंगे, लेकिन अगले विधानसभा चुनाव में उत्तराखंड में कांग्रेस को बहुमत से जिताने के लिए पूरी ताकत से पार्टी के साथ खड़े रहेंगे।

रावत ने यहां पत्रकारों से कहा कि उन्होंने तय कर लिया है कि वे अब चुनाव नहीं लड़ेंगे, लेकिन कांग्रेस उत्तराखंड में अगला विधानसभा चुनाव जीते, इसके लिए वे अपने अनुभव का पूरा इस्तेमाल करेंगे और पार्टी उम्मीदवारों के साथ सक्रिय रहेंगे। पार्टी से नाराजगी संबंधी प्रश्न पर उन्होंने कहा कि ऐसी कोई बात नहीं है, वे पार्टी के सिपाही हैं और कांग्रेस की मजबूती के लिए समर्पित भाव से काम करेंगे, लेकिन चुनाव नहीं लड़ेंगे।

- **हरीश रावत ने कहा अब वे सिर्फ पार्टी को जिताने के लिए ही काम करेंगे, खुद चुनाव नहीं लड़ेंगे।**

उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा शासन में उत्तराखंड बदहाल स्थिति में पहुंच गया है इसलिए पूरा माहौल कांग्रेस के पक्ष में है। अब जब भी चुनाव होंगे, कोई भी करिश्मा भाजपा को जिता नहीं सकता। उनका कहना था कि उत्तराखंड की भाजपा सरकार जनविरोधी है और उसकी नीतियों से लोग तंग आ चुके है।

मां का जन्मदिन मनाने राबड़ी देवी के आवास पहुंचे तेज प्रताप

पटना, 01 जनवरी। जिस बंगले (10, सर्कुलर रोड) को खाली करने के लिए सरकार नोटिस दे चुकी है, उसके फीके माहौल में गुरुवार को पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी ने अपने जीवन के 68वें वर्ष में प्रवेश किया।

1995 के बाद से जहां सुबह-सकारे ही बधाई देने वालों का तांता लग जाता था, वहां के परिवेश में इस बार उदासी का घना कोहरा था। उस कोहरे को छांटते हुए दोपहर में शुभकामना देने पहुंचे बड़े पुत्र तेजप्रताप यादव को देख राबड़ी की आंखें सजल हो गईं। सात माह बाद तेजप्रताप इस बंगले में आए थे। लगभग घंटा भर वे साथ रहे। राबड़ी ने उन्हीं के लाए केक को काटा तथा पार्टी और परिवार से दोबारा नाता जोड़ने की सीख दी। भाव-वि ल हुए तेजप्रताप ने एक्स पर लिखा कि मां परिवार की आत्मा हैं और कठिन समय में भी उनके साथ खड़ी रहीं। हम धन्य हैं, क्योंकि हमारे पास आप हैं! 10, सर्कुलर रोड को खाली करने का उपक्रम शुरू हो चुका है। हालांकि, अभी सब कुछ राबड़ी को अकेले ही करना पड़ रहा। मोतियाबिंद के ऑपरेशन के बाद से राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद दिल्ली में सांसद पुत्री मीसा भारती के बंगले पर आराम कर रहे हैं। पार्टी और परिवार के अगले नायक तेजस्वी यादव अपने परिवार के साथ यूरोप का भ्रमण कर रहे हैं, जो लालू के ऑपरेशन के पहले ही पटना से प्रस्थान कर गए थे।हालांकि, मोबाइल फोन से ही सही, राबड़ी को पहली शुभकामना लालू ने ही दी। दोपहर बाद से प्रदेश अध्यक्ष मंगनीलाल मंडल, प्रदेश प्रवक्ता एजाज अहमद व प्रदेश महासचिव भाई अरुण सहित, पार्टी के इक्का-दुक्का नेता भी पहुंचे, लेकिन पिछले वर्षों की तरह कार्यकर्ताओं या बड़े-बड़े दिग्गजों की भीड़ नहीं जुटी। पिछले वर्षों में इसी बंगले में एक जनवरी को धूम मच जाती थी। बहरहाल इसे पारिवारिक संबंधों में आई खटास और राजनीतिक उतार-चढ़ाव का प्रतिफल माना जा रहा।

- **सात माह बाद तेज प्रताप ने राबड़ी आवास में कदम रखा**

जापान को पछाड़कर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

रूसी तेल खरीद पर भारत पर भारी टैरिफ लगाने के बाद आर्थिक चिंताओं के बावजूद आया है। सरकार ने जोर देकर कहा कि वैश्विक व्यापार में जारी अनिश्चितताओं के बीच भी भारत की निरंतर वृद्धि उसकी मजबूती और लचीलापन दिखाती है।

आईएमएफ के अनुसार, भारत 2022 में दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बना था, जब उसकी जीडीपी ने ब्रिटेन को पीछे छोड दिया था। जनसंख्या के मामले में भारत ने 2023 में अपने पड़ोसी देश चीन को पीछे छोड़ते हुए दुनिया का सबसे अधिक आबादी वाला देश बनने का दर्जा हासिल किया। हालांकि अमेरिका अभी भी दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है, चीन दूसरे और जर्मनी तीसरे स्थान पर है।

विश्व बैंक के ताजा आंकड़ों के अनुसार, 2024 में भारत की प्रति व्यक्ति आय 2,694 डॉलर रही, जो जापान की 32,487 डॉलर से 12 गुना और जर्मनी की 56,103 डॉलर से 20 गुना कम है।

सरकारी आंकड़ों के अनुसार, भारत की 1.4 अरब आबादी में से एक-चौथाई से अधिक लोग 10 से 26 वर्ष की उम्र के हैं और देश को लाखों युवा स्नातकों के लिए अच्छी तनख्वाह वाली नौकरियां पैदा करने की जरुरत है।

दिसंबर की शुरुआत में डॉलर के मुकाबले रुपया अपने अब तक के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया था। 2025 में रुपये में करीब पांच प्रतिशत की गिरावट आई, जिसका कारण अमेरिका के साथ व्यापार समझौते की कमी और भारतीय सामान पर लगाए गए शुल्क को माना जा रहा है।

सरकार ने कहा, "दुनिया के सबसे युवा देशों में शामिल भारत की विकास गाथा इस बात पर निर्भर करती है कि वह कितनी अच्छी तरह गुणवत्तापूर्ण रोजगार पैदा कर पाता है, ताकि बढ़ते वर्कफोर्स को उत्पादक रूप से जोड़ा जा सके और समावेशी व टिकाऊ विकास सुनिश्चित किया जा सके।"विश्व बैंक ने 2026 में 6.5 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान लगाया है। मूडीज का मानना है कि भारत 2026 में 6.4 प्रतिशत और 2027 में 6.5 प्रतिशत वृद्धि के साथ, जी-20 देशों में सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बना रहेगा।

आईएमएफ ने 2025 के लिए अपना अनुमान बढ़ाकर 6.6 प्रतिशत और 2026 के लिए 6.2 प्रतिशत कर दिया है। ओईसीडी ने 2025 में 6.7 प्रतिशत और 2026 में 6.2 प्रतिशत वृद्धि का अनुमान जताया है।

इसी तरह, एसएंडपी को चालू वित्त वर्ष में 6.5 प्रतिशत और अगले साल 6.7 प्रतिशत वृद्धि की उम्मीद है। एशियाई विकास बैंक ने 2025 का अनुमान बढ़ाकर 7.2 प्रतिशत कर दिया है, जबकि फिच ने मजबूत उपभोक्ता मांग को देखते हुए वित्त वर्ष 2026 के लिए अनुमान 7.4 प्रतिशत कर दिया है।

सरकार ने कहा, "2047 तक उच्च मध्यम-आय वाला देश बनने के लक्ष्य के साथ, भारत मजबूत आर्थिक वृद्धि, संरचनात्मक सुधारों और सामाजिक प्रगति की ठोस नींव पर आगे बढ़ रहा है। सन् 2047 तक, अपनी आज़ादी के शताब्दी वर्ष तक, उच्च मध्यम आय वाला देश बनने की महत्वाकांक्षा के साथ, देश आर्थिक विकास संरचनात्मक सुधारों और सामाजिक प्रगति की मज़बूत नींव पर आगे बढ़ रहा है।"

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 2025 में बड़े पैमाने पर कंज़म्पशन टैक्स में कटौती की घोषणा की और 31 मार्च को खत्म हुए 12 महीनों में आर्थिक वृद्धि आर्थिक विकास चार साल के निचले स्तर पर पहुंचने के बाद लेबर लॉ रिफॉर्म्स को लागू किया।

रुस के खेरसॉन में ड्रोन अटैक, 24 की मौत

मॉस्को, 01 जनवरी। रूस के खेरसॉन क्षेत्र में एक कैफे और होटल पर तीन यूक्रेनी ड्रोन हमलों में 24 लोगों की मौत हो गयी और 50 से अधिक लोग घायल हैं। गवर्नर व्लोदोमिर साल्दो ने गुरुवार तड़के टेलीग्राम पर लिखा, "दुश्मन ने एक ऐसी जगह पर लक्षित ड्रोन हमला किया, जहाँ नागरिक नये साल का जश्न मना रहे थे। तीन यूएवी ने खोरली में काला सागर तट पर स्थित एक कैफे और एक होटल पर हमला किया।" प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार, इन हमलों में 24 लोग मारे गये और 50 से अधिक लोग घायल हैं।

नये साल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई।

डॉ. यादव ने बताया कि रात 8 बजे के बाद ही करीब 120 सड़क दुर्घटनाओं के मामले ट्रॉमा सेंटर पहुंचे।

घायलों में अधिकांश दुपहिया वाहन चालक थे। जांच में सामने आया कि कई युवक बिना हेलमेट, और शराब के नशे में वाहन चलाते पाए गए।

नववर्ष पर आठ लाख श्रद्धालु अयोध्या पधारे

रामलला और हनुमान गढी में भारी भीड़ उमड़ी

अयोध्या, 01 जनवरी। रामनगरी में नव वर्ष 2026 की पहली सुबह रामनगरी में भक्ति, विश्वास और उल्लास के रंग में रंगी नजर आई। नया साल लगते ही रामलला के दर्शन की अभिलाषा लेकर श्रद्धालुओं का जनसैलाब सरयू तट से लेकर श्रीराम जन्मभूमि मंदिर और हनुमानगढ़ी तक उमड़ पड़ा। प्रशासनिक अफसरों ने बताया कि इस दौरान आठ लाख से अधिक श्रद्धालु व पर्यटक अयोध्या पहुंचे। इसमें तीन लाख से अधिक भक्तों ने रामलला के दरबार में हाजिरी लगाई, साथ ही हनुमंतलला के दर्शन किए।

नए सपनों, संकल्पों के साथ मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम की नगरी में बुधवार को लोगों ने नए साल के पहले दिन का दिल खोलकर स्वागत किया। भोर से ही मंदिरों के कपाट खुलते ही जय श्रीराम के उद्घोष गूंज उठे। भीड़ का सर्वाधिक दबाव रामलला के दरबार और हनुमानगढ़ी में रहा। श्रद्धालु घंटों कतार में खड़े रहकर भी उत्साह और धैर्य के साथ अपने आराध्य के दर्शन करते दिखे। कहीं भजन-कीर्तन की स्वर लहरियां थीं तो कहीं दीप-धूप के साथ आरती की दिव्यता ने वातावरण को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर दिया।

- **प्रशासन ने सुरक्षा के तथा दर्शनों के लिए उचित इंतजाम करे थे।**

कोहरा व ठंड भी आस्था की राह नहीं रोक सकी। जैसे-जैसे दिन चढ़ता गया, रामनगरी में श्रद्धालुओं का रेला बढ़ता गया। मुख्य मार्ग से लेकर सरयू तट तक भक्तों की भीड़ से मेले जैसा दृश्य नजर आ रहा था। बच्चे, महिलाएं हों या युवा, नए साल की शुरुआत आराध्य के दर्शन से करने के लिए इस कदर उमड़े कि सरयू घाट से राम जन्मभूमि पथ तक जाने वाले रास्ते आस्था का महासंगम प्रतीत होने लगे।

सरयू तट पर आस्था का अद्भुत दृश्य देखने को मिला। कड़कड़ाती ठंड में भी हजारों श्रद्धालुओं ने पवित्र सरयू में स्नान कर रामलला के दर्शन के लिए प्रस्थान किया। सरयू स्नान के बाद श्रद्धालुओं ने नौकायन का भी आनंद लिया। सरयू में स्नान के बाद लता चौक पर सेल्फी लेने की होड़ रही। वहीं शाम होते ही मां सरयू की आरती व जयघोष से सरयू तट गुंजायमान हो गया।

नाका हनुमानगढ़ी में भी नए साल पर दर्शन-पूजन के लिए भक्तों का रेला उमड़ा। मंदिर के महंत रामदास ने बताया कि मंदिर में सुबह से शाम तक करीब 50 हजार भक्तों ने दर्शन-पूजन किया।

न्यूयॉर्क ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जीवन का सबसे बड़ा सम्मान और सौभाग्य है।" ममदानी जानी -मानी फिल्म निर्माता भारतीय मूल की मीरा नायर के पुत्र हैं।

स्विट्ज़रलैंड में बार में धमाका 40 की मौत

बर्न, 01 जनवरी। स्विट्ज़रलैंड के लग्जरी अल्पाइन स्की बार में नए साल के पहले दिन हुए धमाके में कम से कम 40 लोगों के मारे जाने की खबर है। क्रांस मोंटाना शहर में हुए इस धमाके के बारे में स्विस पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया कि धमाका किस कारण से हुआ है, इसकी जानकारी नहीं है।

स्काई न्यूज ने स्थानीय अधिकारियों के हवाले से जानकारी दी है कि इस घटना में 10 लोगों की मौत हुई है। स्काई न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक, अधिकारी अभी इसे किसी आतंकी घटना की नजर से नहीं देख रहे हैं। उधर, स्थानीय समाचार पत्र एल नूविस्ट ने सूत्रों के हवाले से बताया है कि आग के कारण बड़ा नुकसान हुआ है और इसमें करीब 40 लोग मारे गए हैं। अखबार ने बताया कि इस घटना में 100 लोग घायल हुए हैं।

ब्लास्ट के बाद घटनास्थल पर अफरातफरी फैल गई। लोगों को चीखते और चिल्लाते हुए बाहर भागते देखा गया। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए रिजॉर्ट में लगी आग को बुझाने की कोशिश की। धमाके के कारण रिजॉर्ट में बड़ी आग लग गई थी। इस रिजॉर्ट में 400 लोगों की क्षमता थी।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908